ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

03 अगस्त, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 284

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

एक लाख लोगों को दी नौकरी, 83 फीसदी नियुक्ति मूलवासियों की

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,500 रु./10 ग्राम
चांदी	86,000 रु./प्रति किलो

भाजपा विधायकों के आंदोलन में हिमंता बिस्वा सरमा की छाप

■ साढ़े चार साल में पहली बार भाजपा के विधायक इतने तेवर में

■ पार्टी की चुनावी तैयारियों की शुरुआत का संकेत है विधानसभा का घटनाक्रम

■ डेमोग्राफी, भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी के साथ बालू पर भी करेगी दो-दो हाथ

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड में आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए राज्य के राजनीतिक दल पूरी तरह तैयार हैं। इन तैयारियों का अंदाजा पांचवीं विधानसभा के अंतिम सत्र के अंतिम तीन दिन में हुई घटनाओं से मिल जाता है। इन तीन दिनों में झारखंड विधानसभा में वह सब कुछ हुआ, जो आज से पहले कभी नहीं हुआ था। विपक्ष के विधायकों ने सदन स्थगित होने के बाद विधानसभा के बरामदे में रात काटी, 18 विधायकों को सदन से निलंबित किया गया और फिर इन विपक्षी विधायकों ने विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री के चेंबर का घेराव किया और बालू की मंडी सजायी। विधानसभा के ये घटनाक्रम बताते हैं कि विपक्ष, खासकर भाजपा अब चुनाव में जाने के लिए कितनी बेसब्र और तैयार है। यह विधानसभा चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण होनेवाला है। भाजपा जहां महागठबंधन सरकार को सत्ता से हटा कर राज्य की सत्ता में अपनी वापसी कर झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनाने की कोशिश में है, वहीं इंडिया गठबंधन एक बार फिर सत्ता पर काबिज होने की कोशिश में है। इन सबके बीच विधानसभा का घटनाक्रम बताता है कि भाजपा कितने आक्रामक अंदाज में चुनाव मैदान में जानेवाली है। दरअसल 2019 में सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा का तेवर कहीं से भी आक्रामक नहीं रहा। पिछले पांच साल के दौरान उसने सदन के भीतर और सोशल मीडिया पर विपक्षी तेवर तो दिखाये, लेकिन आम जन मुद्दों पर सड़क पर उतर कर मुखर तरीके से आंदोलन नहीं किया। भाजपा विधानसभा के अंतिम सत्र में जिन मुद्दों पर सरकार और सत्ता पक्ष को घेर रही है, इसमें से सभी मुद्दे लगभग पांच साल पुराने हैं, यानी 2019 के चुनाव के पहले के। इन पांच सालों में इन मुद्दों पर कभी भी भाजपा इस तरह से आक्रामक नहीं हुई। न विधानसभा सत्र के दौरान और न ही जिला और ब्लॉक स्तर पर। पहले बाबूलाल मरांडी को प्रदेश की कमान सौंपने और फिर शिवराज सिंह चौहान-हिमंता बिस्वा सरमा की चुनाव प्रभारी- सह प्रभारी के रूप में तैनाती ने अब झारखंड भाजपा को आंदोलन करने का रास्ता दिखा दिया है। खुलेआम यह चर्चा होने लगी है कि आज भाजपा के विधायक जो कुछ भी कर रहे हैं, उनकी ऊर्जा उन्हें शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने ही दी है। तरीका भी उन्होंने ही सुझाया है। इस आक्रामकता का विधानसभा पर क्या असर पड़ेगा। यह भाजपा के पक्ष में जायेगा या इससे उससे पटकनी मिलेगी, यह तो चुनाव के समय ही पता चलेगा, लेकिन इस तेवर ने पहली बार विधानसभा में विचित्र स्थिति पैदा कर दी है। अब तक झारखंड विधानसभा में जो कुछ नहीं हुआ, वह अब देखने को मिल रहा है। भाजपा जहां इसे लोकतांत्रिक अधिकार के तहत किया गया कृत बता रही है, वहीं सत्ता पक्ष इसे हुड़दंगई करार दे रहा है। क्या है झारखंड भाजपा का यह नया तेवर और क्या हो सकता है इसका परिणाम, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

झारखंड की पांचवीं विधानसभा के अंतिम सत्र के अंतिम तीन दिन में जो कुछ हुआ, वह राज्य के विधायी इतिहास के लिए अभूतपूर्व तो था ही, साथ ही इसने विपक्षी दल भाजपा के नये अवतार को भी सामने रखा है। 2019 का चुनाव हारने और सत्ता से बाहर होने के बाद भाजपा ने पहली बार ऐसा तेवर दिखाया है। जानकार कह रहे हैं कि यह तेवर राज्य में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर अपनाया गया है, ताकि पार्टी राज्य की खोयी हुई सत्ता को दोबारा हासिल कर सके। इसका प्लान चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने ही तैयार किया है। वैसे भी हिमंता बिस्वा सरमा अपने आक्रामक तेवर के कारण जाने जाते हैं। और यह सब कुछ हिमंता बिस्वा सरमा के झारखंड में रहने के दौरान ही हुआ है।

धरना-प्रदर्शन से घेराव और बालू की मंडी तक

विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम तीन दिन भाजपा ने राज्य के सियासी माहौल को पूरी तरह गर्म कर दिया। पहले सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ सदन के अंदर धरना और बाद में विधानसभा के गलियारे में रात काटने के बाद दूसरे दिन 18 विधायकों के निलंबन के कारण भाजपा की गतिविधियों की तरफ आम लोगों का ध्यान खींचने की कोशिश की गयी। इसके बाद सत्र के अंतिम दिन तो भाजपा के विधायकों ने जिस तरह विधानसभा भवन में सीएम के चेंबर का घेराव किया, नारेबाजी की और फिर बालू की मंडी सजा कर विरोध किया, उससे साफ हो गया कि पार्टी अब आक्रामक तेवर अपना चुकी है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा इसे विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से चुनावी मुद्दा बनायेगी।

भाजपा ने तय कर दिये हैं चुनावी मुद्दे

झारखंड भाजपा वास्तव में पांच साल में पहली बार इतनी आक्रामक हुई है और चुनाव को देखते हुए मुद्दे भी तय करने लगी है। पहले संथाल परगना में घुसपैठ और डेमोग्राफी में बदलाव के मुद्दे को उठा कर उसने आम जन का

भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश की। पाकुड़ में हुई घटना ने और खासकर छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई ने भाजपा को महागठबंधन सरकार पर हमला करने का एक अवसर दे दिया। वह इसका भरपूर इस्तेमाल कर रही है। पहले बाबूलाल मरांडी पाकुड़ गये। उसके बाद हिमंता बिस्वा सरमा वहां धमके। गुरुवार को दोनों पाकुड़ और दुमका में रहे। वहां से लौटने के बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने भाजपा विधायकों के साथ बैठक की और उसमें सत्र के अंतिम दिन भाजपा विधायकों को क्या करना है, इसकी रणनीति बनी। सत्र शुरू होने से पहले भाजपा के निलंबित विधायक विधानसभा परिसर में पहुंच गये और वहां उन्होंने बालू की मंडी सजा दी। यही नहीं, उन्होंने मुख्यमंत्री के चेंबर के सामने बैठ कर वादाखिलाफी के खिलाफ लगातार नारे लगाये। इन आंदोलनों का झारखंड की जनता पर क्या प्रभाव पड़ेगा और भाजपा को क्या लाभ मिलेगा, यह तो अभी नहीं पता, लेकिन आंदोलन के माध्यम से भाजपा विधायकों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, यह दिख रहा है। आंदोलन से उसने यह भी बता दिया है कि इस विधानसभा चुनाव में वह भ्रष्टाचार, बालू का मुद्दा, स्थानीय और नियोजन नीति को बड़ा मुद्दा तो बनायेगी ही, साथ ही महागठबंधन सरकार की वादाखिलाफी को भी उजागर करेगी।

बालू पर भी खूब होगा झकझूमर

इधर झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन भाजपा ने अपने आंदोलन को बालू की तरफ मोड़ दिया। झारखंड में बालू के मुद्दे पर सालों से राजनीति होती रही है। भाजपा हमेशा से सत्ता पक्ष पर बालू को लेकर कई गंभीर आरोप लगाती रही है। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने सदन के अंदर ही गरीबों को मुफ्त में बालू देने की घोषणा की थी। इसके खिलाफ भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर एक सौ रुपये से लेकर एक हजार रुपये किलो की दर से बालू बेच कर सरकार की बालू नीति का विरोध किया। भाजपा विधायकों ने कहा कि राज्य में किसी भी गरीब को मुफ्त बालू नहीं मिल रहा है। सरकार की अकर्मण्यता और बालू की कालाबाजारी से एक ओर जहां बालू के दाम आसमान छू रहे हैं, तो दूसरी ओर सरकार चुनाव को सामने देख सिर्फ राज्यवासियों को भरमाने के लिए लोकलुभावन घोषणा कर रही है। इससे यह तय हो गया कि भाजपा इस विधानसभा चुनाव में बालू को भी एक बड़ा मुद्दा बनायेगी।

इसके अलावा भाजपा के लिए चिंता की बात यह भी है कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लोकसभा की पांच सीटों में उसे एक भी नहीं मिली, जिनके अंतर्गत 28 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। यही वजह है कि भाजपा ने इस बार अपनी रणनीति बदली है।

ओबीसी पर नजर, पर सवर्ण पर भी फोकस

लोकसभा चुनाव में आदिवासी सीटों पर हार का सामना करने के बाद भाजपा ने विधानसभा चुनाव में ओबीसी वोट बैंक को साधने पर फोकस किया है। इसके अलावा पार्टी ने अपने पारंपरिक सवर्ण वोट को भी नाराज नहीं करने पर ध्यान दिया है। भाजपा ने इसी कसरत के तहत शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा की नियुक्ति की है। इनमें शिवराज ओबीसी हैं, तो सरमा सवर्ण हैं। इन दोनों नेताओं ने आदिवासियों के बाद अब ओबीसी और सवर्ण वोटरों पर ध्यान केंद्रित कर दिया है।

चौहान-सरमा के कारण हुआ यह बदलाव

भाजपा ने झारखंड विधानसभा का चुनाव जीतने के लिए इस बार कुछ भी करने के लिए तैयार है। लोकसभा चुनाव में राज्य के 52 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल करने से उत्साहित पार्टी ने अपने दो कद्दावर नेताओं, शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा को चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी के रूप में तैनात किया। इनकी पहचान आक्रामक चुनावी रणनीतिकार के रूप में हैं। इन दोनों नेताओं ने पिछले करीब डेढ़ महीने में प्रदेश भाजपा के भीतर नयी जान फूंक दी है। इन दोनों नेताओं ने साफ कर दिया है कि पार्टी पूरी आक्रामकता के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। विधानसभा का ताजा घटनाक्रम इसी रणनीति का परिणाम है।

यह बात दीगर है कि सत्ता पक्ष और खासकर झामुमो शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा को चुनाव प्रभारी बनाये जाने के बाद यह आशंका जतायी है कि ऐसा राज्य को अस्थिर करने और वितंडा खड़ा करने के लिए ही भाजपा ने किया है, लेकिन भाजपा तो इन दोनों को अपना बड़ा हथियार मान रही है।

बांग्लादेशी घुसपैठ चुनावी मुद्दा नहीं बल्कि झारखंड की अस्मिता का सवाल है : हिमंता बिस्वा सरमा

अभिजीत अधर्जी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा झारखंड के विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा शुक्रवार को जमशेदपुर पहुंचे। जहा उनके पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ती जा रही है। डेमोग्राफी का सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि संथाल परगना में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा हो रहा है। वहां बांग्लादेशी घुसपैठियों का साम्राज्य स्थापित हो रहा है। अगर हालात नहीं सुधारे गये तो आने वाले 20 साल में झारखंड का मुख्यमंत्री भी कोई घुसपैठिया ही बन जायेगा। संथाल परगना के गांव में जहां आदिवासियों के साथ अत्याचार हो रहा, उनकी जमीन छीनी जा रही वहां पड़ोसी राज्य के मुख्यमंत्री को जाने से रोका जाना यह बताता है कि स्थिति कितनी भयावह है। ऐसा लगता है कि हेमंत सरकार यह मान चुकी है कि पाकुड़ का गोपीनाथपुर झारखंड में नहीं

- ■ भाजपा का मुद्दा विधायक जिताना नहीं बल्कि झारखंड को बचाने का है
- ■ झारखंड सरकार लिख कर दे दे कि राज्य से घुसपैठियों को भगाने की जिम्मेवारी केंद्र सरकार की है, हम विचार करेंगे
- ■ भाजपा हिंदू समाज का घर है, हिंदू समाज एकत्रित होना चाहिए, सुरक्षित रहना चाहिए
- ■ राहुल गांधी से यह फार्मूला सीखना होगा कि बिना अपनी जाति बताये, जाति जनगणना कैसे होती है
- ■ भाजपा अगर हिंदू-मुसलमान कर रही तो कांग्रेस तो केवल मुसलमान-मुसलमान कर रही

बल्कि बांग्लादेश में है। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा हेमंत सरकार पर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के संथाल परगना के कई विधानसभा क्षेत्र में घुसपैठियों की समस्या बनी हुई है। कई विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट में 120%से भी ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

झारखंड में वर्ष 1951 में मुस्लिम जनसंख्या सिर्फ 12-14% थी परंतु बांग्लादेश से आये घुसपैठियों के कारण अब जनसंख्या 40-42% हो गयी है। पश्चिम बंगाल में भी तकरीबन 30% मुस्लिम जनसंख्या हो गयी है। मुर्शीदाबाद की एक टीएमसी विधायक जो मुस्लिम हैं वो कह रहे हैं कि मुस्लिम आबादी 70% हो गयी है तो 30% को हम जब चाहे भगा सकते हैं। ऐसी ही घटना पाकुड़ जिले के तारानगर एवं गोपीनाथपुर में हुई। 2 गांव के 50 से ज्यादा परिवार पाकुड़ सदर में आके बैठे हुए हैं। साथ

ही मैं गायबथान गया वहां आदिवासी परिवार के जमीन पर घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा है, 2015 में ही हाइकोर्ट का फैसला हुआ कि जमीन लौटा दो लेकिन प्रशासन सहयोग नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राजनीति चलती रहेगी, सरकार आयेगी, जायेगी लेकिन प्रदेश बचाना हम सभी पार्टियों की जिम्मेदारी है। साथ ही, उन्होंने हेमंत सोरेन से अपील करते हुए कहा कि आप घुसपैठियों एवं डेमोग्राफी चेंज के मुद्दों को नजरअंदाज मत कीजिए। अगर अभी नहीं संभले तो 30 साल के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री सदन के अंदर घुसपैठियों के सामने समर्पण करते दिखायी देंगे।

भाजपा सरकार आने के बाद घुसपैठियों की समस्या पर उन्होंने कहा कि सबसे पहले झारखंड में जनता की बीच इस विकराल समस्या को लेकर एक चर्चा का माहौल बने। उन्होंने झारखंड के स्थानीय पत्रकारों को असम आकर घुसपैठियों की समस्या के बारे में विस्तृत जानकारी लेने को कहा। असम के घुसपैठियों का एक निश्चित पैटर्न है जो हिंदू बहुल गांव में जाकर गौहत्या कर अपनी जगह बनाते हैं और धीरे-धीरे पूरे गांव को भगा देते हैं। यही पैटर्न पाकुड़ जिले में भी देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में आने के बाद पहले से झारखंड में मौजूदा जमीन कानून की सहायता से घुसपैठियों को बाहर निकालने की भरपूर प्रयास करेगी। असम के बारे में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने वहां के सारे मदरसों को बंद करके चंडीगढ़ जितना बड़ा क्षेत्र घुसपैठियों से मुक्त कराया है। लेकिन जो क्षति पहुंचनी थी वो पहुंच चुकी है। घुसपैठियों की समस्या में असम पहले स्थान पर, बंगाल दूसरे, झारखंड तीसरे और त्रिपुरा चौथे स्थान पर आ गया है।

घुसपैठियों की मुद्दा हमारे लिए चुनावी मुद्दा नहीं है ये झारखंड एवं आदिवासियों के भविष्य एवं अस्मिता का मुद्दा है। झामुमो एवं कांग्रेस द्वारा भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम करने के आरोप पर उन्होंने कहा कि देश में आजादी के समय से ही हिंदू मुस्लिम का मुद्दा है। कांग्रेस-झामुमो तो हमेशा से ही मुस्लिम वोट बैंक के खातिर काम करती है और देश में हिंदू मुस्लिम एक मुद्दा है और झारखंड में भी यह मुद्दा है।

राहुल गांधी के जातिगत जनगणना पर उन्होंने कहा कि सबकी जाति पूछने वाले अपनी खुद की जाति नहीं बता पा रहे हैं। उनको ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। संगठन के बैठक पर उन्होंने कहा कि हम चुनाव झारखंड और झारखंड की अस्मिता बचाने के लिए लड़ रहे हैं। 'घुसपैठ केंद्र का विषय है' झारखंड सरकार के इस आरोप पर उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केंद्र को चिट्ठी लिखकर दें कि घुसपैठ की समस्या केंद्र देखे तो उनको हीरो बोलूंगा। केंद्र सरकार अगर कार्रवाई नहीं करती है तो मुझसे सवाल जरूर करें।

इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, जिला प्रभारी सह पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा भी मौजूद रहे।

बाबूलाल मरांडी का सवाल

झारखंड में भी एक मिनी पाकिस्तान बन रहा है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूछा कि क्या झारखंड में भी एक मिनी पाकिस्तान बन रहा है। यहां की सरकार काम नहीं कर रही। सवाल पूछने पर पीट रही है। खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने झारखंड सरकार से खूंटपानी के मेजोडिंबा मौजा में कोल्हान आवासीय विद्यालय का भवन जल्द से जल्द बनाने की मांग की।

बाबूलाल मरांडी ने विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मीडिया से बात करते हुए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार सदन में किसी भी मुद्दे पर जवाब देने से भाग रही है। सभी विधायक सरकार से उनके चुनावी वादे को याद करा रहे हैं। पूछ रहे हैं कि आखिर वादे कितने पूरे हुए है। साथ ही सभी विधायक मांग कर रहे हैं कि सीएम हेमंत इसका जवाब दें, लेकिन उल्टा सरकार के द्वारा विपक्ष के विधायकों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड का हिस्सा है पाकुड़, लेकिन वहां जाने से असम के मुख्यमंत्री को रोका जा रहा है। आखिर क्या पाकुड़ का गोपीनाथपुर पाकिस्तान का हिस्सा है। क्या पाकुड़ को मिनी पकिस्तान बनाया जा रहा है।

रौतिया जाति को योजनाओं का लाभ न देने का मामला उठाया

रांची। विधायक कोचे मुंडा ने शुक्रवार को विधानसभा सत्र के दौरान रौतिया जाति को आदिवासियों की तरह आवासीय विद्यालयों में नामांकन, चिकित्सा अनुदान, कानूनी सहायता, समाज कल्याध विभाग की योजनाओं का लाभ न देने का मामला उठाया। विधायक ने सरकार से पूछा कि सरकार द्वारा रौतिया जाति के लोगों को आदिवासियों की तरह सभी सुविधा देने की बात की गयी है, लेकिन इस जाति के लोगों का अब तक कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इस पर सरकार की ओर से बताया गया कि कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग झारखंड रांची के पत्रांक 12817 दिनांक 17 11 2012 द्वारा परिचालक वर्गों की सूची अनुसूची 2 के क्रमांक 25 में रौतिया जाति का उल्लेख है।

www.epaper.azadsipahi.in

03 अगस्त, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शनिवार, वर्ष 09, अंक 284

एमसीएल के सीएसआर के तहत 100 युवाओं को यूपीएससी/ओपीएससी कोचिंग दी जायेगी

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLAGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxilary Nurshing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLAGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

सीएम ने विस सत्र के अंतिम दिन सदन में विपक्ष पर किया जवाबी वार

एक लाख लोगों को दी नौकरी, 83 प्रतिशत नियुक्ति मूलवासियों की

- शहीद अग्निवीरों के परिजनों को नौकरी और अनुग्रह राशि मिलेगी
- भाजपा ने जमीन लूट कर राज्य भर में अपना कार्यालय बनवाया
- ये जमीन लूट रहे हैं और हमें जमीन लुटेरा बता रहे हैं
- भाषण के बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विस सत्र के अंतिम दिन विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए जम कर हमला बोला। कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में एक लाख लोगों को गैर-सरकारी नौकरी दी है। 83 प्रतिशत से अधिक स्थानीय मूलवासियों की नियुक्ति की गयी है। पांचवीं विधानसभा के अंतिम सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को सदन में अपने भाषण में उन्होंने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर जवाबी वार किया। उन्होंने अग्निवीर के बारे में घोषणा की। कहा कि शहीद होनेवाले अग्निवीर के परिजनों को अनुग्रह राशि और अनुकंपा पर नौकरी दी जायेगी। सीएम के भाषण के दौरान विपक्षी विधायक वेल में आकर हंगामा करने लगे। लेकिन ने अपना वक्तव्य जारी रखा। सीएम के भाषण के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

भाजपा ने ऑफिस बनाने के लिए जमीन लूटी : मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि उनके पास कोई एजेंडा नहीं है। ये लोग राजनीतिक एजेंडा के तहत काम कर रहे हैं। इन लोगों ने एक महत्वपूर्ण सत्र को हंगामा में बदल दिया। सीएम ने कहा कि इन लोगों का काला चिट्ठा मेरे पास है। इन्होंने पांच साल में क्या किया, सब मेरे पास है, इन्होंने चौबीस जिलों में अपना कार्यालय बनाया। इसमें इन्होंने जमीन की लूट नहीं, बल्कि डकैती की है। जमीन के लिए मर्डर तक हुआ है और फिर इन लोगों ने ऑफिस बनाया। ये लोग जमीन लूटते हैं और हमें जमीन लुटेरे कहते हैं।

हमारे पीछे इडी और सीबीआइ लगा देते हैं और जेल भिजवा देते हैं। सीएम ने आगे कहा, पांच वर्षों में भाजपा के जितने ऑफिस बने, उसका पैसा कहां से आया, सरकारी, गैर मजरुआ और यहां तक कि टाटा की जमीन पर भी इन लोगों ने अपना कार्यालय बना दिया। इन लोगों के पास ना तो सदन के अंदर कोई जवाब है ना सदन के बाहर। इनका समूह और जमात बहुत बड़ा है। बाहर से आकर वे हम पर हमला बोलते हैं।

हिमंता बिस्व सरमा पर साधा निशाना : सीएम ने कहा कि ये झूठ-फरेब की दुकान चलाते हैं। कुछ यहां, कुछ पाकुड़ और कुछ जमशेदपुर में पड़े हैं। एक मुख्यमंत्री ऐसे हैं, जो अपने बाढ़ग्रस्त राज्य असम के लोगों की सुधि नहीं लेते। हम मदद करते हैं और वे यहां आकर राजनीति कर रहे हैं। झारखंड को और समाज को विभाजित कर रहे हैं। चुनाव में झारखंड के साथ असम में भी भाजपा का सफाया हो जायेगा। ये लोग क्या बात करेंगे। ये लोग आइना भी देखेंगे, तो आइना भी शरमा जायेगा। ये इतने बहुरुरिये हैं।

रांची, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद में जनसंख्या कैसे बढ़ी

सीएम ने कहा कि ये लोग डेमोग्राफी की बात करते हैं। बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करते हैं। इनसे पूछा जाना चाहिए कि रांची, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर में आबादी क्यों बढ़ी। किसके कारण आदिवासियों की संख्या घटी। वैसे भी कोई भी अगर घुसपैठ करेगा, तो या तो जमीन से, या नदी के रास्ते या हवाई जहाज से। इन तीनों पर मालिकाना हक इन्हीं का है। ये लोग हमारे देश की स्थिति पाकिस्तान से भी खराब कर देंगे। महंगाई का स्तर देख लें। गरीब भूखों मरने को मजबूर हो गया है। इसीलिए तो केंद्र में पहले मोदी और भाजपा की सरकार थी, अब बैसाखी की सरकार है। सहायक पुलिसकर्मी को इन्होंने नाजायज तरीके से नियुक्त किया और उन्हें मंझधार में छोड़ दिया, हम लगातार इन्हें एक्सटेंशन दे रहे हैं और घोषणा की है कि पुलिस नियुक्ति में 10% आरक्षण देंगे।

बालू बेचने पर साधा निशाना

हेमंत ने कहा कि भाजपा के लोग व्यापारी हैं। सुबह विधानसभा में बालू बेच रहे थे। इनका काम ही है बेचना। ये देश बेच देंगे। अरबों रुपये की ऋण माफी होती है, लेकिन पूंजीपतियों की। ये लोग किसानों का ऋण माफ नहीं करते। किसान खून के आंसू रोता है, लेकिन वह उन्हें दिखायी नहीं पड़ता। हमने झारखंड में पचास हजार रुपये तक की किसानों की ऋणमाफी की है। अभी लोकसभा में इनको आइना दिखाया है। विधानसभा में सफाया कर देंगे।

इनके बड़े नेता ने सवाल नहीं पूछा

हेमंत ने कहा कि भाजपा के सबसे बड़े नेता ने पिछले पांच सालों में एक भी सवाल सदन में नहीं पूछा है। इन्होंने बस राजनीतिक रोटी सेंकी है। गुजरात में, जहां ये 25 साल से सरकार में हैं, एक भी नियुक्ति नहीं हुई है। सबसे ज्यादा पेपर लीक गुजरात में हुआ है। झारखंड में पेपर लीक होता है, तो अखबारों में मोटे-मोटे अक्षरों में छपता है, क्योंकि ये उनकी जेब में हैं। ये तो कोर्ट को भी जेब में रखने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थानीय, नियोजन नीति का इन्होंने बंटाधार कर दिया

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने एक लाख से ज्यादा लोगों को गैर सरकारी नौकरी दी है। अपने हाथों से नियुक्ति पत्र बांटा है। हमने स्थानीय नीति और नियोजन नीति बनायी, लेकिन इन नालायकों ने इसका भी बंटाधार किया। कोर्ट के माध्यम से ये हमारी नीतियों को रोकते हैं। हमने यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के लिए कानून बनाया, तो उसे गैर-कानूनी कहा गया और दूसरे राज्यों ने बनाया, तो वो संवैधानिक हो जाता है। यहां हमने जितनी नियुक्तियां की हैं, उनमें 83 प्रतिशत यहां के स्थानीय मूलवासियों-आदिवासियों को मिलीं। इन लोगों ने सरना धर्म कोड को लागू नहीं होने दिया गया। सीएम ने कहा कि अभी डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि हमें आदिवासी का दर्जा दीजिए। अरे लंबोदार जी, जब आदिवासियों को ही अभी ये अपना हक नहीं लेने दे रहे, तो आप अभी कहां जाइयेगा। ये लोग महिला सशक्तीकरण की बात करते हैं। इन्होंने पांच साल में छह सौ करोड़ रुपये महिलाओं के बीच बांटे, हमने 10 हजार करोड़ रुपये महिलाओं के बीच में बांटा है। अभी हमने मंइयां सहयोग राशि योजना शुरू की है। आज से ही यह शुरू हुआ है। इसमें हम पचास लाख महिलाओं को (21 वर्ष से 50 वर्ष) साल में बारह हजार रुपये देंगे। किसी-किसी परिवार में तीन से चार महिलाएं होंगी, आप जोड़ लें कि उस परिवार को कितना मिलेगा। आगे चल कर यह राशि प्रति परिवार साल में एक लाख रुपये तक पहुंच सकती है। 2019 से पहले अस्पतालों में कोई व्यवस्था इन लोगों ने नहीं की। आइसीयू बेड तक नहीं खरीदा। हमने पिछले पांच सालों में अस्पतालों की स्थिति सुधारी है। इसमें और सुधार करेंगे। सीएम ने कहा कि पारा शिक्षकों के मानदेय में 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गयी है। आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानेदय 50 प्रतिशत बढ़ाया गया, रसोइया के मानदेय में शत प्रतिशत बढ़ोत्तरी की। अनुबंधकर्मियों के मानदेय में करीब 12 सौ करोड़ की अतिरिक्त राशि का प्रबंध प्रतिवर्ष किया गया है।

भविष्य की योजनाएं बतायीं

हम किसानों को और राहत देने के बारे में विचार कर रहे हैं। आने वाले समय में हर प्रखंड में बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देंगे। अभी यह योजना कुछ जिलों में ही शुरू हो पायी है। आगे सभी जिलों में शुरू होगी। भाजपा ने मनरेगा और शिक्षा में पैसे घटा दिये, आवास योजना का पैसा हमें नहीं दे रहे हैं। इसलिए हमने अपने गरीबों के लिए अबुआ आवास योजना शुरू की। अभी हमने तीस लाख लोगों को आवास देने की योजना बनायी है, आनेवाले दिनों में हम योग्य सभी परिवारों को आवास देंगे।

यह अंतिम नहीं, अनवरत सत्र है

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मानसून सत्र है। ये लोग कहते हैं कि यह अंतिम सत्र है, लेकिन असल में यह अनवरत सत्र है। आगे भी हम ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का फार्मूला है किसी को खाने नहीं देंगे, सब हम खा जायेंगे। सदन में भाजपा विधायकों के हंगामे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके शोर-शराबे से हम परेशान होनेवाले नहीं हैं। हम मछली की आंख की तरह अपने लक्ष्य को देख रहे हैं। अगली बार हम फिर लौट कर आयेंगे और इनके ज्यादातर विधायक दूसरी बार चुन कर नहीं आयेंगे। इनकी संख्या दहाई में नहीं पहुंचेगी।

न्यूज रील्स

राजधानी में दिन-दहाड़े वकील की चाकू मार कर हत्या

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने शुक्रवार को रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू घोंप कर हत्या कर दी। इसको लेकर वकीलों में काफी गुस्सा है। रांची का सुखदेवनगर इलाका अपराधियों और ड्रग तस्करों का अड्डा बन गया है। अकसर इस थाना क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन इस बार अपराधियों ने दुस्साहस दिखाते हुए अधिवक्ता की हत्या कर दी है। गोपाल कृष्ण के परिजनों ने बताया कि गोपाल शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे अपने घर से फोटोकॉपी कराने मधुकम स्थित हनुमान मंदिर के पास गये थे। वहां अचानक एक अपराधी हाथ में चाकू लेकर आया और उन पर हमला कर दिया। अपराधी ने अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के पेट, हाथ और पीठ पर चाकू से हमला किया। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर अपराधी मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अपराधी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी अभियान शुरू कर दिया है। सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने गोपाल कृष्ण की हत्या के बारे में बताया कि हत्यारे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पर दबाव बनाया जा रहा है। सिविल कोर्ट में अधिवक्ताओं की आपात बैठक हुई है। इस बीच महाधिवक्ता ने राज्य के डीजीपी से इस बारे में बात की है।

भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर बालू बेच कर जताया विरोध

- बालू बेचते थे, लेकिन अब नहीं कर पायेंगे: सत्ता पक्ष
- कोयल नदी का प्लास्टर्ड बालू 1000 रुपये किलो: विपक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर सांकेतिक रूप से बालू बेच कर विरोध जताया। भाजपा विधायकों ने झारखंड में बालू की किल्लत और हेमंत सरकार के मुफ्त में बालू देने की घोषणा पर विरोध जताया। धरने पर बैठे विधायकों ने कहा कि जिस तरह पांच लाख नौकरी मिली, अन्य योजनाओं का लाभ मिला, उसी प्रकार बालू भी मिलेगा। विधायक टोकरी और बोरा में बालू लेकर पहुंचे थे। साथ ही कहा कि सरकार की मुफ्त बालू देने की योजना हवा-हवाई है। अन्य वादों की तरह इसका भी हश्र वही होने जा रहा है। भारी बारिश के बीच विधायकों का विरोध जारी रहा।

सीएम कार्यालय के समक्ष दिया धरना, बहिष्कार

बालू बेचने के बाद अचानक सभी विधायक सीएम कार्यालय के समक्ष पहुंचे। वहां धरना पर बैठ गये। काफी समय तक जमे रहे। दोपहर दो बजे के बाद जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तो विधायकों ने फिर विरोध जताया। वेल में आकर सीएम से जवाब देने की मांग करते रहे। दूसरी पाली में विरोध के बीच भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर दिया। इस दौरान गैर सरकारी संकल्प लिया जाता रहा।

सीएम ने मंइयां सम्मान योजना के प्रचार वाहन को दिखायी हरी झंडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा परिसर से झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 10 एलइडी वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इन सभी एलइडी वाहनों के माध्यम से रांची, रामगढ़ एवं खूंटी जिला के विभिन्न क्षेत्रों में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

राज्य के सभी जिलों में उपायुक्तों ने प्रचार-प्रसार वाहनों को रवाना किया : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन रवाना किये जाने के बाद रांची, रामगढ़ एवं खूंटी जिला सहित राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों ने अपने-अपने जिलों में मंइयां सम्मान योजना के प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को एलइडी वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। आज से पूरे राज्य में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार की शुरुआत हो गयी।

21 से 50 वर्ष की उम्र की बहनों को हर माह 1000 रुपये की सम्मान राशि

इस योजना के तहत झारखंड में 21 वर्ष से 50 वर्ष की उम्र की बहनों को हर माह 1000 रुपये की सम्मान राशि मुख्यमंत्री ने देने की घोषणा की है। झारखंड की महिलाओं के बैंक खाते में हर माह की 15 तारीख तक 1000 रुपये डाले जायेंगे। इसका फॉर्म आंगनबाड़ी सेविका सहायिका द्वारा घर-घर जाकर नि:शुल्क दिया जायेगा, ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष कैंप लगवा कर आवेदन लिये जायेंगे।

कार्यक्रम में ये मौजूद रहे : इस अवसर पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, मंत्री, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग बेबी देवी, विधायक सविता महतो, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अंबा प्रसाद, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, सचिव मनोज कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एजी की रिपोर्ट विधानसभा में पेश : झारखंड में दो हजार करोड़ का हिसाब नहीं

- विभाग की लापरवाही से राजस्व का भारी नुकसान
- पथ निर्माण में संवेदकों को 5.29 करोड़ का अधिक भुगतान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा के पटल पर शुक्रवार को एजी की रिपोर्ट पेश की गयी। इसमें करीब दो हजार करोड़ का हिसाब-किताब नहीं मिला है। इस पर रिपोर्ट में आपत्ति दर्ज करायी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंताओं ने अनुबंधों में प्रावधान के बावजूद मूल समायोजन की गणना ठीक से नहीं की, जिसके परिणामस्वरूप पांच प्रमंडलों में साथ सड़क कार्यों के संवेदकों को 5.29 करोड़ रुपये अधिक भुगतान हुआ।

महालेखाकार ने कहा है कि ऊर्जा विभाग और कंपनी द्वारा अनियमित रूप से बिना मीटर वाले उपभोक्ताओं की श्रेणी को दोषपूर्ण मीटर वाले उपभोक्ताओं में बदल कर अतिरिक्त सब्सिडी का दावा किया और जेसीआरसी विद्युत प्राय संहिता में दिये गये दोषपूर्ण मीटर से संबंधित बिलिंग के प्रावधानों को बिलिंग सॉफ्टवेयर में मैप नहीं किया। महालेखाकार द्वारा डीएमडीटी के दुरुपयोग पर भी कई टिप्पणियां की गयी हैं। यह रिपोर्ट 2021, 2022 और 2023 को समाप्त हुए वित्त वर्ष की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पथ निर्माण विभाग की विफलता के कारण आठ कार्यों में 37.29 करोड़ रुपये के मूल्य समायोजन में वृद्धि हुई थी। वहीं 11 पथ में मूल्य की गणना में गलत मानदंडों के उपयोग के कारण संवेदकों को 3.98 करोड़ का अधिक भुगतान किया गया है।

एजी अनूप फ्रांसिस डुंगडुंग ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विद्युत नियमाक आयोग के अध्यक्ष और सदस्य का पद जून 2020 से सितंबर 2022 तक रिक्त रहा। इसके कारण वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए बिजली टैरिफ की मंजूरी नहीं मिल सकी। कंपनी 514.08 करोड़ कीअतिरिक्त राजस्व की वसूली से वंचित रह गयी। कंपनी बिजली चोरी के मामलों में जुर्माने के आकलन में विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों और जेएसइआरसी के प्रावधानों का पालन करने में विफल रही है, जिसके कारण 5.74 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है।

पथ निर्माण विभाग-विभागीय निविदा समिति ने सबसे कम बोली में काम अधिक कीमत पर दिया, जिससे सरकार पर 2.62 करोड़ की अतिरिक्त लागत का बोझ पड़ा

शहरी विकास- आवास विभाग, पेयजल स्वच्छताः कार्यपालक अभियंता पेयजल स्वच्छता प्रमंडल चाइबासा ने जलापूर्ति परियोजना से संबंधित अनुबंध के विखंडन के बाद बकाया राशि का प्रमाण पत्र तीन वर्ष से अधिक समय से 4.42 करोड़ के सरकारी बकाया राशि की वसूली के लिए सर्टिफिकेट केस की कार्यवाही शुरू नहीं की गयी।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा विभाग- रिपोर्ट के अनुसार महात्मा गांधी स्मारक चिकित्सा कॉलेज जमशेदपुर ने अनुबंध के आधार पर लोगों को रखा। कार्यादेश से अधिक कर्मियों के भुगतान की अनुमति के कारण अभिकर्ताओं को कम से कम 2.67 करोड़ का अधिक भुगतान करना पड़ा।

ऊर्जा विभाग- रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यालय आधारित ताप विद्युत संयंत्र संचालन शुरू होने के दस साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी विभाग ने पर्यावरण प्रबंधन कोष की स्थापना नहीं की। नतीजतन कंपनी से 82.40 करोड़ की वसूली करने में विफल रहा। कोयला आपूर्ति समझौते में प्रावधान के बावजूद पीआइ के प्रावधान को संशोधित करने की कार्रवाई नहीं की गयी, इसके कारण नौ करोड़ का नुकसान हुआ।

परिवहन विभाग- 4486 परिवहन वाहनों के प्रमादी मालिकों से वसूले जाने योग्य 80.12 करोड़ का कर और जुर्माना नहीं किया गया। 1359 वाहनों के पंजीकरण प्रमाण पत्र की वैद्यता खत्म होने के बाद भी नवीनीकरण नहीं किया गया। इस कारण 6.27 करोड़ का रजिस्ट्रेशन शुल्क, निरीक्षक शुल्क और हरित कर तय नहीं हुआ।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

जीवनशैली, खान-पान कैंसर का बड़ा कारण

रांची (आजाद सिपाही)। कैंसर एक घातक बीमारी है जो हमारी जीवनशैली, खानपान और पर्यावरण में बदलाव के कारण दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। आने वाली पीढ़ी को कैंसर के बारे में जागरूक करने के लिए विद्या विकास पब्लिक स्कूल में छात्रों के लिए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वीवीपीएस के स्वास्थ्य और कल्याण क्लब द्वारा लायंस क्लब रांची लाइफ की तरफ से आयोजित था। इसमें एमएस आरती, जोन चेयर पर्सन रवींद्र मेहता, डॉ मनीषा, मिनी प्रियदर्शिनी, मैथ्यू आरसीएचआरसी उपस्थित थे। मुकुल कुमार घोष, नीरज कौशिक, सतीश कुमार ने भी अपनी बातें साझा की। अंत में एक प्रश्नोत्तरी दौर आयोजित किया गया। विजेता छात्रों को टी-शर्ट और टोपी देकर बधाई दी गयी। विजेता छात्रों में दसवीं कक्षा से रितिका तराशा, सारांश, नैतिक, आदित्य, वरुण और प्रज्ज्वल और नौवीं कक्षा से आर्यन ओझा, आदित्य भगत और चित्रांश थे।

महाप्रबंधक मंडल रेल प्रबंधकों के साथ की समीक्षा

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय हाजीपुर में पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ भविष्य की चुनौतियों और कार्य योजना पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार सहित मुख्यालय के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी, पं दीनदयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा, सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद और समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया। इसके उपरांत माल लदान बढ़ाने, यात्री सुविधा और आधारभूत संरचना के विकास से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय पालन, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान और राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नयी तकनीक का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना होगा, ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं की नियमित और गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया।

आरपीएफ ने रेलवे ट्रैक स्टंट के लिए युवक को गिरफ्तार किया

रांची (आजाद सिपाही)। लापरवाह व्यवहार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल ने प्रचार के लिए रेलवे पटरियों के साथ आपराधिक छेड़छाड़ करके सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक यू-ट्यूबर को गिरफ्तार किया है। ट्विटर पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को रेलवे पटरियों पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखते हुए दिखाया गया था, जिसके बाद तत्काल जांच की गयी। अपराधी गुलजार शेख ने 250 से अधिक वीडियो अपलोड किया है। उसके 2 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स हैं। उसकी ऑन कैमरा गतिविधियों ने रेलवे सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा किया। आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने गुलजार शेख को यूपी से गिरफ्तार किया। त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए आरपीएफ लखनऊ मंडल की सराहना करते हुए डीजी आरपीएफ ने जोर देकर कहा कि गुलजार शेख के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भारतीय रेलवे की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगा। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के महत्व को दोहराया और जनता को आश्वासन दिया कि रेल सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ संकल्प और सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामना किया जायेगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए मुकदमा चलाया जायेगा।

सरस्वती शिशु मंदिर में रसायन शास्त्र दिवस मना

रांची (आजाद सिपाही)। भारत के रसायन विज्ञान के जनक डॉ प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बीजूपाड़ा में रसायन शास्त्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि आज की पीढ़ी को महापुरुषों से सीख लेने की जरूरत है। रसायन विज्ञान के जनक डॉक्टर प्रफुल्ल राय दुनिया में विशिष्ट योग्यता के लिए पहचाने जाते रहे हैं। उनके द्वारा निर्मित बंगाल केमिकल्स फार्मास्यूटिकल्स कंपनी देश के लिए करोड़ों का मुनाफा करती है। विज्ञान हर चुनौती और समस्याओं का समाधान भी है। समाजसेवी अजीत सिंह ने भैया बहनों को आशीर्वचन में कहा आप आने वाली युवा पीढ़ी के भविष्य हैंआप अपने माता.पिता एवं गुरुजनों का नाम सदैव आगे रोशन करते रहें। इसके पूर्व विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय के बच्चे-बच्चियों द्वारा मुख्य अतिथि आलोक कुमार दुबे, विशिष्ट अतिथि विद्यालय की सचिव बबीता सिंह, पासवा वोलेंटियर्स मेहुल दुबे, योगेंद्र यादव, अजीत सिंह का छऊ नृत्य से स्वागत किया गया। प्राचार्य नीरज कुमार तिवारी, पूजा कुमारी, योगेंद्र यादव समेत अन्य मौजूद थे।

आज झारखंड में सभी स्कूल और कॉलेज बंद

पानी-पानी हुआ झारखंड

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत झारखंड के कई जिलों में शुक्रवार को मुसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इधर, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक भारी बारिश की उम्मीद जतायी है। बारिश के कारण जिला प्रशासन की टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है। दिनभर बारिश के कारण दीपाटोली-बरियातू, देशवाली टोली, हाउसिंग कॉलोनी समेत राजधानी की सड़कों पर जलजमाव हो गया। इसके चलते आने-जानेवाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दीपाटोली में जलजमाव कुछ इस कदर हुआ कि शाम को एनडीआरएफ की टीम को राहत कार्य में जुटना पड़ा। वहीं देशवाली टोली के एक दर्जन घरों में बारिश का पानी घुस गया। इटकी रोड का डायवर्सन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

इधर, मौसम विभाग ने राज्य के गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग और गुमला जिलों में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी और सिमडेगा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना को लेकर विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

- राजधानी समेत कई जिलों में मुसलाधार बारिश
- जनजीवन अस्त-व्यस्त, अलर्ट जारी
- दीपाटोली, देशवाली टोली में कई घर जलमग्न
- इटकी रोड में डायवर्सन क्षतिग्रस्त
- दीपाटोली में एनडीआरएफ की टीम राहत कार्य में जुटी
- सड़कों पर जलजमाव से आवागमन में भारी परेशानी

गृह विभाग ने सभी डीसी को अलर्ट रहने का दिया निर्देश

रांची (आजाद सिपाही)। भारी बारिश को देखते हुए गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार को सभी डीसी को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। गृह विभाग के पत्र में कहा गया है कि तीन अगस्त को राज्य में भारी बारिश की संभावना है। भारी मौसम विभाग ने इसके लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अलर्ट को मद्देनजर रखते हुए जिलों में सुरक्षा के उपाये किये जायें। दूसरी ओर, मौसम विभाग ने 3 अगस्त के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आने वाले दो दिनों में वज्रपात की भी आशंका है। 4 और 5 अगस्त को राज्य में हल्के दर्जे की बारिश की संभावना है। 6 और 7 अगस्त को राज्य में फिर से भारी बारिश की संभावना है।

सीएम का आदेश-आज राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल रखें बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तेज हवा और बारिश की संभावना को देखते हुए 3 अगस्त को सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को बंद रखने का निर्देश दिया है। मौसम विभाग ने राज्य के ज्यादातर जिलों में 3 अगस्त को भी लगातार तेज हवा चलने और भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। मुख्यमंत्री ने मौसम के रुख को देखते हुए सुरक्षा के दृष्टिकोण से 3 अगस्त को राज्य भर के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को बंद रखने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय मंत्री से मिले राज्यपाल

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यपाल संतोष गंगवार ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से शुक्रवार को दिल्ली स्थित निवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के जरिये स्वलिखित पुस्तक एक सफर हमसफर के साथ की एक प्रति उन्होंने राज्यपाल को दिया। इसके लिए राज्यपाल ने आभार जताया।

जलवायु परिवर्तन से बचाव और जल संरक्षण भी पौधरोपण से ही संभव : आराधना शुक्ल

प्रज्ञा गुरुकुल में पौधरोपण समारोह सह हरित दिवस आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी के अशोक नगर स्थित प्रज्ञा गुरुकुल की निदेशक आराधना शुक्ल ने कहा है कि केवल वृक्षारोपण के सहारे ही जलवायु परिवर्तन और कुल मिला कर ग्लोबल वार्मिंग से बचाव और जल संरक्षण आदि भी संभव है। श्रीमती शुक्ल ने कहा कि आजतक के वैज्ञानिकों के साथ ही हमारे युग की भी सबसे बड़ी खोज यही है कि हमने पेड़ के साथ ही नदी, जंगल, पहाड़, जमीन, जल आदि का महत्व भी अच्छी तरह से जान लिया है, जबकि हमारे वेद-पुराण, संस्कृति-संस्कार, साहित्य-गीत से लेकर वेदों के श्लोक और पारम्परिक जीवन में भी पेड़-पौधों के महत्व को बताया गया है। श्रीमती शुक्ल ने कहा कि आज की सबसे बड़ी जरूरत वृक्षारोपण, पेड़ों के बचाव-संरक्षण और इन विषयों पर लोगों को जागरूक करने की है। आज विद्यालय में उल्लास के साथ हरित दिवस का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अन्य आगन्तुक अतिथियों ने भी भाग लिया। हरित दिवस के अवसर पर कलाकृति सृजित करने के साथ ही विद्यार्थियों ने चित्रकारी भी की जिसका केंद्र बिंदु वर्षा ऋतु और वृक्षारोपण था।

सेना भर्ती रैली के सातवें दिन 1040 युवाओं ने दिखाया दम

रांची (आजाद सिपाही)। सेना भर्ती रैली के सातवें दिन शुक्रवार को 1040 युवाओं ने दम दिखाया। अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए झारखंड राज्य के पलामू और देवघर जिले के अभ्यर्थियों ने सेना बहाली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलगांव स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए। युवाओं ने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में उपस्थिति दर्ज की। सेना भर्ती कार्यालय रांची के जरिये अग्निवीर रैली भर्ती प्रक्रिया के दौरान हरसंभव सकारात्मक तरीके से किये गये आचरण और बेहतरीन भर्ती प्रक्रिया की सभी उम्मीदवारों ने सराहना की।इस दौरान अभ्यर्थियों को बिस्किट, पीने का पानी, डाटा फीड के लिए सहयोग, डॉक्टर्स के साथ मेडिकल की सुविधा, कूल रूम, पुलिस प्रशासन का सहयोग मिल रहा है।

हाइकोर्ट के आदेश के दो साल बाद जागी सरकार ट्रायल कोर्ट से अनुसंधान की मांगी अनुमति

अपराध अनुसंधान विभाग ने हाइकोर्ट से कहा, तीन बार पत्र लिख कर ट्रायल कोर्ट से मांगी अनुमति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजारीबाग जिले के बड़कागांव में 14 अगस्त 2015 को किसान अधिकार महारैली के दौरान हुई झड़प के दौरान चर्चित ढेंगा गोलीकांड का मामला फिर एक बार सुर्खियों में है। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य सरकार जून 2022 में घटना की सीआइडी जांच टेकओवर कर जांच कराने का शपथ पत्र देकर भूल गयी थी। सरकार की नींद तब खुली, जब पुनः मंटू सोनी ने अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता और राहुल कुमार मिश्रा के माध्यम से झारखंड हाइकोर्ट में क्रिमिनल रिट दायर की। इसके बाद सरकार की नींद खुली और रांची सिविल कोर्ट के सहायक लोक अभियोजक ने 29 जुलाई 2024 को एडीजे 7 विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट में सीआइडी जांच की अनुमति के लिए आवेदन दिया है।

हाइकोर्ट में सीआइडी ने कहा, तीन पत्र ट्रायल कोर्ट को लिखा, अनुमति नहीं मिली है : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी के आदेश के बाद सीआइडी ने कांड से संबंधित केस टेक ओवर कर लिया, लेकिन जांच नहीं कर रही थी। इधर ट्रायल कोर्ट में ट्रायल जारी रहा। ट्रायल कोर्ट में मंटू सोनी द्वारा आवेदन दिये जाने के बाद अनुमति नहीं मिलने पर प्रार्थी मंटू सोनी ने पुनः हाइकोर्ट में याचिका दायर की। जहां सीआइडी ने शपथपत्र के माध्यम से कांड के अनुसंधान की अनुमति के लिए तीन बार ट्रायल कोर्ट को पत्र लिखने की बात स्वीकार की है। वहीं आनन-फानन में सहायक लोक अभियोजक ने विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट से 29 जुलाई को सीआइडी पत्र के आलोक में अग्रेतर अनुसंधान हेतु अनुमति देने का आग्रह किया है।

सरकार बताये जेलों के रिक्त पद कब तक भरे जायेंगे: हाइकोर्ट

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य के जेलों के रिक्त पदों पर अनुबंध पर नियुक्ति किये जाने पर नाराजगी जतायी है और कहा है कि जेल जैसे संवेदनशील स्थानों पर अनुबंध पर नियुक्ति क्यों की जा रही हैं। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने सरकार को यह बताने को कहा कि जेलों के रिक्त पद कब तक भरे जायेंगे। पदों को भरने के लिए अब तक क्या प्रक्रिया की गयी है। अदालत ने हजारीबाग केंद्रीय कारा केआजादी के पहले के ऐतिहासिक दस्तावेज को संरक्षित करने के लिए अभिलेखागार कब तक बनेगा, इसकी भी जानकारी मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी।

महत्वपूर्ण खबरें

रांची विश्वविद्यालय में मनाया केमिस्ट्री-डे

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को केमिस्ट्री-डे मनाया गया। यह आयोजन पीजी केमिस्ट्री आरयू तथा आइक्यूएसी रांची विश्वविद्यालय जरिये किया गया। भारत के प्रसिद्ध रसायनज्ञ आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की याद में केमिस्ट्री डे 2 अगस्त को मनाया जाता है। आचार्य पीसी रे ने ही आधुनिक भारत में शिक्षा के क्षेत्र में रसायन विज्ञान को स्थापित किया। उन्होंने अध्यापन के साथ ही पहली स्वदेशी दवा और कास्मेटिक्स उद्योग भी स्थापित किया। नेशनल केमिस्ट्री डे आयोजन में सबसे पहले कुलपति प्रो डा अजीत कुमार सिन्हा, प्रो डॉ जीडी मिश्र (वरिष्ठ प्राध्यापक केमिस्ट्री) प्रो डॉ एके डेल्टा (पीजी केमिस्ट्री हेड) डीएसडब्ल्यू डॉ एसके साहू, डॉ अरुण कुमार (डीन साइंस) कुलसचिव डॉ विनोद नारायण ने आचार्य पीसी रे की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। मौके पर कुलपति ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला और कहा कि आचार्य पीसी रे भारतीय रसायन शास्त्र के जनक थे। वह एक प्राध्यापक, साहित्यकार, उद्योगपति भी थे। उनकी सबसे बड़ी खोज नाइट्रस आक्साइड की थी। आज हम उनके जन्म दिवस पर याद करके नेशनल केमिस्ट्री डे मना रहे हैं। उनके योगदान का देश सदैव ऋणी रहेगा। पीजी केमिस्ट्री विभाग के हेड डॉक्टर एके डेल्टा ने आचार्य पीसी रे के देश में केमिस्ट्री में योगदान और उनकी जीवनी के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि डॉ जीडी मिश्र ने कहा कि आचार्य पीसी रे जैसे महान लोगों को याद करने का उद्देश्य हम इसलिए ही है कि इन विलक्षण लोगों के कार्यों को जानें, उनसे सीखें उनके योगदान से प्रेरणा लें। कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के वरीय पदाधिकारी, सभी विभागों के हेड, डीन, प्राध्यापक और सैकड़ों छात्र उपस्थित थे।

लघु मालवाहक वाहन के परिचालन पर नो इंट्री मंजूर नहीं: जेसीपीडीए

रांची (आजाद सिपाही)। नगर प्रशासक के द्वारा लघु मालवाहक वाहनों के परिचालन अवधि को सीमित करने के निर्देश पर नाराजगी जताते हुए झारखंड कंज्यूमर प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन ने इसे अव्यवहारिक बताया। जेसीपीडीए की बैठक में डिस्ट्रीब्यूटर्स की अन्य कई कठिनाइयों पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जेसीपीडीए के अध्यक्ष संजय अखौरी ने कहा कि वर्तमान में नो इंट्री के नये नियमों से डिस्ट्रीब्यूटर्स की चिंता जायज है। व्यापारी पहले से ही वर्ष 2017 में लागू नो इंट्री के नियम से परेशान थे। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अगर नो एंट्री रहेगी तो सप्लाई करने के लिए अधिक कर्मचारी एवं गाड़ी की आवश्यकता पड़ेगी जिससे वस्तुओं का कास्ट और बढ़ जाएगा। जिला प्रशासन और नगर निगम को यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि महामारी के समय भी एफएमसीजी सेक्टर ने ही प्रशासन और सरकार का सहयोग करते हुए अपनी सुरक्षा की परवाह किये बगैर पूरे शहर में आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन को बरकरार रखा था। यदि सरकार इस नो एंट्री की व्यवस्था को नहीं हटाएगी तो इसके विरोध में हम व्यापारी कार्रवाई के लिए विवश होंगे। जेसीपीडीए के सचिव सैनक पोद्दार, कोषाध्यक्ष अरविंद पोद्दार, पंकज तिवारी, कृष्ण कुमार बलदेव, अशोक मंगल, संजय मित्तल समेत अन्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का गांधी फेलोशिप के लिए चयन

रांची (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी कालेज प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में आयोजित कैंपस ड्राइव में हिंदी, मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, भूगोल विभाग के तीन विद्यार्थियों का गांधी फेलोशिप में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में मोहित पाठक, अंकिता सोनी एवं कुमारी शामिल है। इन सभी 3 चयनित छात्रों को वर्क लोकेशन बिहार और उत्तरप्रदेश दिया गया है। मौके पर मारवाड़ी महाविद्यालय के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ राजीव रंजन शर्मा, डॉ तरुण चक्रवर्ती, डॉ उमेश कुमार, डॉ सीमा चौधरी, अनुभव चक्रवर्ती, डॉ स्मिता गहलोत मौजूद थे।

आसनसोल-दानापुर-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल, अब सप्ताह में चार दिन

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा आसनसोल और दानापुर के मध्य गाड़ी संख्या 03553-03554 श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का सप्ताह में एक दिन परिचालित की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर अब इस स्पेशल को सप्ताह में चार दिन परिचालित करने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन अब आसनसोल से 5 अगस्त से 19 अगस्त तक सप्ताह के सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को, जबकि दानापुर से 6 अगस्त से 20 अगस्त तक सप्ताह के मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को चलायी जायेगी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

महत्वपूर्ण खबरें

सीएम से मिले साकेत कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में आइजी, सीआरपीएफ साकेत कुमार सिंह ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

क्राइम कैपिटल बन गयी है रांची ठप हो चुका है सिस्टम: संजय सेठ

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को रांची राजधानी में सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सुखदेवनगर निवासी गोपाल कृष्ण की हत्या की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंत्री श्री सेठ ने कहा, आखिर रांची की पुलिस कर क्या रही है। रोज दिनदहाड़े अपराध हो रहे हैं, प्रशासन मौन है। सरकार को कोई मतलब नहीं, आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। क्या सरकार, प्रशासन, और अपराधियों का गठजोड़ चल रहा है। राजधानी रांची क्राइम सिटी का अड्डा बन चुकी है। इन अपराधियों के सामने सरकार और प्रशासन पंगु बना हुआ है। सरकार और प्रशासन धैर्य की परीक्षा ना ले, अब बहुत हो चुका ,अगर विधि व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। सभी वर्गों में आक्रोश है, अगर सरकार और प्रशासन नहीं चेता तो इसका खामियाजा भुगतना होगा।

महाधिवक्ता का डीजीपी को पत्र, वकील गोपाल कृष्ण के हत्यारों को जल्द पकड़ें

रांची (आजाद सिपाही)। रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू हत्याकांड पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने संवेदना व्यक्त की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद महाधिवक्ता ने राज्य के डीजीपी को अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारों को जल्द पकड़ने और वकीलों के खिलाफ हिंसा करनेवालों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। महाधिवक्ता ने डीजीपी अनुराग गुप्ता से व्यक्तिगत रूप से कहा कि अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारे जल्द से जल्द पकड़े जायें और इस घटना की त्वरित जांच कर दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे डाला जाये। बता दें कि रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की शुक्रवार को चाकू मार कर हत्या कर दी गयी है। इसके बाद से वकीलों में काफी रोष है।

गोपाल कृष्ण की हत्या के विरोध में रांची सिविल कोर्ट में न्यायिक कार्य ठप

रांची (आजाद सिपाही)। रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की दिनदहाड़े हत्या के बाद सिविल कोर्ट में कामकाज ठप है। वकील की हत्या से जिले के अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश है। अपने गुस्से का इजहार करते हुए रांची सिविल कोर्ट के सैकड़ों अधिवक्ताओं ने रांची जिला बार एसोसिएशन से सिविल कोर्ट परिसर में मौन जुलूस निकाला और सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया। इससे पहले सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने बार भवन में एक बैठक कर अधिवक्ताओं के संग हो रही आपराधिक घटनाओं पर चिंता जाहिर की। एसोसिएशन अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी के लिए रांची एसएसपी से भी बातचीत करेगा। फिलहाल एसोसिएशन ने यह निर्णय लिया है कि शनिवार तक रांची सिविल कोर्ट के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते हुए न्यायिक कार्य से दूर रहेंगे।

दुकान से भाड़ा वसूल कर एचइसी को नहीं चलाया जा सकता : राणा संग्राम सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। रांची हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री सह इंटक के वरीय राष्ट्रीय सचिव राणा संग्राम सिंह ने एचइसी के निदेशक कार्मिक से कामगारों के बकाया वेकन भुगतान को लेकर बातचीत की। सिंह ने कहा कि बिना उत्पादन के एचइसी को नहीं चलाया जा सकता। उत्पादन का कोई विकल्प नहीं है। बार-बार हड़ताल, टूल डाउन, प्रदर्शन, किसी भी उद्योग को बंदी की तरफ धकेलता है। निःसंदेह 21 माह से भूखा कामगार उत्पादन क्या करेगा। उसे अपना और अपने परिवार के पेट की चिंता हमेशा परेशान करती रहेगी। निदेशक से वार्ता के बाद राणा ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। वेतन भुगतान भी होगा, लेकिन इसके लिए जहां आवश्यक हो, वहां उत्पादन करना होगा। क्योंकि एचइसी बिना उत्पादन के नहीं चल सकता। दुकान से भाड़ा वसूल कर कारखाना को नहीं चलाया जा सकता है और न ही राज्य सरकार के सहारे चलाया जा सकता है। इसे भारत सरकार और एचइसी कर्मियों की बदौलत ही चलाया जा सकता है। सिंह ने कहा कि कामगारों के बकाया वेतन के भुगतान सहित सभी मुख्य मांगों पर विचार हुआ। मुख्य रूप से 18 वें बैच के कामगार की प्रोन्नति, फाउंड्री मैन का अपग्रेडेशन, बैंक से पर्सनल लोन वेतन भुगतान के पूर्व एचइसी द्वारा क्लीयरेंस, जिस रिटायर कर्मी के रिटायरल ड्यूज का भुगतान प्रबंधन ने नहीं किया है, उनके आवंटित क्वार्टर से नॉर्मल किराया लिया जाये। कर्मचारियों के आश्रित बच्चों की स्कूल फीस के संबंध में प्रबंधन और स्कूल व्यवस्थापक के बीच पहले चक्र की बात हो चुकी है। सप्लाई कामगार जल्द ही काम पर लौटेंगे। फार्म 16 पर ज्यादा चिंतित नहीं होना है। जब वेतन नहीं मिला, तो इनकम शून्य दिखाना होगा। वार्ता में एचइसी की तरफ से निदेशक कार्मिक मनोज लकड़ा, प्रभारी प्रमुख संगीता सिन्हा, देवा देवघरिया और हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन की तरफ से राणा संग्राम सिंह, लीलाधर सिंह, गिरीश चौहान, दिलीप कुमार सिंह ने भाग लिया।

सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन 1984 सिख दंगा पीड़ितों के साथ : तजेंद्र सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। आल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन के झारखंड के अध्यक्ष तजेंद्र सिंह ने झारखंड के 1984सिख दंगा पीड़ितों से तत्कालीन दस्तावेज के साथ उन्हें 9835565865 पर संपर्क करने को कहा है ताकि समय रहते सही दस्तावेजों के साथ पीड़ितों के लिए न्याय की गुहार लगायी जाये। बहुत जल्द आवेदन स्वीकृति की तिथि समाप्त होने वाली है। आज जस्टिस डीपी सिंह आयोग कार्यालय आयोग में झारखंड के सिख दंगा पीड़ितों की सुनवाई हुई। जस्टिस डीपी सिंह ने हर पीड़ितों की घटना सुनी और उचित कार्रवाई की। पीड़ितों में रांची से सारणजीत सिंह बल, जमशेदपुर से रंजीत सिंह, बोकारो से माता इंद्रजीत कौर, जसबीर कौर, हरबंस सिंह डांग उपस्थित थे।

मलाल : मानसून सत्र के अंतिम दिन नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा

झारखंड के लोगों के सवालों का जवाब निरुत्तर रह गया

सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक नौटंकी करके मुख्यमंत्री चले गये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड के लोगों के सवाल का जवाब निरुत्तर रह गया। सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक नौटंकी करके मुख्यमंत्री चले गये। जो वादे 2019 में उन्होंने किया था और जिसके दम पर चुन कर आये थे, फिर उन्ही वादों को पोस्ट डिलीटेड चेक के तहत जनता को देकर बेवकूफ बनाने का काम किया है। इनके पास उपलब्धि के नाम पर शून्य है। यह पूरी तरह से लोकतंत्र की हत्या करनेवाले लोग हैं। अमर कुमार बाउरी शुक्रवार को पंचम झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन मीडिया से बात रहे थे। उन्होंने कहा कि पांच लाख बेरोजगारों को रोजगार देने के वादे पर क्या कहा कुछ नहीं कहा। बेरोजगारी भत्ता देनेवाले वादे पर क्या कहा? कुछ नहीं कहा। विभिन्न परीक्षाओं की जांच पर क्या कहा? कुछ नहीं कहा। इन्होंने नियोजन नीति, स्थानीय नीति पर कुछ नहीं कहा। खतियान आधारित नियोजन नीति पर कुछ नहीं कहा।

इन्होंने अनुबंधकर्मी चाहे वह मनरेगाकर्मी हो, चाहे सहायक पुलिसकर्मी हो, चाहे पोषण सखी हों, सहिया कर्मी हो, पारा शिक्षक हों, ऐसे कंप्यूटर ऑपरेटर से लेकर संविदा और अनुबंधित कर्मी के बारे में इन्होंने कुछ नहीं कहा। बाउरी ने कहा कि हम लोगों ने पूरे झारखंड प्रदेश के विषयों को लेकर के उनके सामने रखा था। नेता प्रतीक्षा को बोलने का ही मौका नहीं दिया। देश के अंदर इनके नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने के लिए असीमित अधिकार चाहिए, लेकिन झारखंड में नेता प्रतिपक्ष को बोलने के लिए उनके पास पांच सेकंड बोलने के लिए नहीं दिया गया। क्या इनके पास जनता के सवालों को सुनने का 5 सेकंड का भी दम नहीं है। सरकार ने तुष्टिकरण की प्रकाष्ठा पार की है। यह बांग्लादेशी घुसपैठ को जायज ठहराने के लिए गोविंद मरांडी, डांडू हेंब्रम पर लाठीचार्ज कर रहे हैं और उसको जायज ठहरा रहे हैं। यह पूरी सरकार बौखलाहट में है। हम लोगों ने इस स्पीकर को हटाने के लिए 158 ए की नियमावली के तहत मांग की है। इन्होंने संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार करने की कोशिश की। इन्होंने एक राजनीतिक एजेंट के रूप में उनका झंडा लेकर संविधान के अंदर सभापति के पद को कलंकित किया। झंडा लेकर के पक्षपात किया है। झंडा लेकर के एक स्पोक्स पर्सन के रूप में बांग्लादेशी घुसपैठ के ऊपर जो टिप्पणी की, उसे खारिज कर दिया। और आज भरी सभा में कई एक गैर कानूनी और गैर संवैधानिक कार्य किया। यह इतने मतवाले हो गये हैं कि उन्होंने अपनी आवाज को छुपाने के लिए पत्रकारों को भी अंदर नहीं जाने दिया। उनसे भी भेदभाव किया। उनकी भी आवाज को दबाने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार जानेवाली है। यह सरकार चली गयी है। एनडीए सरकार वापस आयेगी और मजबूती के साथ आयेगी। नया सवेरा होगा और कमल खिलेगा।

भारतीय जनता पार्टी ने देश बेच दिया: बन्ना

मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बीजेपी ने बीसीसीएल, पोर्ट, बंदरगाह, बीएसएनएल सहित देश की कई संपत्तियों को बेच दिया। भाजपा निजीकरण करके बाबा साहेब के संविधान को बेचने की कोशिश कर रही है। बालू तो बहुत छोटी चीज है। कहा कि इन लोगों का इतिहास ही व्यापार का है। उन्होंने कहा कि आप सदन को हाइजैक करके थोड़े चलाने सकेंगे।

442 बालू घाट में से सिर्फ 22 घाटों की हुई नीलामी-बिरंची

भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बाकी बचे 420 घाटों पर झामुमो, कांग्रेस और आरजेडी के नेता, कार्यकर्ताओं और बिचौलियों ने सरकार के संरक्षण में संगठित अपराध किया। डकैती करायी है। आज झारखंड की जनता बालू के लिए तरस रही है। सरकार अबुआ आवास बनवा रही है। लोग 5000 रुपये में एक ट्रैक्टर बालू लेकर अबुआ आवास बना रहे हैं। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार बताये कि बालू का स्टॉक कहां है। एनजीटी ने 15 अक्टूबर तक नदी से बालू का उठाव करने पर रोक लगायी है, तो सरकार गरीबों को बालू कैसे मुहैया करायेगी। बिरंची ने कहा कि यह बात साफ है, जैसे सरकार ने लोगों को नौकरी के लिए ठगा, उसी तरह बालू में भी ठगेगी।

जैसे पांच लाख नौकरी दी, वैसे ही बालू देंगे: नीरा यादव

भाजपा विधायक नीरा यादव ने तंज कसते हुए कहा कि पहले ट्रैक्टर वालों का 100 रुपये का चालान काट कर छोड़ दिया जाता था। लेकिन आज उनका ट्रैक्टर थानों में सड़ रहा है। आज उन्हीं के लिए सरकार के विरोध में बालू बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनजीटी ने बालू के उठाव पर 15 जून से ही रोक लगायी है और अभी मुख्यमंत्री अनाउंस कर रहे हैं कि बालू मुफ्त में देंगे। हेमंत सरकार ने जिस तरह पांच लाख नौकरी दी, बेरोजगारी भत्ता दिया, उसी तरह बालू मुफ्त में देगी। बीजेपी विधायक शशि भूषण मेहता ने बालू बेचते हुए कहा कि कोयल नदी का प्लास्टर्ड बालू 1000 रुपये किलो है। थोड़ी देर बाद उन्होंने कहा कि अब बच्चों की स्कूल की फीस भरनी है, दूसरे सामान महंगे हो गये हैं, इसलिए अब बालू भी 1200 रुपये किलो बेचेंगे।

झारखंड में प्राइवेट विवि की स्थापना संचालन के लिए मॉडल एक्ट तैयार

25 प्रतिशत सीट स्थानीय के लिए आरक्षित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अब प्राइवेट विवि की स्थापना से लेकर संचालन तक पर सरकार की पूरी नजर रहेगी। स्थापना से लेकर संचालन तक नकेल कसने के लिए राज्य सरकार ने मॉडल एक्ट तैयार किया है। नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। नामांकन में झारखंड के विद्यार्थियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीट आरक्षित रखना होगा, जबकि संस्थान द्वारा कुलाधिपति की नियुक्ति विजिटर/आगंतुक के अनुमोदन पर न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम तीन वर्ष के लिए की जायेगी। कुलाधिपति प्राइवेट विवि के प्रधान होंगे। यानी झारखंड के राज्यपाल प्राइवेट विवि के कुलाधिपति नहीं होंगे। कुलपति की नियुक्ति सर्च कमेटी के माध्यम से होगी। इसमें अब राज्य सरकार द्वारा मनोनीत एक व्यक्ति या राज्य सरकार द्वारा नामित उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के एक पदाधिकारी होंगे।

कई प्रकार की रखी गयी हैं शर्तें

इस एक्ट को झारखंड विधानसभा के चालू सत्र से पारित करा दिया गया है। इस एक्ट के तहत अब कई शर्तें रखी गयी हैं। इनमें स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के भीतर न्यूनतम पांच एकड़ भूमि तथा नगर निगम सीमा के बाहर न्यूनतम 15 एकड़ भूमि आवश्यक होगी। इस भूमि का स्वामित्व या एक पट्टेदार के रूप में तीन वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए स्थायी पट्टा के माध्यम से दखल जरूरी होगा। विवि की स्थापना के लिए ऋण के अलावा अन्य किसी उद्देश्य के लिए इस जमीन का उपयोग नहीं होगा। स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के अंतर्गत भूमि के लिए 10 करोड़ रुपये तथा नगर निगम सीमा के बाहर की भूमि के लिए सात करोड़ रुपये फिक्स होने चाहिए। इसके अलावा भी संचालन को लेकर कई तरह की व्यवस्था का प्रावधान किया जा रहा है।

स्थापना के छह वर्ष के अंदर नैक से मूल्यांकन करना जरूरी

पुस्तकालय, सभागार, विद्यार्थी संसाधन केंद्र, खेल व्याख्यानशाला, प्रयोगशाला सहित प्रशासनिक और शैक्षणिक उद्देश्य के लिए कम से कम 1200 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र होगा। स्थापना के लिए अब आवेदन पोर्टल के माध्यम से जमा होगा। इसके साथ पांच लाख रुपये शुल्क लगेंगे। शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए यूजीसी, एआइसीटीइ, एमसीआइ, डीसीआइ, बीसीआइ, आइएनसी आदि जैसे निकायों से अनुमोदन लेना आवश्यक होगा। स्थापना के प्राप्त आवेदन और मापदंड की जांच के लिए उच्च शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में जांच कमेटी होगी। इस कमेटी में राजकीय विवि के दो कुलपति (रोटेशन पर), उच्च शिक्षा विभाग, वित्त विभाग, विधि विभाग, राज्य निबंधन विभाग के संयुक्त सचिव सहित भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सदस्य होंगे। स्थापना के छह वर्ष के भीतर नैक से मूल्यांकन कराना जरूरी होगा। सरकार से ऐसे विवि को कोई अनुदान नहीं दिया जायेगा।

भाजपा विधायकों ने प्रभारी सचिव को लिखा पत्र

झारखंड विस के अध्यक्ष को हटाने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा विधायकों ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो को पद से हटाने के लिए प्रभारी सचिव को पत्र लिखा है। झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम 158 (1) के तहत उन पर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि झारखंड विधासभा सत्र के चौथे दिन बीजेपी विधायकों ने अनुबंधकर्मी और रोजगार के मुद्दे को उठाया और इस पर सीएम को बोलने की मांग की थी। सीएम के नहीं बोलने पर भाजपा विधायकों ने जम कर हंगामा किया था। वहीं स्पीकर द्वारा सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद विधायक देर रात तक वेल में धरने पर बैठे थे। इसके बाद मार्शल से उन सभी को बाहर निकाला गया। इसके बाद काफी देर तक विधायकों ने लॉबी में धरना दिया। लॉबी से बाहर निकालने के बाद विधायकों ने सदन की सीढ़ियों पर रात भर सोये। इसके बाद पांचवें दिन जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तो भाजपा विधायक फिर से सदन में हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच स्पीकर ने 18 विधायकों को कार्य संचालन नियमावली के तहत 2 अगस्त की दोपहर 2:00 बजे तक के लिए निलंबित कर दिया था। झारखंड विधानसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम 158 (1) के तहत स्पीकर को हटाने के लिए भाजपा विधायकों ने निम्न संकल्प की सूचना दी।

बैद्यनाथ राम ने रखा अग्निशमन सेवा विधेयक

रांची (आजाद सिपाही)। सबसे पहले झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक 2024 को प्रभारी मंत्री बैद्यनाथ राम ने सदन में रखा। इस पर लंबोदर महतो ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने का आग्रह किया। कहा कि एक दिन पहले ही विधेयक की कॉपी मिली है। इसका अध्ययन नहीं कर पाये हैं। राज्य में अग्निशमन की भयावह स्थिति है। अनुमंडल तक ही दमकल रहता है। प्रखंड तक पहुंचते-पहुंचते सब कुछ जलकर खाक हो जाता है। इसे और अधिक जनोपयोगी बनाना चाहिए था। इस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि वर्तमान और भविष्य की चुनौती को देखते हुए यह विधेयक लाया गया है।

झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक से शिक्षा की गुणवत्ता में होगा सुधार: चंपाई

रांची (आजाद सिपाही)। शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने सदन में झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक 2024 रखा। इस पर लंबोदर महतो ने कहा कि इस विधेयक में यूजीसी गाइडलाइन के विपरीत प्रावधान किया गया है। जांच समिति को पूरी तरह से ऑटोनॉमस बना दिया गया है। उच्च शिक्षा के लिए यह जहर की पुड़िया है। 10 करोड़ की सिक्योरिटी मनी का प्रावधान किया जाना राज्यहित में नहीं है। निजी विश्वविद्यालय में सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है। सारी चीज प्राइवेट यूनिवर्सिटी ही करता है, तो सरकार प्राइवेट यूनिवर्सिटी में कुलपति की नियुक्ति क्यों करेगी। इस पर मंत्री ने कहा कि विधेयक में सर्च कमेटी के द्वारा कुलपति नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। विनोद सिंह ने कहा कि पांच एकड़ में विश्वविद्यालय तो नहीं बल्कि कोचिंग संस्थान ही चल सकता है। निजी विश्वद्यालयों की मॉनिटिरिंग नहीं होती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सोच-समझ कर विधेयक लाया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसमें कमेटी में स्थानीय विधायक को भी रखने पर सहमति बनी।

चालू वित्तीय वर्ष में भारतीय रेलवे में माल ढुलाई में खोरधा रोड मंडल शीर्ष स्थान पर

जुलाई में 13.69 एमटी माल लदान किया गया

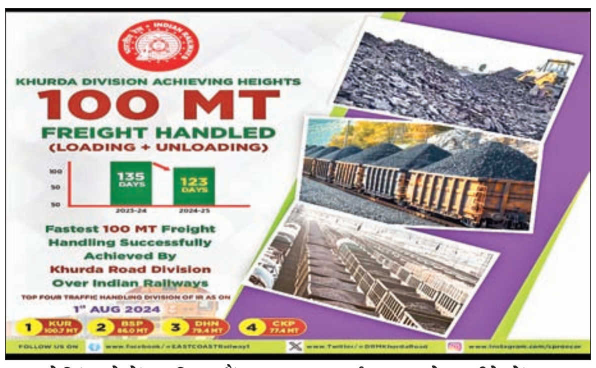

आजाद सिपाही संवाददाता

खोरधा रोड। खोरधा रोड मंडल ने चालू वित्त वर्ष में यानी 1 अप्रैल से 1 अगस्त तक 100 मिलियन टन माल की हैंडलिंग करके एक बार फिर भारतीय रेलवे पर सबसे अधिक माल ढुलाई की उपलब्धि हासिल की है। खोरधा रोड मंडल 123 दिनों में 100 मिलियन टन माल ढुलाई तक पहुंचने वाला पहला डिवीजन है और भारतीय रेलवे द्वारा माल ढुलाई के इतिहास में एक मील का पत्थर स्थापित किया है।

माल ढुलाई में लोडिंग और अनलोडिंग दोनों शामिल हैं। इस अवधि में खोरधा रोड मंडल ने जो माल ढुलाई की है वो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6% अधिक है। जुलाई के महीने में ही मंडल द्वारा माल ढुलाई में प्रभावशाली वृद्धि हुई है। मंडल ने जुलाई 2024 के महीने में 13.69 एमटी माल लोड किया और 11.6 एमटी माल उतारा, जो जुलाई 2023 की तुलना में 9% अधिक है (यानी जुलाई महीने में लोडिंग 8% अधिक और अनलोडिंग 10% अधिक)। माल ढुलाई में प्रमुख योगदानकर्ताओं में तालचेर, पारादीप, धामरा, नयागढ़, मेरामंडली, सुकिंदा शामिल हैं, जहां से कोयला, लौह अयस्क, उर्वरक, पेट्रोलियम उत्पाद, कच्चा माल आदि जैसे विभिन्न सामान देश भर के विभिन्न बिजली घरों, विनिर्माण कंपनियों, उत्पादन इकाइयों और उद्योगों तक पहुंचाये जाते थे। यह केवल एचएस बाजवा, मंडल रेल प्रबंधक, खोरधा रोड के नेतृत्व में खोरधा रोड मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम की कड़ी मेहनत के कारण ही संभव हो सका। यह जानकारी खोरधा रोड के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनिल कुमार एस ने दी।

रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ भारती सिन्हा के बैंक खाते से 20 लाख रुपये निकाल लिये थे

जगन्नाथपुर थाना से फरार अपराधी सुनील साहू गिरफ्तार, गया जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ भारती सिन्हा के बैंक खाते से 20 लाख रुपये की अवैध निकासी करने के फरार मुख्य आरोपी सुनील साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए सुनील साहू को 5 जून को जगन्नाथपुर थाना बुलाया गया था। उसे दौरान सुनील साहू ने पुलिस को चकमा देकर थाना से फरार हो गया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी खोज में दर्जनों जगह छापेमारी की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद जगन्नाथपुर थाना की पुलिस ने इस मामले में सहयोग करने वाले सुनील साहू की पत्नी बुलबुल देवी और उनकी पुत्री अंतरा सहित प्रज्ञा केंद्र संचालक छोटू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सुनील की बेटी अंतरा के पास से पुलिस ने 5,27 लाख रुपये नगद और सुनील की पत्नी के पास से करीब 3,50 लाख का जेवरात बरामद किया था।

फरार आरोपी सुनील साहू मोबाइल के लोकेशन की जांच करने और अन्य सूत्रों से पुलिस को सूचना मिली की फरार अभियुक्त सुनील साहू पटना में शरण लिये हुए हैं। सूचना के बाद पुलिस की टीम सुनील की गिरफ्तारी के लिए पटना गयी। पटना में भी सुनील की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की गयी, लेकिन वहां से भी वह फरार हो गया। इसके बाद पुलिस की टीम रांची लौट गयी और गुप्त सूचना के आधार पर केस आइओ विनोद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हटिया क्षेत्र से उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान सुनील साहू ने घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार की। उसने डॉ भारती सिन्हा के खाते से पैसे की निकासी और उसे खर्च करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पूछताछ के बाद पुलिस ने शुक्रवार को सुनील साहू को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। पुलिस ने चोरी के पैसे से सुनील द्वारा हटिया स्टेशन रोड में खोले गये जूस के दुकान की सभी सामानों को जब्त कर लिया है।

ज्ञात हो कि सुनील साहू और उसकी बेटी अंतरा ने मिल कर हेसाग निवासी डॉ भारती सिन्हा का पे फोन अकाउंट बना कर फोन के माध्यम से हटिया स्थित प्रज्ञा केंद्र के संचालक छोटू कुमार के अकाउंट में प्रतिदिन एक लाख रुपये ट्रांसफर करते थे। दोनों ने मिलकर डॉ सिन्हा के अकाउंट से 20 लाख से ऊपर की राशि ट्रांसफर किया था। मामले का खुलासा होने के बाद डॉ भारती सिन्हा के भतीजे युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा ने 3 जून को जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

कोई कोना न रहे अछूता

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़े एक मामले में गुरुवार को फैसला दिया कि राज्य सरकारें इन श्रेणियों में उपश्रेणियां बना सकती हैं, ताकि इनमें ज्यादा पिछड़ी जातियों के लिए सब-कोटा निर्धारित किया जा सके। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। यह इस सवाल से जुड़ा है कि एससी/एसटी के तहत आने वाले समूहों को एक समान माना जाना चाहिए या नहीं। 2004 में चर्चित इवी चिन्नैया मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों की पीठ ने फैसला दिया था कि इन कैटिगरी में सब-कैटिगरी नहीं बनायी जा सकती। मगर सात सदस्यों की बेंच ने ताजा फैसले में इसे पलट दिया। चूंकि इस सवाल पर देश में अलग-अलग और काफी तीखी राय देखी जाती रही है, इसलिए फैसले के संभावित असर को लेकर कयासबाजी शुरू होना स्वाभाविक है। सच यही है कि रिजर्वेशन की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी कैटिगरी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें, जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने उन आशंकाओं को नजरअंदाज नहीं किया, जो इस फैसले से जुड़ी हैं। फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर किया जा सकता है। देखा जाये तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। यह फैसला इस लिहाज से भी याद रखा जायेगा कि मसले की जटिलता की झलक पीठ के सदस्यों की अलग-अलग राय में भी मिलती है। ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं कि 6:1 के बहुमत से दिये गये फैसले में भी छह ओपिनियन सामने आं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी तो बहुमत की राय से असंतुष्ट रहीं, लेकिन जो छह जज बहुमत की राय से सहमति रखते हैं, उनके भी पांच अलग-अलग फैसले आये। इनमें क्रीमी लेयर को एससी/एसटी पर भी लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग-अलग तरह के कई सुझाव दर्ज हुए। साफ है कि कानून के लिहाज से बहुमत का फैसला ही मान्य होगा, लेकिन पीठ के सदस्यों के वैयक्तिक फैसलों में जाहिर हुए ये सुझाव आगे विमर्श की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभायेंगे। कुल मिलाकर, फैसला न सिर्फ पॉलिसी के लेवल पर महत्वपूर्ण दखल है, बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

सच यही है कि रिजर्वेशन की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी कैटिगरी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है।

अभिमत
आजाद सिपाही

वित्त वर्ष 2025 के बजट में समग्र योजना पीएम आशा (प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान) के तहत आवंटन 2.2 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 6.4 हजार करोड़ रुपये हो गया है। यह किसानों को पर्याप्त मूल्य समर्थन प्रदान करने, खाद्यान्न की बर्बादी को कम करने और व्यापारियों द्वारा बाजार पर डाले जाने वाले अनुचित प्रभाव को सीमित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अलावा, केंद्रीय क्षेत्र की प्रमुख योजनाओं जैसे कि फसल बीमा, ब्याज सब्सिडी, और आरकेवीवाइ में एआइडीएफ (कृषि अवसंरचना विकास निधि) के तहत व्यापक प्रावधानों के परिव्यय में 10-15 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है।

भारतीय कृषि क्षेत्र में नयी मजबूती लायेगा बजट

नवीन पी सिंह

वित्त वर्ष 2025 के बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न आय-सहायता उपायों के जरिए भारतीय किसानों की आमदनी बढ़ाने की संभावनाओं में नयी जान फूंकने के लिए व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों के दौरान कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन में निरंतर वृद्धि की गयी है और इसके साथ ही इन क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल निरंतर जारी है।

आवश्यक बढ़ावा : पहला, पिछले कई वर्षों से खाद्यान्न खरीद के जरिए किसानों को दिया जा रहा मूल्य समर्थन कृषि उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने में सबसे अहम बन गया है। वित्त वर्ष 2025 के बजट में समग्र योजना पीएम आशा (प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान) के तहत आवंटन 2.2 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 6.4 हजार करोड़ रुपये हो गया है। यह किसानों को पर्याप्त मूल्य समर्थन प्रदान करने, खाद्यान्न की बर्बादी को कम करने और व्यापारियों द्वारा बाजार पर डाले जाने वाले अनुचित प्रभाव को सीमित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अलावा, केंद्रीय क्षेत्र की प्रमुख योजनाओं जैसे कि फसल बीमा, ब्याज सब्सिडी, और आरकेवीवाइ में एआइडीएफ (कृषि अवसंरचना विकास निधि) के तहत व्यापक प्रावधानों के परिव्यय में 10-15 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है।

वित्त वर्ष 25 के बजट प्रावधान और प्रस्तावित पहल कृषि दक्षता एवं सहनीयता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण बदलावों को दर्शाते हैं।

दूसरा, कृषि संबंधी श्रम बल में 30 प्रतिशत महिलाएं हैं और आर्थिक रूप से सक्रिय 80 प्रतिशत से भी अधिक महिलाएं कृषि क्षेत्र में लगी हुई हैं, हालांकि वे समकक्ष पुरुष की तुलना में 20-30 प्रतिशत कम कमाती हैं और केवल 6 प्रतिशत महिलाओं की ही पहुंच संस्थागत ऋण तक है। उनकी आय में विविधता लाने और पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए वित्त वर्ष 2025 के बजट में नमो ड्रोन दीदी के तहत 15,000 ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से बढ़ेगी। उनकी आर्थिक हैसियत बढ़ जायेगी।

तीसरा, कृषि अनुसंधान की व्यापक समीक्षा, जिसका उल्लेख वित्त वर्ष 2025 के बजट में किया गया है, एक अत्यंत जरूरी प्रावधान है। वर्तमान में शीर्ष निकाय आइसीएआर एवं उसके संस्थान और इसके साथ ही राज्य कृषि विश्वविद्यालय (एसएयू) कृषि अनुसंधान पर हावी हैं। हालांकि, शोध की राह में मौजूद वास्तविक समस्याओं का निराकरण करने और इनका व्यावहारिक समाधान खोजने की सीमित सामूहिक गुंजाइश के कारण इस प्रभुत्व पर अक्सर सवाल उठाया जाता है। एक दशक पहले विश्व बैंक ने कहा था, अनुसंधान और विस्तार या इन सेवाओं और निजी क्षेत्र के बीच बेहद कम जुड़ाव है। अतः सरकारी संगठनों के साथ-साथ चुनौती-आधारित इनाम प्रणाली (सीबीआरएस) के माध्यम से निजी क्षेत्र को शामिल करने से कृषि क्षेत्र में होने वाले अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में निजी निवेश को काफी बढ़ावा मिल सकता है। एक प्रमुख खाद्य उत्पादक देश होने के बावजूद भारत कृषि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में कृषि संबंधी अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने के मामले में चौथे स्थान पर है, अतः वित्त वर्ष 2025 के बजट में डीएआरइ (कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग) के लिए प्रावधान बहुत अधिक होने चाहिए थे। किसानों के सामने मौजूद तरह-तरह की दैनिक चुनौतियों के व्यावहारिक समाधानों को प्रभावकारी ढंग से व्यवस्थित करने, इन पर करीबी नजर रखने और उनका प्रचार-प्रसार करने के लिए जीएसटी परिषद की तर्ज पर एक स्वतंत्र केंद्रीय संगठन या निकाय (कृषि विकास परिषद) अत्यंत आवश्यक है।

चौथा, कृषि में उत्पादकता बढ़ाने हेतु संसाधनों के उपयोग संबंधी दक्षता को बेहतर करने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि 45 प्रतिशत खेती योग्य भूमि लगभग 84 प्रतिशत पानी का उपयोग करती है। सबसे अधिक पानी की खपत वाली तीन फसलें- गन्ना, चावल और गेहूं- 80 प्रतिशत से अधिक पानी की खपत करती हैं। विशेष रूप से, पिछले दशक में भारत की उत्पादकता चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील की तुलना में तेजी से बढ़ी है। उत्पादकता संबंधी लाभ के कारण उत्पन्न अधिशेष को संभालने हेतु बुनियादी ढांचे को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना भी महत्वपूर्ण है। जलवायु संबंधी नाजुकता और मौसम की चरम घटनाओं के संदर्भ में, फसल की उपज में वृद्धि को बनाये रखते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जलवायु प्रतिरोधी फसल की किस्मों (सीआरसीवी) को विकसित करना और उन्हें अपनाना आवश्यक है। केवीके के ढांचे के भीतर जलवायु प्रतिरोधी बसावट [क्लाइमेट रेजिलिएंट क्लस्टर (सीआरसी)] संबंधी दृष्टिकोण, सीआरसीवी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, फसल उत्पादकता में सतत वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से 11 सीधे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के प्रदर्शन से जुड़े हैं।

पांचवां, बजट में प्रस्तावित बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआइआरसी) की स्थापना से कृषि में जैविक सामग्रियों के उपयोग को काफी बढ़ावा मिल सकता है, जिससे इनपुट सब्सिडी पर निर्भरता कम हो जायेगी। धरती माता के जीर्णोद्धार, उससे संबंधित जागरूकता के सृजन, पोषण और उन्नति के हेतु प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) का उद्देश्य राज्यों को रासायनिक सामग्रियों के उपयोग में कटौती करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हालांकि, कृषि के स्तर पर परिवर्तन लाने और बीआईआरसी-प्रदत्त सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु, एफपीओ और सहकारी समितियों द्वारा समर्थित पीएम-प्रणाम के भीतर एक विशिष्ट प्रोत्साहन तंत्र पर विचार किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, बीआईआरसी के दायरे में पशुधन चारा को शामिल करने की भी पर्याप्त संभावना है।

छठा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2023-24 के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति के एक तिहाई हिस्से के लिए सब्जियां जिम्मेदार रहीं, जिनकी कीमतें 29.3 प्रतिशत बढीं। सब्जियों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देना और प्रमुख उत्पादन एवं उपभोग केंद्रों की पहचान करना महत्वपूर्ण है। वित्तीय वर्ष 2025 के बजट में उल्लिखित इस दृष्टिकोण से उपभोक्ताओं की खर्च योग्य आय में वृद्धि होगी और उपभोक्ता के पैसों में उत्पादकों की हिस्सेदारी बढ़ेगी। कृषि उपज मूल्य श्रृंखला में लगे स्टार्टअप और ग्रामीण उद्यमों को वित्तपोषित करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025 के बजट में विशेष मिश्रित पूंजीगत समर्थन संबंधी उपाय के रूप में 62.5 करोड़ रुपये की पेशकश निश्चित तौर पर एक महत्वपूर्ण कदम है।

छूटी हुई कड़ियां : पहली कड़ी- भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में हो रहे महत्वपूर्ण परिवर्तन को देखते हुए, छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने से जुड़े उपायों को लागू करना आवश्यक है। यह स्थापित तथ्य है कि पारंपरिक फसलों के बजाय उच्च मूल्य वाले फलों, सब्जियों और संबद्ध उद्यमों के साथ विविधता लाने से उनकी आय बढ़ सकती है। इस तरह के उपायों को वित्त वर्ष 24 के बजट में शामिल किया जाना चाहिए था, क्योंकि वे निकट भविष्य में ही मांग में फिर से वृद्धि कर सकते हैं और आर्थिक विकास को गति दे सकते हैं।

दूसरी कड़ी- फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा समर्थन उपायों ने लगातार संसाधनों पर दबाव डाला है और किसानों के लिए जलवायु संबंधी समस्याओं में वृद्धि की है। इसलिए, कृषि-जलवायु क्षेत्रों (एईजेड) और क्षेत्रीय फसल योजना की अवधारणा पर फिर से विचार करना महत्वपूर्ण है। यह दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन प्रारूप एवं तौर-तरीकों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित और समन्वित कर सकता है।

तीसरी कड़ी- कृषि उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए बाजार सुधार आवश्यक हैं। 15वें वित्त आयोग ने राज्यों में कृषि विपणन प्रणाली के आधुनिकीकरण के क्रम में आवश्यक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहनों की सिफारिश की है। इसलिए, विपणन प्रणाली को आधुनिक बनाने के राज्यों के प्रयासों के आधार पर उनका आकलन करने के लिए संकेतक और निगरानी व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसे कृषि विपणन के लिए एकीकृत योजना (आइएसएएम) के कृषि अवसंरचना कोष (एआइएफ) के अंतर्गत शामिल किया जाना चाहिए। वित्त वर्ष 25 के बजट प्रावधान और प्रस्तावित पहल कृषि दक्षता एवं सहनीयता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण बदलावों को दर्शाते हैं, लेकिन नवाचारों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है, जो अनुसंधान और विकास व्यय से प्रतिबिंबित होता है। छोटे और सीमांत किसानों पर जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट प्रभाव की पहचान करते हुए, बजट से इन तत्काल जरूरतों को पूरा करने की उम्मीद थी। इन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, भारत अपने कृषि परिवर्तन को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है। इस क्षेत्र में दीर्घकालिक विकास और स्थायित्व को सुनिश्चित कर सकता है।

(लेखक : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि लागत और मूल्य आयोग, (सीएसीपी) के सदस्य अधिकारी हैं। ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

मंइयां योजना के जागरूकता रथ को डीसी ने दिखायी हरी झंडी

21 से 50 वर्ष तक उम्र की बहनों, माताओं को हर महीने मिलेगी 1000 की सम्मान राशि

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी जागरूकता रथ को डीसी अनन्य मित्तल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नेहा संजना खलखो उपस्थित रही। रथ के माध्यम से गांव- गांव तक प्रचार प्रसार कर योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुचाया जाएगा। झारखण्ड सरकार के द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों,माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च के लिए प्रति माह 1000 रुपये सम्मान राशि दिया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार किया जायेगा।

पंचायत स्तरीय आठ दिवसीय कैम्प का शुभारंभ आज

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना में सभी सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने के लिए 03 अगस्त से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय कैम्प लगाया जाएगा। वहीं नगर निकायों में भी चिन्हित स्थानों पर कैम्प लगाया जा रहा। कैंप प्रतिदिन सभी स्थानों में अगले 8 दिनों तक चलेगी। डीसी ने सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय स्थापित कर कैम्प का सफल संचालन का निर्देश दिया। ताकि एक भी सुयोग्य लाभुक आवेदन जमा करने से वंचित न रह सके। कैंप में झारखंड की निवासी 21 वर्ष से 50 वर्ष आयु वर्ग का आधार से जुड़ा सिंगल बैंक खाता,जिनका बैंक खाता आधार से नही जुड़ा है वे जुड़वा कर भी योजना का लाभ दिसम्बर-2024 तक उठा सकती है। उसके साथ मतदाता पहचान पत्र व आधार कार्ड,झारखण्ड राज्य के राशन कार्डधारी परिवार में पीला राशन कार्ड,गुलाबी राशन कार्ड,सफेद राशन कार्ड,हरा राशन कार्ड शामिल है। झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना में आयकर अदा करने वाले परिवार,इपीटी धारी आवेदक महिला,आवेदिका स्वयं या उनके पति केंद्र व राज्य सरकार अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, विधिक निकाय, स्थानीय निकाय, शहरी निकाय तथा सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान में नियमित,स्थायीकर्मी,संविदाकर्मी,मानदेयकर्मी के रूप में नियोजित हों अथवा सेवानिवृत्ति के उपरान्त पेंशन,पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहें हों,जिन लाभुकों को महिला, बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ पूर्व से प्राप्त हो,जिनके परिवार में कोई सदस्य वर्तमान अथवा भूतपूर्व सांसद व विधायक हो उन्हें इस योजना का लाभ प्रदान नहीं किया जायेगा। झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका को स्वयं कैंप स्थल पर उपस्थित होना आवश्यक है। ताकि उनका आधार एवं फोटो सत्यापन किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्र में प्रखंड विकास पदाधिकारी व शहरी क्षेत्र में अंचल अधिकारी द्वारा योजना का क्रियान्वयन किया जायेगा। आवेदिका को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर हर महीने राशि के भुगतान की जानकारी दी जायेगी।

लिलमनी बानरा को भाजपा नेता लखन मार्डी ने दिया त्रिपाल

मुसाबनी(आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी घाटशिला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी लखन मार्डी ने मुसाबनी के मोहनडेरा गांव निवासी लिलमणि बानरा और जयराम बानरा को तिरपाल देकर सहयोग किया। शुक्रवार को मुसाबनी क्षेत्र का दौर के क्रम में पार्टी के कार्यकताओं ने सूचना दिया की लालमणि बानरा तथा जयराम बानरा के घर में तेज मूसलाधार बारिश में पानी घर के अंदर गिरता है, जिससे परिवार दिन तो किसी तरह काट ले रहा है परंतु रात गुजारने में मुश्किल व काफी दिक्कतें हो रही है और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है ।सूचना पाकर मोहनडेरा गांव जाकर तत्काल तिरपाल देकर सहयोग किया गया। उनके साथ शिवा मोदलियार, सत्या तिवारी, मुकेश सिंह, लोकेश पाल, स्वप्न भद्र राज नारायण दास आदि उपस्थित थे।

नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज में बी ब्लॉक यूनिट का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर में नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज का बी ब्लॉक यूनिट में ओपीडी, मेडिकल सेंटर, रिसेप्शन और डॉक्टर्स चैंबर्स का शुभारंभ किया गया। शुक्रवार को चेयरमैन सह कुलाधिपति मदन मोहन सिंह और उनकी पत्नी ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर नये भवन का उद्घाटन किया। मौके पर संस्थान के डॉक्टर्स,नर्स सहित सभी स्टॉफ मौजूद रहे। इससे पूर्व नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज अस्पताल पटना के बिहटा में 650 बेड का संचालित है। वहां लगभग पांच सौ विद्यार्थी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं। पीजी की पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है। वैसे आदित्यपुर में ओपीडी सेवा की शुरूवात पहले से ही हो चुकी है।अस्पताल में सुपर स्पेशलिस्ट डॉ सहित प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ सेवा दे रहे हैं। कुलाधिपति मदन मोहन सिंह ने बताया अस्पताल में कम खर्च में सभी सुविधा उपलब्ध रहेगी। मेडिकल कॉलेज को हाईटेक बनाने के लिए हर महीने नये भवन का उद्घाटन की जारही है,ताकि आम जनता को कम खर्चे में बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

जीर्णोद्धार के बाद श्री विश्वनाथ मंदिर में बढ़ी भक्तों की भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। मुसाबनी नंबर 3 स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद मंदिर की खूबसूरती और सुंदरता में चार चांद लग गया है। श्री विश्वनाथ बाबा के भक्ति एवं समाजसेवी राम अवतार अग्रवाल और समाज के लोगों ने लाखों रुपये खर्च कर श्री विश्वनाथ मंदिर को भव्यता प्रदान किया है। मंदिर जीर्णोद्धार के बाद पहली सावन महीने में श्री विश्वनाथ मंदिर मुसाबनी में भक्तों की भारी भीड़ पूजा अर्चना करने को उमड़ने लगी है। पूरे सावन महीने के लिए शिव भक्तों ने रुद्राभिषेक करने के लिए पूर्व से ही मन्दिर संचालन व देखरेख करने वाली समिति के पास अपना पंजीयन कर लिया है। शुक्रवार को समाजसेवी सह व्यवसायी पुरषोत्तम कांवटिया और उनके पुत्र विक्की कांवटिया और उनके परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से मिलकर भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना की और रुद्राभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया। पूजा अर्चना कर आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया और ब्राह्मण को भोजन भी कराया गया। सावन के महीने में प्रतिदिन रुद्राभिषेक होने से मंदिर में भक्तों की भीड़ लगातार जुट रही है। मंदिर को आकर्षक विद्युत झालरों से सजाया गया है ।लोग भक्ति भाव से यहां पूजा अर्चना करने के लिए सुबह शाम पहुंच रहे हैं। रुद्राभिषेक कार्यक्रम को इस बार मंदिर संचालन समिति ने स्थानीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर काफी सहज और सुगम बना दिया है। श्रावण माह के शुभ अवसर पर श्री विश्वनाथ मंदिर में सावन महीने में प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से बाबा श्री भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जिसमें प्रतिदिन 2 से 5 जोड़े बाबा के रुद्राभिषेक में भाग ले रहें हैं। रुद्राभिषेक करवाने की न्यूनतम राशि, सामग्री और पंडित जी की दक्षिणा सहित,2100 निर्धारित की गयी है । श्रावण महीने के हर सोमवार को भोले बाबा का भव्य श्रृंगार होगा।इसमें भी भक्तगण अपना योगदान देकर इस धार्मिक अनुष्ठान के भागीदार बन रहे हैं ।

पैर गंवा कर घर लौटे मधु कर्मकार को मिला मदद का भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। प्रखंड अंतर्गत तेरंगा पंचायत के तेरंगा रातमोहना गांव के रहने वाले मधु कर्मकार गरीबी से तंग आकर मुसाबनी और आसपास रोजगार नहीं मिलने के कारण सात माह पूर्व सैकड़ो ग्रामीणों की तरह वह भी पलायन कर रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र जा रहे थे। महाराष्ट्र जाने के क्रम में वह दुर्घटनावश ट्रेन से गिरने के बाद उसकी चपेट में आकर उनका दाहिना पैर कट गया था। उनके पास मोबाइल फोन नहीं होने के कारण दुर्घटना के बाद लगभग 7 महीने तक वह भगवान भरोसे अपना इलाज कराते रहे। पिछले महीना भटकते भटकते किसी प्रकार अपने गांव पहुंचे। इसकी सूचना मिलने पर प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम उनसे मिलने उनके घर पहुंचे। जहां मधु कर्मकार ने उन्हें बताया पैर कटने के कारण चलने फिरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से भी काफी दिक्कत हो रही है। इस पर प्रमुख ने आश्वासन देते हुए कहा अपने स्तर से जल्द बैसाखी उपलब्ध करा दूंगा। साथ ही सरकारी पेंशन के लिए पहल करते हुए पेंशन चालू कराया जायेगा।

मारुतनंदन सोनी ने कांवरियों को अंगवस्त्र देकर किया रवाना

मझिआंव/ गढ़वा (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के युवा समाजसेवी, भाजपा नेता सह नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के भावी प्रत्याशी मारूत नंदन सोनी ने सावन के पवित्र महीना में देवो के देव महादेव की नगरी बाबाधाम के लिए नगर पंचायत क्षेत्र के 12 नंबर वार्ड खजूरी से दर्शन करने जा रहे दर्जनों कांवरियों को अंगवस्त्र देकर रवाना किया। सभी कांवरियों से अपने क्षेत्र में सुख शांति कायम बना रहे तथा भोले बाबा से आशीर्वाद मांगने को अपील किया। वहीं कांवरियों ने स्थानीय देवालयों में पूजा अर्चना कर बाजे गाजे पर थिरकते, हर हर महादेव, भोले बाबा की जय जैसे अनेकों जयकारों का उद्घोष करते हुए बाबा की नगरी चल पड़ें। वहीं कांवरियों की जत्था में सीताराम मेहता, अनुज पाल, सतेंद्र मेहता, जुगुल मेहता, पूटन मेहता, सुनील मेहता तथा अन्य लोग शामिल थे।

बैलीगढ़ पंचायत में 'आपके द्वार जेएमएम सरकार' की शुरुआत

रंका (आजाद सिपाही)। बीस सूत्री के गढ़वा जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह ने शुक्रवार को रमकंडा प्रखंड के बैलीगढ़ पंचायत भवन में 'आपके द्वार जेएमएम सरकार' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नितेश सिंह ने उपस्थित महिला पुरुष ग्रामीण जनता को झारखण्ड सरकार के द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और लाभ उठाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं को सरकार की योजना का लाभ दिलाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने 21 वर्ष से 49 वर्ष की बेटी बहन महिला को मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री मई कुई स्वावलंबन योजना, 200 यूनिट बिजली मुफ़्त योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिचाई कूप संवर्धन योजना, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, फूलों झानों योजना, सखि मंडल महिला समूह फंड योजना , गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना आदि का लाभ उठाने का आग्रह किया। इस मौके पर मुखिया श्रवण कमलापुरी,युवा जिलाध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह छोटू, बीस सूत्रि अध्यक्ष राजकिशोर यादव, विधायक प्रतिनिधि फिरोज मंसूरी सहित काफी संख्या में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता व ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

ठनका गिरने से वृद्ध की मौत

सगमा (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा प्रखंड अंतर्गत घघरी गांव निवास 62 वर्षीय कोदू चंद्रवंशी की दिन शुक्रवार के पौने तीन बजे आकाशीय बिजली गिरने से घटना स्थल पर मौत हो गयी। कोदू चन्द्रवंशी की मौत से गांव सहित परिजनों में कोहराम मच गया। मौत की खबर सुनते ही आसपास के जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीणों ने सांत्वना देने मृतक के घर पहुंच गये। मिली जानकारी के अनुसार कोदू चन्द्रवंशी अपने मवेशियों को घघरी अस्मशान घाट के दो सौ मीटर की दूरी पर अपने मवेशियों को चरा रहे थे। उसी दरमियान हो रही झमाझम बारिश के साथ अचानक वज्रपात से कोदू चंद्रवंशी की घटना स्थाल पर मौत हो गयी। वही घटना की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारि सत्यम कुमार व प्रखंड प्रमुख अजय साव, घघरी मुखिया सरोज देवी नें मृतक के परिजनों से मिलकर इस दु:ख के घड़ी में परिजनों को सांत्वना व्यक्त किया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सत्यम कुमार ने परिजनों को अस्वस्त करते हुए कहा की सरकार की ओर से मिलने वाली सारी सुविधा मृतक के परिजनों को उपलब्ध कराया जायेगा। जबकि धुरकी पुलिस एसआइ सुनिल कुमार राम नें घटना स्थल पर पहुंच कर जानकारी इकट्ठा कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है।

मंइयां सम्मान योजना से संबंधित कैंप पंचायत भवन में लगाया जायेगा

मझिआंव (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित प्रखंड क्षेत्र के सभी नौ पंचायत में कैंप आयोजित कर आवेदन पत्र प्राप्ति एवं ऑनलाइन करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। बताते चले की सभी पंचायत भवन में पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 3:30 तक 3 अगस्त से 10 अगस्त 2024 तक कैंप लगाया जाएगा। जिसमें आंगनबाड़ी सेविका एवं प्रज्ञा केंद्र के संचालक को नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि सभी पंचायत के मुखिया उप मुखिया,पंचायत सचिव,वार्ड सदस्य,जिला परिषद तथा प्रमुख को सूचना प्रेषित किया गया है। वहीं महिला परिवेक्षिका बाल विकास परियोजना प्रतिमा कुमारी को नोडल प्रतिनियुक्त किया गया है। सभी पंचायत के 21 से 50 वर्ष के योग्य महिलाएं अपने-अपने पंचायत भवन में निर्धारित समय पर पहुंचकर फॉर्म भर सकते हैं। जिसमें प्रति माह इस योजना से संबंधित महिलाओं को सरकार द्वारा खाते में 1000 दिया जाएगा

मंदिर के पास दवाई फेंकने के आरोप में तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी/ गढ़वा। विगत 15 मार्च को कांडी थाना के सतबहिनी मंदिर के पास काफी संख्या में जो दवाएं फेकी गई थी पुलिस ने पूरे मामले का उद्वेदन कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है ।

गिरफ्तार लोगों में उक्त मेडिसिन को फेकने का मुख्य आरोपी बीआरसी कांडी का ऑपरेटर सुमंत राम जिस पिकअप वाहन से मेडिसिन फेंकी गई थी उसके मालिक वहां मिथिलेश गुप्ता तथा चालक रामाशीष मेहता का नाम शामिल है। पुलिस स्टेशन में दवा फेंकने में प्रयोग किया गया पिकअप वाहन तथा रजिस्टर भी बरामद किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार

कांडी। कांडी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। विदित हो कि 16 मार्च 2024 को बड़े पैमाने पर सरकारी दवाएं फेंक दिए जाने के मामला प्रकाश में आया था। उसके बाद इस मामले को लेकर लोगों में काफी आक्रोश था। इस खबर को प्रारंभ से ही आजाद सिपाही प्रमुखता से प्रकाशित किया था। मामले को लेकर जिलास्तरीय जाँच कमिटी भी आई पर उसका कुछ नतीजा नहीं निकल पाया था। पुलिस अधीक्षक गढ़वा के निदेर्शानुसार इस कांड का त्वरित गति का अनुसंधान एंव अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु एक टीम का गठन किया गया था। पुलिस द्वारा अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई कि जो दवाएं फेंकी गयी थी वे सभी दवा बीआरसी कांडी को आवंटित की गयी थी। दवा फेके जाने में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

पांडे ने बतलाया कि 15 मार्च 2024 को सतबहिनी मंदिर के पास भारी मात्रा में अंग्रेजी दवा फेंकी गयी थी। इस मामले में सार्वजनिक नुकसान निवारण अधिनियम के तहत कांडी थाना में मामला दर्ज कर जब अनुसंधान शुरू किया गया तो पता चला कि उक्त दवा कांडी बीआरसी का था, जिसे राज्य की टीम के द्वारा जांच में आने के भय से ऑपरेटर सुमंत राम ने दवा फेंकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सुमंत ने उक्त दवा को मिथिलेश कुमार गुप्ता खुटहेरिया निवासी के पिकअप भैन से अपने चालक मझिआंव थाना के बुढ़ीखांड़ निवासी रामाशीष मेहता के साथ सतबहिनी झरना के पास फेंका था। सुमंत राम कांडी थाना क्षेत्र के बहेरवा गांव का मूल निवासी है। इस मामले में पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। सुमंत राम ने पुलिस को अपने स्वीकारूकती बयान में अपनी गलती स्वीकार की है।

गायत्री शक्तिपीठ में महाकालेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर/ गढ़वा। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जंगीपुर पेट्रोल पंप स्थित सेंट्रल बैंक के निकट गायत्री शक्तिपीठ में शुक्रवार को श्रावण शिवरात्रि के उपलक्ष पर रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने देवाधिदेव महादेव का रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया। शिव भक्तों ने व्रत रख भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा किया और भक्तों ने महाकालेश्वर महादेव पर बेलपत्र, दूध, दही, धतूरा, भांग आदि पूजन सामग्री चढ़कर अभिषेक कर शिव की विधिवत्त पूजा अर्चना की तथा घर परिवार के सुख समृद्धि एवं विश्व कल्याण की मंगलकामना की। शक्तिपीठ में प्रातः 9:00 बजे से ही रुद्राभिषेक कार्यक्रम अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रखंड समन्वयक अजीत कुमार चौबे एवं परिवाजक ललसु राम के द्वारा भगवान महाकालेश्वर का शिव पूजन पूरे विधि-विधान से संपन्न कराया गया। रुद्राभिषेक कार्यक्रम में मुख्य यजमान विकास जायसवाल, सृष्टि राज एवं शुभम जायसवाल शामिल थे। रुद्राभिषेक के बाद महाकालेश्वर शिव को दूल्हे की तरह सजाया गया। इसके पश्चात महाकालेश्वर का आरती हुआ। शिव भक्तों ने हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय, जय महाकाल, जय भोलेनाथ आदि के उद्घोष से पूरा मंदिर परिसर भक्ति में लीन हो गया। कार्यक्रम के अंत में गायत्री परिवार के परियोजना द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। शिवरात्रि के महत्व की चर्चा करते हुए गायत्री परिवार के प्रखंड समन्वयक अजीत चौबे ने बताया कि हिंदू धर्म में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। इसके मंत्रों में असीम शक्ति निहित होती है। रुद्राभिषेक कराने से लोगों के मानसिक शुद्धि तथा शारीरिक विकास के साथ-साथ प्रकृति में सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रवाह होता है।

महाजनी प्रथा को समाप्त करने के लिए माइक्रो फाइनेंस की शुरुआत की गयी : धर्मराज पासवान

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। हाई स्कूल के समीप नीलू सिंह के मकान में फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड द्वारा सामाजिक कार्यक्रम शिविर आयोजित की गयी। शिविर की शुरूआत मुख्य अथिति खरौंधी जिपस धर्मराज पासवान, झामुमो नेता सह पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह, युवा मोर्चा के दीपक वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर जिपस धर्मराज पासवान ने कहा कि गांवों में महाजनी प्रथा को समाप्त करने के लिए उद्देश्य से विभिन्न माइक्रो फाइनेंस की शुरूआत की गयी है। ग्रामीण महिलायें इसके माध्यम से ऋण लेकर अपना रोजगार शुरू कर परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकती है। कहा कि किसी बैंक से ऋण ले तो ऋण की किस्त ससमय भर कर अपना

शाख को मजबूत बना सकती है। वही पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को पहले आर्थिक अभाव के कारण किसी भी रोजगार को शुरू करने में कठिनाइयों का सामना पड़ता था, लेकिन अब माइक्रो फाइनेंस जैसी शाखाएं खुलने से उन्हें रोजगार हेतु सुलभ तरीके से ऋण उपलब्ध हो रहा है, साथ ही महिलाएं ऋण की किस्त भी समय पर चुका रही है। जबकि प्रशिक्षक केशव सदा ने वित्तीय साक्षरता को लेकर महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि हमेशा अधिकृत संस्थाओं से ही ऋण लें। जब भी कोई व्यक्ति ऋण लें तो अपनी देय मासिक किशत और देय राशि का भुगतान समय से करें ताकि सिबिल स्कोर खराब न हो व आगे कभी भी बैंक से ऋण लेने में उन्हें कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि बैंक से ऋण लेने में सीबिल स्कोर की महत्वपूर्ण भूमिका है। सीबिल एक तरह कि क्रेडिट इनफार्मेशन कंपनी है। इस मौके पर फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस डीएम दीपक राम, क्षेत्रीय प्रबंधक सुनील पासवान, शाखा प्रबंधक चंद्रमा कुमार, महेश कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कर्मचारी संघ को डॉ एमएन खान ने दिया समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पिछले 27 जुलाई 2024 से नौ सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ को एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी डॉक्टर एम एन खान ने समर्थन दिया है। इस अवसर पर डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ की सभी मांगे जायज हैं। उनकी मांगों को झारखंड सरकार को अविलंब मानते हुए इन्हें हड़ताल से वापस करना चाहिए। ताकि अनुसचिवीय कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से जो कार्य बाधित है।वह सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी कर्मचारी को हड़ताल पर चले जाने से जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जनता का काम बाधित हो जाता है। ऐसे में झारखंड सरकार को ध्यान देने की जरूरत है।ताकि जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े। डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के नेताओं ने बताया कि वे 9 सूत्री मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हुए हैं। लेकिन झारखंड

सरकार के द्वारा अभी तक कोई पहल नहीं की गई है।उन्होंने कहा कि झारखंड अनुसूचियां कर्मचारी संघ के 9 सूत्री मांगों में ग्रेड वेतन में संशोधन, प्रोन्नति की कार्य अवधि 4 वर्ष करने, एमएसीपी एवं वरीयता के अनुसार वेतन संरक्षण का लाभ, राज्य स्तरीय उच्च समिति की अनुशंसा के अनुरूप वेतनमान, समाहरनालय संवर्ग में पद नाम का परिवर्तन, समाहरणालय एवं अन्य संलग्न कार्यालय में पद सृजन, झारखंड प्रशासनिक सेवा में 25 प्रतिशत पद समाहरणालय कर्मियों के लिए, चतुर्थ वर्गीय कर्मियों से तृतीय वर्ग में प्रोन्नति तथा आउटसोर्स कर्मी का नियमितीकरण तथा सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने आदि मांगे शामिल हैं।

कार्यालय नगर पंचायत, कोडरमा
(Mail Id:- kodermanagarpanchayat@gmail.com)

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अति अल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 05/2024–25 दिनांक – 01.08.2024 को इस कार्यालय के पत्रांक – 1172/न0पं0 दिनांक – 01.08.2024 के द्वारा Advertisement PR No- 331592 से प्रकाशन कराया गया है। प्रकाशित निविदा में अंकित क्रम संख्या 09 के निविदा को अपरिहार्य कारणो से स्थगित किया जाता है।

ह0/–
प्रशासक
नगर पंचायत कोडरमा

PR 331659 Urban Development (24-25)_D

जेएमएम लोकतंत्र की हत्या कर रहा है : अलखनाथ पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह गढ़वा रंका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अलखनाथ पांडेय ने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन 1 अगस्त 2024 को झामुमो विधायक सुदीब्य कुमार सोनू के प्रस्ताव पर स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने भाजपा के 18 विधायकों को शुक्रवार को दिन के 2 बजे तक के लिए सदन से निलंबित करने पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह गढ़वा रंका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अलखनाथ पाण्डेय ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह तानाशाही है हेमंत सोरेन और झामुमो सरकार का डेमोक्रेटिक तरीके से विरोध करने पर भाजपा विधायकों पर चाबुक से वार करने

जैसा व्यवहार करना और सदन से निलंबित करवा देना यह दशार्ता है कि निश्चित रूप से आने वाले 2 महीने के बाद सरकार बदलेगी। इस बात को ध्यान में रखकर ही वर्तमान सरकार को कार्य करनी चाहिए। जिनमीन मांग और जायज मांग कर रहे भाजपा के 18 विधायकों को सदन से इस तरह से निलंबित कर देना यह एक तरह से लोकतंत्र की हत्या है। बिना किसी दोस के स्पीकर ने जो रवैया अपनाया है उससे यह पता चलता है कि वर्तमान सरकार निरंकुश हो चुकी है पूरे भारत के इतिहास में पहली बार सदन से 18 विधायकों को निलंबित किया गया है।

हत्या का फरार आरोपी रतन रजवार गिरफ्तार

बरडीहा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोलूहुआ गांव निवासी सह 25 वर्ष के पुराना उग्रवादी एवं हत्या के आरोपी रतन रजवार को बरडीहा पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर बरडीहा थाना लाई एवं शुक्रवार को गढ़वा जेल भेज दिया गया। इधर थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि रतन रजवार पर 2000 में उग्रवादी गतिविधियों एवं हत्या के मामले में मझिआंव थाना केश कांड संख्या 25/2000मे मामला दर्ज किया गया था, तब से वह अपने घर छोड़कर फरार चल रहा था, घर से फरार था जिसे29 जुलाई को न्यायालय के आदेश पर उसके घर पर डगडुगी बजाकर इश्तिहार पुलिस चिपकाई थी। जिसे नुतन टीवी में 29जुलाई के अंक में प्राथमिकता के साथ खबर छपी थी , पुलिस को रतन रजवार को सूरत के ह्लवपीह्ल नामक स्थान में होने की गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर 2 अगस्त को गढ़वा जेल भेज दिया गया। इधर पुलिस उसे खोज-बीन करने में काफी परेशानियों का सामना की थी एवं सर दर्द बना हुआ था,अंतोगत्वा बरडीहा थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव के काफी मेहनत एवं सूझबुझ से यह 25 साल पुराना अभियुक्त को आखिरकार बरडीहा पुलिस ने गिरफ्तार कर उसे गढ़वा जेल भेज दी ।

हेमंत सरकार में जनता की बात नहीं सुनी जा रही है : रामचंद्र केशरी

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। झारखंड की वर्तमान सरकार भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने का कार्य कर रही है, पूर्व में भ्रष्ट अधिकारियों पर कारवाई होती थी, जनता को न्याय मिलता था परंतु आज हेमंत सरकार में जनता की बात नही सुना जा रहा है। उक्त बातें भाजपा नेता सह पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी ने अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर कहा। उन्होंने कहा कि पहले कार्रवाई होती थी, यदि कार्रवाई नही होती थी तो रांची व दिल्ली से जांच टीम गठित करवाकर जांच करवाया हूं, कार्रवाई हुई है। सगमा बीडीओ भ्रष्टाचार में लिप्त हैं वे अमानवीय कार्रवाई करते हैं फिर जांच

अधिकारी बीडीओ को बचाते हैं। कोई कार्रवाई नहीं होती है, जिससे सरकार की बदनामी हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि धुरकी प्रखंड के ग्रामीण गुप्ता गोड़ को न्याय नही मिला तो उच्चस्तरीय जांच कराऊंगा।

उन्होंने कहा कि नगर उंटारी के तत्कालीन बीडीओ सह श्री बंशीधर नगर पंचायत के प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार के कार्यकाल में सोलर लाइट लगाने सबंधी कार्यो में काफी घोटाला किया गया था। जिसकी जांच के लिये नगर विकास के प्रधान सचिव विनय चौबे ने विभागीय पदाधिकारी रतन कुमार को टीम गठित कर जांच का आदेश दिया था। स्थल जांच में मिलीभगत के बाद पुनः जांच के लिये विभागीय सचिव मनोहर मरांडी, संयुक्त सचिव को तीन सदस्यीय जांच टीम से जांच कराने का आदेश दिया था। दो दिवसीय स्थल जांच करने के बाद जांच में प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार के साथ कई अधिकारी भी दोषी पाये गये। श्री केशरी ने कहा कि जब इस संबंध में कार्मिक विभाग रांची से सूचना मांगा तो कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के उपनिदेशक योगेंद्र कुमार द्वारा तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही किये जाने की जानकारी मिली।

कार्यालय नगर पंचायत कोडरमा

अति अल्पकालिन ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 05/2024–25
दिनांक 01.08.2024

क्र0 सं0	वार्ड सं0	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		15 वें वित्त आयोग				
1	14	बजरंग मुहल्ला में अशोक सिंह के घर से रंजीत विश्वकर्मा घर होते हुए रेलवे पुलीया तक आर0सी0सी0 नाला निर्माण ढक्कन सहित एवं अशोक सिंह के घर से रंजीत विश्वकर्मा घर तक पी0सी0सी0 पथा निर्माण।	5453740.00	109100.00	100000.00	6 Months
2	14	जयनगर रोड रेलवे पुल से कामदेव सिंह के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	3491208.00	70000.00	100000.00	6 Months
3	14	कोडरमा जयनगर मेन रोड से मनीष पाण्डेय के घर होते हुए रेलवे पुल भाया विकास सिंह के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण कार्य।	3893105.00	77900.00	100000.00	6 Months
4	01	हरि सभा स्कुल से लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना (घटक–03) के तहत् निर्मित भवन तक पी0सी0सी0 सडक एवं गार्डवाल निर्माण कार्य।	3475190.00	69510.00	100000.00	6 Months
5	07	प्रेम सागर तालाब के सामने पेबर ब्लॉक बिछाने एवं सोलर लाईट अधिष्ठापन का कार्य।	2503723.00	50100.00	100000.00	6 Months
6	01	नगर पंचायत कोडरमा कार्यालय के दक्षिण एवं पश्चिम में शेड निर्माण एवं बाउण्ड्रीवाल एवं पेबर ब्लॉक बिछाने का कार्य।	4342534.00	86900.00	100000.00	6 Months
7	14	वार्ड 14 में बने मार्केट कॉम्पेलेक्स के पीछे से प्रदीप पाण्डेय के घर तक नाला के दोनो तरफ नाला सफाई एवं गार्डवाल निर्माण कार्य।	3795493.00	76000.00	100000.00	6 Months
8	01	राजा तालाब में चार हाईमास्क लाईट अधिष्ठापन एवं तालाब के पूर्व दिशा में पेटिंग कार्य एवं ओपेन जीम का अधिष्ठापन कार्य।	3214894.00	64300.00	100000.00	6 Months
9	12,01	कर्दम ऋषि पार्क से बाघीटांड चेकनाका NH-31 तक एवं ध्वजाधारी परिसर में खम्भा (पोल) सहित लाईट अधिष्ठापन कार्य।	3999940.00	80000.00	100000.00	6 Months
A	Date of Publication of Tender on website				07-08-2024 (10:00 AM)	
B	Last Date / Time for receipt bid on online				16-08-2024 (05:00 PM)	
C	Date of opening Tender				17-08-2024 (11:00 AM)	
D	Name & Address of office inviting tender				Executive Officer Nagar Panchayat Koderma	
E	Helpline No.				+91-9229932626	

Note :-
- Only E-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in
- E-procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, रॉची का आदेश ज्ञापांक – 120 दिनांक – 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रॉची का पत्रांक 05/विविध (e-tender)–12/2023/न0वि0–4847 (अनु0) दिनांक – 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

ह0/–
प्रशासक
नगर पंचायत कोडरमा

PR 331592 Urban Development(24-25).D

कहीं आफत बनी बारिश, तो कहीं किसानों के लिए राहत

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही जोरदार और लगातार बारिश से आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। तीन दिनों में लगभग दो सौ मिलीमीटर बारिश हुई है। तीन दिनों से सूरज के दर्शन नहीं हुए हैं। लगातार हो रही बारिश से लोगों को घरों से निकलना दुभर हो गया है। वहीं लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं, जिन्हें बाहर बहुत आवश्यक कार्य है। बारिश के कारण बच्चों को स्कूल-कॉलेज जाने में भारी परैशानी हो रही है। सबसे बड़ी आफत रोज कमाने खानेवालों पर है। दिहाड़ी मजदूरों का काम काज ठप हो गया है। छोटे-बड़े व्यवसाय करने वालों के साथ ही सड़कों पर ठेला-खोमचा, चाय-पान और सब्जी की दुकान लगाने वाले लोगों पर भी बारिश का जबर्दस्त असर पड़ा है। बारिश के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। इक्के-दुक्के वाहन ही सड़कों पर नजर आ रहे हैं। रिक्शा और ऑटो चलाने वाले लोगों कें रोजगार पर भी बारिश का असर पड़ा है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिनों तक मानसून इसी तरह सक्रिय रहेगा।

जल जमाव और गंदगी ने बढ़ा दी मुसीबत

क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण जगह-जगह पर जमाव और कीचड़ और गंदगी के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना कना पड़ रहा है। शहर में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में तो स्थिति बद से बदतर हो गई है। कच्ची सड़कों पर वाहन चलाना तो दू, पैदल पांव भी चलना मुश्किल हो गया है।

किसानों के लिए वरदान बनी बारिश

खूंटी जिले में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बाश्रिश ने भले ही आमलोगों की मुसीबत बढ़ा दी हो, पर किसानों के लिए वर्षा किसी वरदान से कम नहीं है। सावन कें मीने में हुई इस बारिश ने धान की खेती में जान ला दी है। तोरपा प्रखंड के प्रगतिशील किसान रामानंद साहू कहते हैं कि चार-पांच दिन पहले लग रहा था कि इस बार भी मानूसन किसानों को धोखा देगा, लेकिन इंद्र भगवान की कृपा से पूरे क्षेत्र में जोरदार बारिश हो रही है। इससे किसान काफी खुश हैं।

कर्रा प्रखंड के जानेमाने और बिरसरा कृषि विश्वविद्यालय से सम्मानित किसान दिलीप शर्मा कहते हैं कि वर्षा से खेतों में सूख रहे धान के बिचड़ों में नई जान आ गई है। मानसून इसी प्रकार सक्रियश रहा, तो इस बार अच्छी फसल होने की उम्मीद है।

लगातार बारिश से नदियां उफान पर कई रिहायशी इलाके टापू में तब्दील

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। सावन महीने के दूसरे सप्ताह में लगातार हो रही लगातार हो रही बारिश के कारण क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं। कारो, छाता, बनई सहित अन्य नदियों के जल स्तर में काफी वृद्धि हुई है। लगातार बारिशा से कई घरों में बरसात का पानी घुस गया है। कई क्षेत्र तो टापू की तरह नजर आ रहे हैं। इसके कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम कृषि वैज्ञानिक डॉ राजन चौधरी ने बताया कि जिले में पिछले तीन दिनों में लगभग 145 मिलीमीटर बारिश हुई है। बुधवार गुरुवार को सबसे अधिक 140 मिमी बारिश तोरपा प्रखंड में दर्ज की गई है। खूंटी में 71 मिमी, रनिया में 89, मुरहू में 99.5 और अड़की में 42.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है। निचले इलाके में बने पार्क, खेल के मैदान आदि झील में बदल चुके हैं। रिहायशी इलाकों में भी सड़कों और नालियों का गंदा पानी घरों में घुस जा रहा है। इसके कारण लोगों को भरी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। तपकारा के पास कारो नदी का पानी पुल के ऊपर बह रहा है। जिले के प्रमुखा पर्यटन स्थल पेरवांघाघ, पंचघाघ सहित अन्य जल प्रपात अपने रौद्र रूप में आ गये हैं। इतनी भारी बारिश के बाद भी इन जल प्रपातों में लोग जल प्रपात के रौद्र रूप को देखने के लिए पहुंच रहे हैं। कारो और छाता के अलावा अन्य छोटी-छोटी नदियों में भी बाढ़ की स्थिति उत्पन हो गयी है।

बारिश से खिले किसानों के चेहरे

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। प्रखंड क्षेत्र से शुक्रवार अहले सुबह से हो रहे बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। जोरदार बारिश और हवा के कारण वातावरण में नमी का एहसास हुआ। दूसरी तरफ धान के बिचड़ों के लिए रामबाण साबित हुआ है। धान के बिचड़े जो गर्मी के कारण सूख रहे थे, उनमें एकबारगी जान आ गयी है। साथ ही कुछ क्षेत्रों के किसानों द्वारा धान की रोपाई कार्य शुरू कर दिया गया है।

इधर जोरदार बारिश के कारण बच्चों को विद्यालय जाने में काफी कठिनाई हुई तथा सड़कों पर जल जमाव हो गया है। कई किसानों ने बताया कि यह बारिश से धान फसल, गन्ने की फसल, मक्का की फसल और सब्जियों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुआ है। बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत भी मिली है।मौसम सुहाना होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। तापमान में गिरावट दर्ज की गयी।

कभी भी धंस सकता है झाबरी पुल

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड के झाबरी पुल इन दिनों जानलेवा साबित हो रहा है। सड़क सिल्ली और जमशेदपुर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है। पुल नीचे से पूरी तरह से खोखला हो गया है। इनमें छड़ें दिख रही हैं। इस सड़क से चौबीसों घंटा बड़ी एवं भारी वाहनों की आवाजाही होते रहती है। पुल कब धंस जाये, कहा नहीं जा सकता है। प्रतिदिन हजारों गाड़ियां एनएच 33 के रंगामाटी से होते हुए सिल्ली, पुरुलिया, गोला, बोकारो और धनबाद आदि जगहों को जोड़ने का काम करती है। इस पुल के धस जाने से भारी क्षति होने की संभावना है।

पिपरवार में 30 घंटों से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

बचरा दामोदर एंव सपही नदी का बढ़ा जल स्तर

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में पिछले 30 घंटे से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से कोयलांचल क्षेत्र का जन जीवन व्यस्त हो गया है। लगातार बारिश ने कई कामों पर ब्रेक लगा दिया है।

मूसलाधार बारिश के कारण जहां एक तरफ किसान हल बैल लेकर खेतबारी व कृषि का काम शुरू कर दिया है, तो वहीं दूसरी ओर कोयलांचल क्षेत्र का मौसम काफी सुहाना हो गया है और बारिश से बचने के लिए लोग घरों में कैद हो गए हैं। झमाझम बारिश के बीच क्षेत्र के सभी प्रमुख बाजारों में सन्नाटा है। वहीं स्कूली बच्चों को बारिश में भीगते हुए आते-जाते देखा गया। क्षेत्र के ट्रांसपोर्टिंग सड़कों की सूरत बिगड़ गयी है। सड़कों पर जल जमाव और कीचड़ों का अंबार लग गया है।

लगातार हो रही बारिश के कारण कोयला खदान में कोयला खनन का काम प्रभावित हुआ है। खदान क्षेत्र में बड़े एवं भारी मशीनों का परिचालन को रोक दिया गया है। वही ट्रांसपोर्टिंग की रफतार भी कम हो गई है। इधर लगातार हो रही बारिश के कारण पिपरवार क्षेत्र के बचरा दामोदर नदी एवं बचरा सपही नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया। नदियों में लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण इसमें बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इधर बारिश की आस में बैठे किसानो के चेहरे लगातार हो रही बारिश से खिल उठा है और किसान हल बैल लेकर धान रोपाई का काम शुरू कर दिया है। बारिश के कारण कोयला खदान में काम करने वाले मजदूर और स्कूली बच्चों के अलावा दिहाड़ी मजदूरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के लिए आज से कैंप लगाकर लिये जायेंगे आवेदन

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिले के सभी 86 पंचायतों एवं नगर पंचायत के चिन्हित स्थानों पर आज तीन अगस्त से 10 अगस्त 2024 तक कैम्प का आयोजन कर लाभुकों से आवेदन लिए जाएंगे। राज्य सरकार के इस महत्वाकांक्षी योजना योजना के तहत 21 से 50 वर्ष आयुवर्ग की महिलाओं को एक हजार रुपए प्रति माह यानी हर साल 12 हजार रुपए मिलेंगे। इस योजना के आवेदन के लिए मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक्ड आवेदिका का सिंगल बैंक खाता एवं मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। उपायुक्त ने योजना की अर्हता रखने वाले जिले के योग्य लाभुकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पंचायत एवं नगर पंचायत में लगने वाले कैंपों में जाकर अपना आवेदन जमा करें और सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ उठायें।

तोरपा के चौकीदार की इलाज के दौरान मौत

खूंटी। तोरपा थाना के चौकीदार महावीर स्वांसी (46) की मौत गुरुवार को इलाज के दौरान हो गयी। उसका इलाज रांची के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। मृत चौकीदार महावीर स्वांसी तोरपा थाना क्षेत्र के अलंकेल गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार महावीर स्वांसी छह जुलाई को तीर लगने से घायल हो गया था। तीर उसके गले में लगी थी, जिससे उसके गले की नस कट गयी थी।

जंगली हाथियों ने दर्जनों किसानों की सब्जी के फसल को किया नष्ट

अबधेश महतो

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चोगा गांव में गुरुवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने किसानों के सब्जियों को मन भर खाया और नष्ट किया। हाथियों के उत्पात से किसान तरस्त हैं। घर की जमा पूंजी किसानों का नष्ट हो रहा है। लगातार हाथियों के उत्पात से किसान पूरी तरह हताश हो चुके हैं। गुरुवार की रात गांव के किसान दीपेश कोइरी, सृष्टिधर कोइरी, गुहीराम कोइरी, दीपक कोइरी और सबल कोइरी का मकई, बोदी, लौकी, बैगन सहित कई किसानों के फसल को खाया और रौंद दिया है।

एक हाथी ने किसान चाणक्य कोइरी को दौड़ा कर हमला किया था जिस कारण यह सदमे में बेहोश हो गया था। तीन चार घंटे के इलाज के बाद होश आया। अभी भी काफी डरा हुआ है।

इधर हाथियों के उत्पात की सूचना पर पंचायत समिति सदस्य रूप कुमार साहू गांव जाकर किसानों की नुकसान की जानकारी लिया। वन विभाग से बात कर मुआवजा देने पर तेजी लाने को कहा। हाथी मित्र तापस कर्मकार ने मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी दिया।

क्रांति दूत शक्तिनाथ महतो की जलायी गयी क्रांति की मशाल की लौ कभी धीमी नहीं पड़ने देंगे : सुदेश महतो

शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती पर सुदेश महतो ने श्रद्धांजलि अर्पित की

आजसू पार्टी पदाधिकारियों ने शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती पर उन्हें नमन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शोषण, अत्याचार व अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करनेवाले शहीद शक्तिनाथ महतो के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। झारखंड निर्माण में उनके नेतृत्व और योगदान के लिये सभी झारखंडवासी हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। उन्होंने दमनकारी नीति, अन्याय करने वालों एवं माफियाओं, सूदखोरों के खिलाफ अभूतपूर्व संघर्ष किया था। उनके विचार सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने को प्रेरित करते रहेंगे। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने सिल्ली में शहीद शक्तिनाथ महतो जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कही। मौके पर उन्होंने शहीद शक्तिनाथ महतो के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद शक्तिनाथ महतो ने आजीवन गरीबों, शोषितों और वंचितों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी और उन्हें न्याय दिलाते हुए अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। हम क्रांति दूत शक्तिनाथ महतो द्वारा जलायी गयी क्रांति की मशाल की लौ कभी धीमी नहीं पड़ने देंगे। उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करने की जरूरत है।

शहीद शक्तिनाथ महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी : हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में शहीद शक्तिनाथ महतो की जयंती के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मौके पर पदाधिकारियों ने शक्तिनाथ महतो के योगदान को याद किया। इस दौरान मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव श्याम महतो, परमेश्वर महतो, अजीत सिंह, रांची महानगर से बंटी यादव, अभिषेक नायक, युवा आजसू से गौतम सिंह, अमित कुमार, अजीत कुमार, चेतन प्रकाश, राहुल तिवारी, अभिषेक शुक्ला, वेदांत कौसतव, अंशुतोष कुमार, छात्र संघ से ओम वर्मा, सूरज सिंह, प्रदीप रॉय, रजनीश सिंह, कमल उपस्थित रहें। यह जानकारी आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने दी है।

खूंटी में कीर्ति योजना की खेल प्रतिभा खोज में 2273 खिलाड़ी हुए शामिल, बना रिकॉर्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। ओलंपिक जैसे खेलों में युवा खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन और सहभागिता सुनिश्चित कराने को लेकर युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गांवों में छिपी प्रतिभा की पहचान के लिए एक नई योजना खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति) योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत देश के विभिन्न हिस्सों में खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम चलाकर ग्रामीण इलाको के एथलीट की टेस्ट लेकर प्रतिभा की पहचान की जा रही है। खूंटी जिले के बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 30 जुलाई से दो अगस्त यानी चार दिवसीय (हॉकी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, खोखो और तीरंदाजी) खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित की गयी। इन चार दिनों के कार्यक्रम में जिले के 2273 प्रतिभागी शामिल होकर पूरे भारत वर्ष में सबसे अधिक एथलीट शामिल होने का एक रिकॉर्ड बनाया। उम्र सीमा नौ से 18 वर्ष के लिए चार खेलों के निमित आयोजित प्रतिभा पहचान कार्यक्रम में हॉकी में 921, फुटबॉल से 564, खोखो से 189, एथलेटिक्स से 317 और तीरंदाजी से 282 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यकारी निदेशक सत्यजीत सांकृत, भारतीय खेल प्राधिकरण पूर्वी क्षेत्र कोलकाता के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन, जिला खेल विभाग, शिक्षा विभाग और हॉकी खूंटी जिला तीरंदाजी संघ के सहयोग से संचालित इस प्रतिभा खोज कार्यक्रम में देश में सबसे अधिक एथलीटों का शामिल होना खूंटी जिले में खेल के जुनून को दशार्ता है। चार दिवसीय इस खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम में साई सहायक निदेशक करण साधवानी, जिला खेल पदाधिकारी प्रवीण कुमार, साईं के सीनियर कोच सुरेंद्र प्रसाद, मणिकांत, हॉकी के एल खिंग्यनते, बिब्यानी कोंगरी, सुशांति हेरेंज, सुभासी हेमरोम, एथलेटिक्स से दिनेश, तीरंदाजी संघ से बसंत कुमार एवं आशीष कुमार, जिला खेल विभाग से जिला खेल समन्वयक राहुल कुमार, खेल मित्र कुश साहू सहित खेल विभाग, शिक्षा विभाग की महत्पूर्ण भूमिका रही।

महत्वपूर्ण खबरें

नीलकांत महतो की पुण्यतिथि मनी

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सोनाहातू गांव में शुक्रवार को समाजसेवी फुटबॉलर हेल्थवर्कर नीलकांत महतो का 20 वॉं पुण्यतिथि मनाया गया। गांव में स्थित प्रतिमा पर परिवार के लोगों के साथ ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किये। लोगों ने दो मिनट का मौन रहकर श्रद्धाजंलि दिये। भाई संतोष महतो, समाजसेवी पुत्र प्रकाश कुमार महतो,विकास महतो, आकाश महतो, राजकपूर महतो, अरुण महतो, तरुण महतो, फनी महतो, अजय महतो, दीपक महतो, मनीष महतो, आशीष महतो, अंकित महतो, मंशु, बिंदेश्वरी देवी,कुसुम देवी,सुनीता देवी, रेणु देवी आदि मौजूद थे।

मध्य विद्यालय बुकबुका में विद्यालय प्रबंधन समिति का किया गया पुनर्गठन

खलारी (आजाद सिपाही)। राजकीयकृत मध्य विद्यालय बुकबुका में मुखिया पारसनाथ उरांव की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। इस अवसर पर पर्यवेक्षक के रूप में डकरा सीआरपी मनोज कुमार मिश्रा एव आरटी मनोज कुमार उपस्थित थे। प्रबंधन समिति के 16 सदस्यों का चयन किया गया है। जिसमे अध्यक्ष ज्योति देवी ,उपाध्यक्ष शौकत अंसारी,संयोजक अमर लाल सतनामी,पंचायती राज के निर्वाचित सदस्य पंचायत समिति सदस्य धीरज बहादुर, वाल संसद सदस्य सबीना प्रवीण,शिक्षक प्रतिनिधि कुलदीप एक्का एव सदस्य में मुख्तार खान,ताज मोहम्मद,बबलू सिंह,राजेश मुंडा,संध्या देवी,सुनीता देवी, अरजहा खातून,कलाम अंसारी,सुषमा देवी,सरिता देवी का चयन किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से उपमुखिया नीलम मिंज,पंचायत समिति सदस्य धीरज बहादुर, अरविंद कुमार सिंह,प्रतिमा एक्का, अर्जुन सिंह, दशरथ तुरी, राजेश मुंडा, मुनकराज देवी, अनिता देवी, देवेंद्र चौधरी, विकास कुमार, सुनील कुमार रावत, उमा देवी, कविता देवी, कमली देवी, ललिता देवी, कुसुम देवी, रेखा देवी, शौकत अली तथा प्रधानध्यापक अमरलाल सतनामी, शिक्षक कुलदीप एक्का, जगदीश नायक उपस्थित थे।पंचायत समिति सदस्य धीरज बहादुर ने अपनी ओर से विद्यालय में चार पंखा देने की घोषणा की एवं मुखिया पारसनाथ उरांव ने विद्यालय को हर संभव सहयोग देने की बात की। वही ग्रामीणों में अजय कुमार सिंह भी अपनी ओर से विद्यालय को एक पंखा देने का आश्वासन दिया।

खलारी के मुन्नू शर्मा किये गये सम्मानित

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी के मोहन नगर निवासी चाइल्ड राइट्स एक्टिविस्ट युवा मुन्नु शर्मा को रांची के गुरुनानक सेवक जत्था गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा रातू रोड रांची के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रातू रोड गुरुद्वारा सभागार में यह कार्यक्रम शहीद भगत सिंह के सम्मान में आयोजित किया गया था। जिसमे गुरुनानक सेवक जत्था के द्वारा झारखंड के सभी जिलों से सामाज के प्रति बेहतर कार्य करने वालों में कुल 72 लोगों का चयन किया गया था। इसमें खलारी कोयलांचल से मुन्नु शर्मा को देश भर में लापता गुमसुदा लोगों की खोज करने और झारखंड में मनाव तस्करी के शिकार लोगों को बचाने के इस कार्य के लिए यह सम्मान दिया गया। ज्ञात हो कि मुन्नु शर्मा के द्वारा अब तक 300 से ज्यादा लापता गुमसुदा मनावतस्करी के केस को सॉल्व किया गया है। उनके वाट्सप ग्रुप लापता हेल्प डेस्क के माध्यम से यह कार्य चल रहा है। इस समूह में देश एवम विदेश से लोग जुड़े हुए है।

दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए बिरसा कॉलेज खूंटी के छात्र का चयन

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज, खूंटी के एनएसएस का स्वयंसेवक नवीन किशोर का चयन वर्ष 2024 के स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह, नई दिल्ली के लिए हुआ है। इस संबंध में भारत सरकार से बिरसा कॉलेज को पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमे इस महाविद्यालय के विद्यार्थी के चयन की सूचना दी गई है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ जी किड़ो नवीन किशोर के चयन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि नड़ दिल्ली के स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक लालकिला के मुख्य समारोह में तिरंगे की सलामी देना बहुत बड़ी बात है। एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ पुष्पा सुरीन ने बताया कि एनएसएस का स्वयंसेवक नवीन किशोर का चयन स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होने की जानकारी मिलने से पूरा महाविद्यालय परिवार खुश है। डॉ सुरीन ने कहा कि नवीन किशोर ने पूरे खूंटी का मान बढ़ाया है। लालकिला के मुख्य समारोह का साक्षी बनना बहुत बड़ी बात है। देश के प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराने वाले मुख्य समारोह में शामिल होना स्वाभिमान की बात है। नवीन किशोर की इस कामयाबी पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने उसे बधाई दी है।

खेल में कम समय में ही दौलत और शोहरत मिलती है : अरुण सांगा

खूंटी (आजाद सिपाही)। युवा कांग्रेस के खूंटी जिलाध्यक्ष अरुण सांगा शुक्रवार को युवा कांग्रेस की टीम के साथ खूंटी प्रखंड के तीन गांवों डूंगरा, कालामाटी और फुदी का दौरा किया और वहां के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए जिलायक्ष ने उन्हें फुटबॉल प्रदान किया। मौके पर अरुण सांगा ने वर्तमान समय में खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं में प्रतिभा और हुनर हो, तो उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने से कम समय में ही दौलत के साथ शोहरत भी मिलती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी युवाओं की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें हर संभव सहायता प्रदान किया जाएगा। जिससे वह आगे बढ़कर अपना मंजिल प्राप्त कर सकें। मौके पर जिला उपाध्यक्ष बहा मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष अनमोल, प्रखंड उपाध्यक्ष दशरथ, सुरजन, प्रदीप सुनील, विपिन आदि मौजूद थे।

खूंटी बाइपास सड़क पर राजनीति न कर भूमि अधिग्रहण करायें जन प्रतिनिधि : अर्जुन मुंडा

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा है कि खूंटी बाई पास रोड को लेकर कांग्रेस राजनीति कर रही है। हास्यास्पद बात यह है कि खूंटी बाई पास रोड का शिलान्यास इसी वर्ष 10 मार्च को खूंटी में हुआ। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2500 करोड़ की लागत से दो सड़कों का शिलान्यास किया था, जिसमें स्थानीय जन प्रतिनिधिगण भी शामिल थे। खूंटी के कचहरी मैदान में आयोजित शिलान्यास समारोह में मीडिया और खूंटी के हर व्यक्ति की जुबान पर इस बहु प्रतीक्षित रोड का स्मरण में रहा, लेकिन, कांग्रेस वालों को शायद यह पता नहीं था। इसलिएअब संसद सत्र में यह मामला उठा रहे हैं और खूंटी में बाईपास रोड बनाने की मांग कर रहे हैं। अर्जुन मुंडा ने कहा कि रांची से खूंटी तक चार लेन एनएच का निर्माण, जिसमें खूंटी बाईपास भी शामिल है, के लिए 15 मार्च 2024 को 1907.31 करोड़ रुपये की लागत की स्वीकृति दीग ई थी। यह सड़क तुपुदाना से कुंदी बरटोली तक 31.31 किलोमीटर लंबी फोर लेन है। इसके लिए निविदा 13 मार्च .2024 को आमंत्रित की गई थी। परियोजना के रिक्वेस्ट फॉर प्रोपोजल को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे शीघ्र ही अपलोड किया जाएगा। इस परियोजना में 156.6 हेक्टेयर निजी भूमि और 15 हेक्टेयर वन भूमि का अधिग्रहण शामिल है। ड्राफ्ट 3ए की तैयारी के अंतिम चरण में है। भूमि अधिग्रहण और वन अधिग्रहण की प्रगति को ध्यान में रखते हुए डाक की नियत तिथि तय की जायेगी।

आफत की बारिश : जन जीवन अस्तव्यस्त, बिजली आपूर्ति बाधित, जगह-जगह जलजमाव

लगातार बारिश से नदियां उफान पर, किसानों में हर्ष

कांके प्रेमनगर के पोटपोटो नदी पुल पर दो फीट ऊपर से बह रहा पानी, लोग परेशान

आजाद सिपाही टीम

कांके/इटकी/नामकुम। झारखंड में हो रही मानसूनी बारिश ने एक तरह किसानों को राहत ही है, जो दूसरी ओर लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा दी है। लगातार बारिश से जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अधिकांश जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी है। जानकारी के मुताबिक कांके प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह से ही जोरदार हो रही बारिश के करण प्रेमनगर और पोटपोटो पुल में दो फीट ऊपर से पानी बहने लगा है। जिससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दिया है। बारिश और हवा के कारण गभी से परेशान लोगों ने भी राहत की सांस ली है। वहीं, धान के बिचड़ों के लिए बारिश अमृत की तरह बरस रहा है। गर्मी के कारण सूख रहे धान के बिचड़ों में अचानक से जान आ गई है। कुछ क्षेत्रों के किसानों ने धान की रोपाई भी शुरू कर दी है। कई किसानों ने बताया कि यह बारिश से धान, गन्ने, मक्का और सब्जियों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुआ है। हालांकि जोरदार बारिश के कारण बच्चों को विद्यालय जाने में काफी परेशानी हुई। सड़कों पर जल जमाव हो गया है।

लगातार हो रही बारिश के कारण कांके में पुलिस का उपर से बहता पानी। बारिश के जल में डूबा मंदिर और नामकुम में रेलवे के ओवर ब्रिज के पास से बहता पानी।

भारी बारिश के बाद उफान पर नदी-नाले

नामकुम (आजाद सिपाही)। भारी बारिश के बाद शुक्रवार को आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। वहीं, कुछ दिनों से जारी झमाझम बारिश से किसानों के चेहरों पर मुस्कान तो आ गई है पर देर रात बारिश से नदी-नाले उफान पर है। खेत जलमग्न हो गये हैं। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले तक किसान पानी के लिए तरह रहे थे। उनकी जमीन प्यासी थी। पर बारिश होने से समस्याओं को अंत हो गया और वे धान रोपाई में जुट गये हैं। जबकि लगातार बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह जलभराव हो गया है। जिस कारण लोगों को आवागमन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नामकुम स्थित स्वर्णरेखा और सपाही नदी उफान पर है। नामकुम रेलवे क्रासिंग के समीप स्वर्णरेखा नदी के छोटा पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा है। वहीं, एक स्थानीय महिला ने बताया कि शुक्रवार सुबह तक नदी का जलस्तर नहीं बढ़ा था। पर लगातार हो रही पानी से जलस्तर बढ़ा है। इस पुलिया से आने-जाने वाले राहगीर अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए दूसरे मार्ग का सहारा ले रहे है। स्वर्णरेखा नदी स्थित स्टेन रोज क्लब का छठ घाट पुरा जलकुंभी से पट चुका है। अब नदी का जलस्तर घट जाने के बाद छोटा पुलिया से आवागमन सुचारू रूप से चालू हो पाएगा।

इटकी में भारी बारिश से जन जीवन अस्तव्यस्त

इटकी प्रखंड व आसपास के गांवों में पिछले 24 घंटे से हो रही मुसलाधार बारिश से जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। बारिश के चलते क्षेत्र में घंटों बिजली सेवा बाधित रही। वहीं, किसानों द्वारा खेतों में व्यापक रूप से चल रही धान रोपनी कार्य भी प्रभावित हुआ। खेतों में लगी सब्जी फसल पानी के तेज बहाव से बह जाने की सूचना है। जिससे कई किसानों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ा है। हालांकि किसान भारी बारिश के बावजूद अपने खेतों में डटे दिखे। उधर, हरही गांव स्थित गंगा धारा शिव मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो गया है। मंदिर के गर्भगृह में लबालब पानी भर चुका है। प्रखंड के कई प्रमुख सड़कों में पानी के जमाव से लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के चलते बाजार दिन में ही बंद कर देने पड़े।

नगड़ी में भी बरस रही आफत की बारिश

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सभी 13 पंचायत के गांवों में गत दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोग सुबह से ही अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर हुए हैं। लगातार भारी बारिश होने के कारण निचले इलाकों में जलजमाव हो गया है। नगड़ी प्रखंड से गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर भी दो-तीन फीट पानी जम गया है। शुक्रवार की दोपहर भारी बारिश से नगड़ी मेंन रोड में तीन फीट तक पानी बहने लगा और कई दुकानों और घरों में घुस गया। रांची-गुमला एनएच 23 में स्थित एसबीआई के पास से पिस्का रेलवे ओवरब्रिज तक सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को भारी दिक्कतें आ रही है। वहीं, बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। इधर, गंगा धारा मंदिर भी अत्यधिक पानी से आधा डूबा हुआ है। जबकि इस दिन सुबह से ही बिजली आपूर्ति बाधित रही, जो देर रात तक नहीं आई थी।

एनडीआरएफ की टीम ने प्राकृतिक आपदा से बचने की दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। एनडीआरएफ की टीम ने शुक्रवार को चान्हो के शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया। इस दौरान एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट विनय कुमार ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदा से निपटने के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि जब वर्षा तेज हो या डूबने की स्थिति हो तो हम घरेलू सामानों को भी आपातकालीन स्थिति में बचाने लायक बना सकते हैं। अन्य प्राकृतिक आपदा से भी बचने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सड़क हादसे में घायल को प्राथमिक उपचार के लिए गोल्डेन टाईम के बारे में भी बतलाया। वहीं, सब इंस्पेक्टर चंदन राज भारती ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदाओं सहित सड़क हादसे, आग लगने की स्थिति पर क्या करें, आदि की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य सुशील ने कहा कि इस तरह की जानकारी बच्चों के लिए काफी आवश्यक है। इससे आपातकाल में निपटने में सहायता मिलेगी और किसी की जान बचाई जा सकती है। उप प्राचार्य मोहसिन खान ने भी अपने संबोधन में बच्चों को कहा कि यह जानकारी न सिर्फ अपने तक बल्कि अपने आसपास सभी लोगों को दी जाए। जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में निपटने के लिए तैयार रहे। इस मौके पर एनडीआरएफ प्रशिक्षक श्रीकांत कुमार, नीलिमा टोप्पो, कुलदीप टोप्पो, सीताराम साहु, साबिर अंसारी और उदय नारायण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे

संजय सिंह बने जनजाति सुरक्षा मंच के जिला प्रवक्ता

नामकुम (आजाद सिपाही)। तुपुदाना निवासी सह भाजपा नेता संजय सिंह को शुक्रवार को जनजाति सुरक्षा मंच का जिला प्रवक्ता मनोनित किया गया। इस अवसर पर संजय सिंह ने जनजाति सुरक्षा मंच का आभार जताते हुए कहा कि पूरे देश में असली जनजाति का आरक्षण का लाभ 80 फीसदी अन्य लोग उठा रहे है। इसका विरोध करना चाहिए। उदर, संजय सिंह को जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर जनजाति सुरक्षा मंच के जिला सह संयोजक उमेश बड़ाईक, हरीश कुमार गंझू, सावन बेटिया, सुकरा मुंडा, अजय सिंह भोक्ता, अजय महतो, सुषमा बड़ाईक के साथ अन्य लोगों ने बधाई दी है।

झमाझम बारिश से हुए बेड़ो अंचल के खेत-खलियान लबालब, किसानों के खिले चेहरे

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर और शुक्रवार अहले सुबह हुई झमाझम बारिश ने खेत, खलिहान से लेकर छोटे-छोटे तालाबों को पानी से लबालब भर दिया है। इससे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। खेतों में तैयार बिचड़े की रोपाई के लिए किसान जुट गए। किसान अपने खेतों में पानी सहेजते नजर आए। मौसम से परेशान किसानों की मानें तो उनकी मुराद पूरी हो गयी। इधर, प्रखंड मुख्यालय में इसका विपरीत प्रभाव देशको को मिला। क्योंकि मुशलधार बारिश के कारण कई स्थानों पर जलजमाव हो गया, जिसेस लोग परेशान दिखे। कहीं सड़क कट गया तो कहीं कच्चा मकान ध्वस्त हो गया। वहीं क्षेत्र के छोटे नदी-नाले उफान पर चल रहे हैं। वर्तमान में हो रही बारिश को किसान अमृत मान रहे थे। फसलों को जिंदा रखने के लिए पानी की आवश्यकता थी। कुछ दिनों से हो रही बारिश किसानों के लिए अच्छा संकेत लेकर आ रही है ग्रामीण अंचलों में हर खेत खलियान में पानी पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है। जिस खेत में पानी अधिक हो गया है वहां किसानों द्वारा खेतों से पानी निकाल कर दूसरे खेतों में पहुंचाया जा रहा है।

किसानों ने ली राहत की सांस

क्षेत्र में बेहतर बारिश होने के बाद किसानों ने राहत की सांस ली है। खेतों में लबालब पानी भरा हुआ है। किसान बरसात का ब्रेसबी से इंतजार कर रहे थे। क्षेत्र के नदी-नालों में पर्याप्त पानी भर गया है। क्षेत्र में सूखे के आसार बन रहे थे। लेकिन बारिश ने आसार को दूर कर दिया। किसान खेतों की ओर रूख कर रहे हैं।

भारी बारिश से बेड़ो बाजार टांड़ के समीप सड़क बनी तालाब

भारी बारिश से बेड़ो बाजार टांड़ के समीप एनएच 23 के बीच की सड़क पानी से लबालब भर जाने से तालाब जैसा दृश्य उत्पन्न हो गया। यही नहीं, बेड़ो बाजार टांड़ से देवी मंडप तक इस सड़क पर दर्जनों छोटे-बड़े गड्ढे हो गए हैं। जिस पर छोटे बड़े सैकड़ों वाहनों के गुजरने से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसा ही नजारा शुक्रवार को देखने को मिला। इस सड़क पर गुजरने वाले अपनी जान हथेली पर रखकर आते-जाते दिखे।

अनगड़ा के सुरेश प्रताप ने विदेश में मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

हंगरी में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस ऑन मैटेरियल स्ट्रेंथ एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (एमएसएएम) 2024 में किया भारत का प्रतिनिधित्व

नसीम अहमद सानी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। 'वाकिफ कहां जमाना हमारी उड़ान से...वो और थे जो हार गए आसमान से'। इसी जज्बे और हौसलों के साथ ऊंची उड़ान लेते हुए अनगड़ा प्रखंड के सुदूर गांव बूढ़ीबेड़ा के रहने वाले सुरेश प्रताप नामक युवक ने हंगरी में भारत का प्रतिनिधित्व कर 'प्रिडिक्शन ऑफ रिवर्स माइक्रो ईडीएम फैब्रिकेटेड टंगस्टेन कार्बाइड माइक्रोएलेक्रोड एरीज सर्फेस रफनेस यूजिंग आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। यह अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 29 जुलाई से एक अगस्त तक हंगरी के इस्तवान यूनिवर्सिटी में आयोजित हुआ था। हंगरी से सुरेश प्रताप ने **आजाद सिपाही** को बताया कि उनके प्रजेंटेशन को विश्व स्तर के शोधकर्ताओं ने काफी सराहा। यह सेमिनार मेरे लिए कई मायनों में खास था। इसमें बहुत कुछ करने और सीखने का अवसर मिला। सुरेश प्रताप अनगड़ा प्रखंड के बुढ़ी बेड़ा गांव के स्थाई निवासी हैं पर वर्तमान में हेसल मिलन चौक मंझिलाटोली में अपने माता-पिता के साथ रहते हैं। ये बीआईटी मेसरा में प्रोडक्शन पर शोध कार्य के विद्यार्थी हैं। इनके द्वारा फाइनल शोध कार्य प्रस्तुत किया जा चुका है। कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पहले भी कई सेमिनार में उन्होंने अपना प्रेजेंटेशन दिया है। जिसके अनुभव का लाभ अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रेजेंटेशन प्रोग्राम में प्राप्त हुआ। पीएचडी के बाद आगे के स्कोप पर बताया कि चार अगस्त को स्वदेश लौटने के बाद 12 अगस्त को हरियाणा के गुड़गांव के एक प्रसिद्ध इंस्टिट्यूट में अपना व्याख्यान देंगे। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि मेहनत और लगन का कोई विकल्प नहीं है। लक्ष्य कर सिद्धत के साथ मेहनत किया जाए तो मुकाम हासिल किया जा सकता है। हमारे गांव के युवा बहुत ही लगनशील होते हैं पर उचित मार्गदर्शन के अभाव में भटक जाते हैं। सुरेश ने इस उपलब्धि का श्रेय बीआईटी मेसरा, अपने गाइड एवं माता-पिता को दिया है। उधर, बेटे की इस उपलब्धि पर गौरवान्वित पिता सखीचंद महतो ने कहा कि सुरेश हमेशा से ही मैकेनिक की ओर आकर्षित रहा है। इसीलिए उन्होंने आईएससी छोड़कर मिनी टूल्स एंड डाई मेकिंग में डिप्लोमा किया। इसके बाद रांची से बीटेक किया और फिर ओडिशा के भुवनेश्वर से एमटेक करने के बाद फिलहाल बीआईटी मेसरा से पीएचडी की उपाधि ग्रहण करने वाला है।

बारिश के चलते मूरगू पूल में डायवर्सन क्षतिग्रस्त, वैकल्पिक मार्ग का सहारा

रातू/मांडर (आजाद सिपाही)। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मूरगू पूल में डायवर्सन क्षतिग्रस्त हो गया है। जिस कारण रूट डायवर्ट किया गया है। वैकल्पिक मार्ग के तौर पर रातू से ठाकुरगांव रोड और दलादिली चौक से पाली रोड का उपयोग किया जा रहा है। पाली में सड़क कम चौड़ा होने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग जा रही है। जिस कारण वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है। आवागमन पूरी तरह से बाधित है। एनएचएआई की प्रोजेक्ट डायरेक्टर एकता कुमारी ने मुरगू पुल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। संबंधित विभाग को यथाशीघ्र मरम्मत करने का निर्देश दिया। वहीं, गढ़वा, डाल्टेनगंज, लोहारदगा, खलारी, मैक्लुस्कीगंज के लोगों के लिए काफी परेशानी हो रही। नेशनल हाईवे होने के कारण रोजाना सैकड़ों गाड़ियों का आना जाना इस सड़क से होता है। इस डायवर्सन के बारे में पहले से ही अंदेशा था कि बारिश का पानी नहीं झेल पाएगी। पिछले साल भी यह डायवर्सन टूट गया था। अस्थाई रूप से मरममत करके सड़क का उपयोग किया जा रहा था। बतातें चलें कि इस पुल में काफी दुर्घटना हो चुकी है और कई लोगों की जान भी जा चुकी है। लेकिन प्रशासन चुप बैठा है।

भारी बारिश से गिरा खपरैल का मकान

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के उत्तरी पंचायत अंतर्गत झखराटांड़ में भारी बारिश के कारण गुदरु मुंडा की मिट्टी से बना खपरैल का मकान भरभरा कर ढह गया। घर गिर जाने की वजह से गरीब परिवार बेघर हो चुका हैं। घटना शुक्रवार की घटित हुई। भारी बारिश की वजह से परिवार के सभी सदस्य घर के भीतर ही मौजूद थे। पर घर गिरने की आशंका से जैसे ही बाहर निकले मिट्टी का मकान भरभरा कर गिर गया। जिससे परिवार बाल-बाल बच गया। बताया जा रहा है कि गुदरु मुंडा मजदूरी कर परिवार का भरम पोषण करता है। घर गिर जाने के बाद परिवार बारिश में बेघर हो गया है। बतातें चलें कि गरीब व कच्चा मकान होने के बावजूद गुदरु अबुआ आवास से वंचित है।

बारिश में खिले लापुंग के किसानों के चहरे

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड के ककरिया, दोलैचा, डाड़ी और सापुकेरा समेत सभी पंचायतों में पिछले तीन दिनों से हो रही जोरदार बारिश से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। प्रखंड क्षेत्र में जोरदार बारिश के बाद धान रोपनी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वहीं कई किसान बारिश बंद होने का इंतजार कर रहे हैं। गुरुवार व शुक्रवार अहले सुबह से बारिश शुरू हुई और दिनभर होती रही। किसान छ्तेश्वर गोप अकमरोमा ने बताया कि अब धान रोपाई हो जाएगा। वहीं, कंडारकेल के किसान माघया उरांव ने कहा कि खेतों में भरपूर पानी मिल चुकी है। भले ही बारिश देर से शुरु हुई पर खेती बारी अच्छे से होगी। बारिश बंद होते ही धान की रोपाई शुरू करेंगे। हालांकि शुक्रवार को दिनभर बारिश होने के कारण अधिकांश लोग घरों से भी बाहर नहीं निकले और चौक चौराहों पर सन्नाटा पसरा रहा । लेकिन कई किसान अपने खेतों में धान की रोपाई करते और ट्रैक्टर से जुताई करते दिखे। किसानों के खेत में मेड को तोड़ कर पानी खेत में लबालब भर गया है।

नशा उन्मूलन पर दूसरे दिन भी कार्यक्रम जारी, लोक अदालत पर फोकस

नशा से होती है शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि, इससे बचने की जरूरत: सीआइडी डीएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के मार्गदर्शन में शुक्रवार को रांची के संत जेवियर इंटर कॉलेज में नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम शुक्रवार को दूसरे दिन भी आयोजित हुआ। इस अवसर पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, मध्यस्थ पीएन सिंह, लाईफ सेवर्स संस्था के अतुल गेरा, सीआइडी के डीएसपी राजकुमार यादव, सीटी डीएसपी अनुज उरांव, पीएलवी भूप्रताप महतो, मानव कुमार, संगीता सिंह, संगीता देवी एवं संत जेवियर इंटर कॉलेज के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिका आदि उपस्थित थे। इसल अवसर पर एलएडीसी अधिवक्ता राजेश सिन्हा ने मानव औषधियां और मनःप्रभावी पदार्थ-1985 के अधीन अफीम, गांजा, हिरोईन, ब्राउन शुगर, चरस आदि का व्यापार करने और अफीम की खेती करने से संबंधित अपराध के बारे में जानकारी दी। साथ ही औषधि और प्रसाधन सामाग्री अधिनियम 1940 के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया। इसके अलावा एनडीपीएस, एनसीबी तथा संविधान के अनुच्छेद 47 के संबंध में फोकस किया। उन्होंने कहा कि पान, गुटखा, खैनी आदि से नशा की शुरूआत होती है। सजा को तीन कैटेगरी स्मॉल, इंटरमीडिएट, कॉमर्शियल में बांटा गया है। इसमें 2 से 20 साल की सजा और दो लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। वहीं, मध्यस्थ पीएन सिंह ने कहा कि नशा हम सब के लिए एक अभिशाप है। अच्छी शिक्षा के अभाव में लोग कम उम्र में ही नशा जैसे अन्य शारीरिक दुष्परिणाम का शिकार हो जाते हैं। नशा मुक्ति का अर्थ होता है किसी व्यक्ति या समाज को नशे से मुक्त करना। ड्रग्स लेने से मस्तिष्क खराब हो जाता है। सोचने की क्षमता समाप्त हो जाती है। वहीं, सीआइडी डीसपी राजकुमार यादव ने कहा कि नशा से शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक हानि होती है। नशा में व्यक्ति चोरी करना शुरू कर देता है। नशा के चपेट में आकर नशीली पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग अपने अनमोल जीवन को नष्ट कर रहे है। नशा से पूरा घर-परिवार बर्बाद हो जाता है। नशा के रोकथाम के लिए कई कार्य विभिन्न संस्थाओं द्वारा किये जा रहे है। लाईफ सेवर्स के अतुल गेरा ने भी नशा उन्मूलन पर प्रकाश डाला। उन्होंने नशा से होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि नशा शरीर की गुणवत्ता को समाप्त कर देता है। इसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। नशा से परिवार का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक क्षति होता है, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि नशा के आदि व्यक्ति का पूरा पैसा नशा करने में खर्च होता है, जिसका प्रभाव उसके परिवार पर पड़ता है और परिवार नष्ट हो जाता है। नशा का शिकार व्यक्ति पागलों की तरह इधर-उधर घुमता रहता है, जिससे उसका मान-सम्मान भी समाप्त हो जाता है। इस अवसर पर 14 सितंबर को होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में छात्र-छात्राओं को बताया गया और उनके बीच नशा मुक्ति से संबंधित लिफलेट और पंपलेट बांटा गया।

बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी सहित आसपास के कई गांवों के हजारों बिजली उपभोक्ता इन दिनों बिजली की आंख मिचौली से बेहद परेशान हैं। नगड़ी, देवरी, नारो, बांध टोली, बंधया, साहेर, हरीह, बसिला, एड़चोरो और सपारोम आदि दर्जनों गांव के ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से इन क्षेत्रों में सही से बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है। दिन भर में मात्र दो से तीन घंटे ही बिजली की आपूर्ति हो रही है, जिससे पठन पाठन से लेकर दैनिक कार्य सभी प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, छोटे-मेटो दुकानदारों, व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं, बिजली नहीं रहने से छोटे-छोटे बच्चे ढिबरी या मोमबत्ती के सहारे पठन-पठान करने को मजबूर हैं। नगड़ी क्षेत्र में हालात ऐसे बने हुए हैं कि हल्की बारिश या आंधी आते ही बिजली काट दी जाती है। दो कई-कई घटों नहीं आती। राजधानी रांची और हटिया ग्रीड से सटे होने के बाद भी क्षेत्र के बिजली विभाग के पदाधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही के कारण घंटों बिजली गुल रहती है। इस बाबत बिजली गुल होने का कारण पूछने से लिए फोन करने पर कोई पोन तक उठाने की जहमत नहीं दिखाता है। क्षेत्र के कनिय अभियंता, एसडीओ और स्थानीय बिजली कर्मियों के इस रवैए से बिजली उपभोक्ताओं में काफी आक्रोश है। नगड़ी प्रखंड के बिजली उपभोक्ताओं ने मुख्यमंत्री से बिजली विभाग के पदाधिकारियों को अविलंब तबादला करने की मांग की है।

पलामू सांसद ने की रेल मंत्री से मुलाकात, क्षेत्र की रेलवे से जुड़ी समस्याओं से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में जाकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलकात की। उन्होंने रेल मंत्री को पलामू संसदीय क्षेत्र में रेलवे से जुड़ी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सांसद ने दो महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं के लंबित रहने के कारण उस क्षेत्र के निवासियों को हो रही कठिनाइयों से अवगत कराया। बताया कि एक परियोजना गया-शेरघाटी इमामगंज-डालटनगंज रेलवे लाइन के निर्माण से संबंधित है, जबकि दूसरी परियोजना बरवाडीह चिरिमिरी अंबिकापुर तक रेल लाइन निर्माण से संबंधित है। दोनों में समानता यह है कि कई किलोमीटर तक रेलवे लाइन का निर्माण हो चुका है। इन दोनों रेल परियोजनाओं पर करोड़ों रुपए खर्च भी हो चुके हैं पर वर्षों से उस पर कार्य बंद हो गया है। सांसद ने रेल मंत्री से इन दोनों रेल परियोजनाओं को पूर्ण करवाने की मांग की। बताया कि हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने भी रेल मंत्री से मुलकात कर बरवाडीह-चिरिमिरी-अंबिकापुर रेल लाइन के निर्माण का अनुरोध किया है। वहीं बंदे भारत ट्रेन को टाटानगर मुरी रांची, लोहरदगा, डालटनगंज, गढ़वा रोड, जपला होते हुए वाराणसी तक चलाने पर इस रूट के भी यात्रियों को लाभ मिलने की बात कही। बताया कि उक्त रूट पर वाराणसी के लिए ट्रेनें भी कम है। इतना ही नहीं, इस रूट पर पड़ने वाले चारों जिले लोहरदगा, लातेहार, डालटगंज एवं गढ़वा देश के 112 आकांक्षी जिलों में आते हैं। जिनको विकास की मुख्य धारा में जोड़ने की प्रधानमंत्री जी की महत्वकांक्षी योजना भी है। वंदे भारत ट्रेन को टाटानगर, मुरी, रांची, लोहरदगा, डालटनगंज, गढ़वा रोड व जपला मार्ग पर चलाने की स्वीकृति प्रदान करने की अपील की। कहा कि रांची से पटना जाने के लिए वंदे भारत ट्रेन का परिचालन प्रारंभ हो गया है जिसके मार्ग में हजारीबाग, गिरीडीह एवं कोडरमा जिला पड़ते हैं जो झारखंड के हैं और रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन से कनेक्ट हो गए हैं। इस लिए वंदे भारत ट्रेन को टाटानगर-मुरी-रांची-लोहरदगा डालटनगंज, गढ़वा रोड व जपला होते हुए वाराणसी तक चलायी जाय। बताया कि कोरोना काल में ही बरवाडीह चोपन चुनार पैसेंजर ट्रेन संख्या 53351/53352 का परिचालन बंद किया गया था, जिसे अब तक शुरू नहीं किया गया है। नहीं हो सका है। उससे पलामू संसदीय क्षेत्र अंतर्गत लगभग 11 रेलवे स्टेशनों क्रमशः नगर उंटारी, रमना, मेराल, गढ़वा, गढ़वा रोड़, तोलरा, लालगढ़ बिहार, रजहारा, कजरी, डालटनगंज एवं चियांकी के यात्रियों को आवागमन करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इस लिए उक्त ट्रेन का परिचालन दोबारा चालू किया गया। इसके अलावा पटना-सिंगरौली लिंक एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 23347/23348 एवं शक्तिपुंज एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 11448/11449 का मेराल रेलवे स्टेशन पर ठहराव करने की मांग की। विदित हो कि उक्त स्टेशन पर चोपन गोमो पैसेंजर ट्रेन एवं रांची चोपन एक्सप्रेस रूकती है। इसके अलावा कोई अन्य पैसेंजर या एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं है। रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन 12453/12454 का नगर उटारी (श्री बंशीधर नगर) रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग काफी दिनों से की जा रही है। उक्त ट्रेन सप्ताह में एक दिन रांची वाया चोपन-चुनार होते हुए नई दिल्ली तक जाती है। विदित है कि धनबाद रेल मंडल के अंतर्गत गढ़वा रोड चोपन रेल खण्ड पर स्थित नगर उंटारी (श्री बंशीधर नगर) झारखण्ड राज्य का प्रमुख तीर्थ स्थल है, जहां श्री राधा-कृष्ण की 32 मन की अद्वितीय स्वर्ण प्रतिमा विराजमान है। यहां आने वाले श्रद्धालु श्री बंशीधर नगर को दूसरा मथुरा और वृंदावन मानते हैं। ऐसे नगर उंटारी (श्री बंशीधर नगर) रेलवे स्टेशन पर उक्त ट्रेन की ठहराव की आवश्यकता है। इस तरह कई अन्य ट्रेनों के ठहराव की मांग की। सांसद ने बताया कि उपरोक्त विषयों के संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री ने गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए वर्णित मांगों पर सहमति जतायी है। उम्मीद है जल्द जनता को आवागमन में हो रही कठिनाईयों से निजात मिलेगी।

हुसैनाबाद में 2.26 करोड़ की लागत से बनेगा स्टेडियम, निर्माण कार्य को मिली स्वीकृति

आने वाले दिनों में युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था की जायेगी : विधायक

कहा- क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा पूरा

आजाद सिपाही संवाददाता

विधायक कमलेश कुमार सिंह।

हुसैनाबाद। विधायक कमलेश कुमार सिंह के अथक प्रयास से हुसैनाबाद में प्रखंड स्तरीय स्टेडियम निर्माण कार्य को स्वीकृति मिल गई है। स्टेडियम का निर्माण 2.26 करोड़ रुपए की लागत से होगा। इसकी स्वीकृति झारखंड सरकार की पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग ने दी है। इस संबंध में विधायक कमलेश सिंह ने बताया कि युवाओं व खिलाड़ियों की मांग पर उन्होंने बड़ा स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति दिलाई है। स्टेडियम बनने से क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति रुझान बढ़ेगा। वहीं, एनसीपी के युवा नेता सूर्या सिंह ने स्टेडियम निर्माण कार्य की स्वीकृति पर टीम सूर्या की ओर से विधायक कमलेश सिंह को बधाई दी है। कहा कि हुसैनाबाद में स्टेडियम निर्माण कार्य के अलावा युवाओं को सभी जगह तरजीह देने का काम हुआ है। सूर्या सिंह ने कहा कि कुछ माह पहले इस स्टेडियम का प्राक्कलन सिर्फ 67 लाख का बना था। बाद में इसे बढ़ा कर 2.26 करोड़ कराने में थोड़ा समय लगा। वहीं, विधायक ने कहा कि आने वाले दिनों में युवाओं को रोजगार की व्यवस्था की जायेगी। इसमें वह लगे हुए हैं। जल्द ही परिणाम सामने आने की संभावना है। उधर, स्टेडियम निर्माण को स्वीकृति मिलने से खिलाड़ियों में काफी उत्साह है

नगर आयुक्त से मिले अविनाश देव

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। श्रावण महीने में बारिश संतोषजनक हो रही है। हालांकि झुगी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें भी बढ़ी हुई है। जल जमाव, बिजली-पानी की समस्या बनी हुई है। इन समस्याओं को लेकर झामुमो के वरिष्ठ नेता अविनाश देव ने शुक्रवार को मेदिनीनगर नगर निगम के आयुक्त से उनके दफ्तर में जाकर मुलाकात की। उन्होंने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व मिट्टी का बॉटल-कप देकर स्वागत किया। साथ ही समस्याओं को लेकर चर्चा की। इस पर नगर आयुक्त ने समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

लक्ष्मी शिशु वाटिका स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला लक्ष्मी शिशु वाटिका प्ले स्कूल में बच्चों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण को बचाने के लिए एक वृक्ष अपने नाम कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। विद्यालय के निदेशक शशिकेश कश्यप ने कर्मियों व छात्र-छात्राओं के साथ दर्जनों पौधे लगाये। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को भी पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार है। प्रत्येक वर्ष गर्मी प्रचंड रूप धारण करती जा रही है। जिससे निजात पाने का एक ही उपाय है। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए। सभी अभिभावक एवं बच्चों से निवेदन है कि अपने नाम का एक पेड़ अवश्य लगाएं। पेड़ है तो जीवन है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्याल, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–सुरेन्द्र राम, उम्र–24 वर्ष, रंग–गोरा, ऊँचाई–5 फीट, 5 ईंच पहनावा–सफदे रंग का शर्ट नीला रंग का पैंट पहने हुए है। ।

उपरोक्त लापता व्यक्ति सुरेन्द्र राम, पे0–चन्द्रिका राम, सा0–भडगावॉ, थाना–चैनपुर, जिला–पलामू, वर्तमान पता–सा0–झखराटॉड, थाना–रातु, जिला–रॉंची जो दिनांक–05.06.2024 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं है। जिसके संबंध में रातु थाना सनहा संख्या 26/2024 दिनांक–06.06.2024 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना की सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन सधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता पुरूश कहीं मिलते/दिखते हैं तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नलिखित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक मु0, द्वितीय, रॉंची –9431706142
थाना प्रभारी रातु, रॉंची। –9431706175

वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची

PR 331563 (Police)24-25*D

पीपरा में अधिकारियों व प्रतिनिधियों ने 150 विद्यार्थियों को दी साइकिल

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। पीपरा प्रखण्ड कार्यालय परिसर में गुरुवार को जिला कल्याण पदाधिकारी सेवा राम साहू, प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी, पीपरा सांसद प्रतिनिधि मथुरा प्रसाद गुप्ता, मधुबना मुखिया राजेश राजवंशी ने संयुक्त रूप से छात्र छात्राओं के बीच 150 साइकल का वितरण किया। मौके पर बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी ने बताया कि सरकार द्वारा प्रदत्त कक्षा 8 वर्ग के छात्र छात्राओं को दिया जा रहा है। जिससे घर से स्कूल आने जाने में विद्यार्थियों को सहूलियत होगी। वहीं पलामू जिला कल्याण पदाधिकारी सेवा राम साहू ने बताया कि हीरो ईको टेक लिमिटेड के द्वारा कावेरी क्रोस कंपनी की साइकल वितरण योजना के तहत विद्यार्थियों को उन्नति का पहिया उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी सर्जुन राम, प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी अमित कुमार, पीपरा उच्च विद्यालय एच एम अनुपमा ज्योति, यदुवाडीह एच एम कमल बिहारी, गजना एच एम बिरेंद्र राम, धवतर एच एम संजय राम, रसिटोला एच एम इंद्रजीत राम, बभंडी शिक्षक बैजनाथ राम सहित कई लोग उपस्थित थे।

चुनाव संपन्न, शिक्षक प्रतिनिधि बने डॉ राजेश्वर चौधरी

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी प्रखंड के मजदूर किसान महाविद्यालय डंडार कला में शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव संपन्न हुआ। इसमें डॉ राजेश्वर चौधरी शिक्षक प्रतिनिधि चुने गए। चुनाव प्रभारी कनीय अभियंता पीयूष पांडेय और प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार राम के नेतृत्व में मतदान की प्रकिया संपन्न हुई। शिक्षक प्रतिनिधि को लेकर दो शिक्षक नागेंद्र साहू और डॉ राजेश्वर चौधरी ने पर्चा भरा था। शिक्षकों ने नागेंद्र साहू को 13 और डॉ राजेश्वर चौधरी को 14 वोट दिया, जबकि एक वोट रद्द हो गया। प्राचार्य दिलीप कुमार राम एवं शिक्षकों ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधि को जीत की बधाई दी। कहा कि उम्मीद है कि नये शिक्षक प्रतिनिधि के नेतृत्व में महाविद्यालय का विकास तेजी से होगा।

आनंद कुमार बने जपला एके सिंह कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला एके सिंह कॉलेज में शुक्रवार को विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में शिक्षक प्रतिनिधि का निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसके लिए दो उम्मीदवार प्रोफेसर मुकेश कुमार और डॉक्टर आनंद कुमार मैदान में थे। प्रोफेसर मुकेश कुमार को 13 मत और डॉ आनंद कुमार को 14 मत मिले। डॉ आनंद कुमार शिक्षक प्रतिनिधि निर्वाचित हुए। इस चुनाव प्रक्रिया में निर्वाचन पदाधिकारी प्रो रेखा कुमारी सिंह, पीठासीन पदाधिकारी प्रो सुधीर कुमार सिंह और मतगणना पदाधिकारी लेखापाल ओम प्रकाश सिंह थे। डॉ आनंद कुमार की जीत पर कॉलेज के प्राचार्य सूर्य मणि सिंह, प्रो डॉ राम सुभग सिंह, प्रो शशि भूषण, प्रो मुकेश कुमार, डॉ शिव कुमार विश्वकर्मा, प्रो रवि कुमार, प्रो राहुल कुमार सिंह और अभिषेक कुमार आदि ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना को लेकर शिविर आज

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज प्रखंड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 21 से 50 साल तक की महिलाओं को 'मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना' का लाभ देने के लिए शनिवार से शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में वार्डवार 10 अगस्त तक लगाया जाएगा। बीडीओ कुमार अरविंद बेदिया ने शुक्रवार को बताया कि 21 से 50 वर्ष आयु तक की महिलाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार, महिला सशक्तिकरण, उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने और परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सरकार की ओर से मुख्यमंत्री मइया योजना का शुभारंभ किया गया है। इसके तहत महिलाओं को प्रत्येक माह 1000 रुपये आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है।

13 से धरना को लेकर विश्रामपुर भाजपा महिला मोर्चा की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार के खिलाफ 13 अगस्त को धरना-प्रदर्शन करने को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की ओर से शुक्रवार को विश्रामपुर शक्ति केंद्र में बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता महिला मोर्चा की नगर मंडल अध्यक्ष किरण शर्मा व संचालन महामंत्री अर्चना देवी ने किया। बैठक के भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष सीटू गुप्ता व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम भी शामिल हुए। इससे पहले बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित, दीप प्रज्ज्वलित एवं वंदेमातरम गीत गाकर किया गाया। साथ ही महिला मंडल द्वारा सभी अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर विशेष चर्चा की गयी। साथ ही झारखंड सरकार की जन विरोधी नीतियों व विपक्ष के नेताओं को मुंह बंद करने के लिए की जा रही सख्ती के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने 13 अगस्त को जिला में विरोध प्रदर्शन करने पर अपनी-अपनी सहमति जतायी। इस अवसर पर डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी व जिला अध्यक्ष सीटू गुप्ता ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की रूप रेखा की जानकारी दी। मौके पर इद्रीश हवारी, सुनिल कुमार चौधरी, बबिता देवी, किरण देवी, देवनारायण सिंह, भिखारी साव आदि उपस्थित थे।

छतरपुर में डिज्नीलैंड मेला का उद्घाटन

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। छतरपुर नगर पंचायत के फुलवारी मैदान में डिजनी लैंड मेला का उद्घाटन बीडीओ आशीष कुमार साहू, पूर्व नगर उपाध्यक्ष सुभाष मिश्रा, समाजसेवी अरविंद कुमार गुप्ता, शिक्षक जितेंद्र कुमार आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग उपस्थित थे। मेला स्थल को विभिन्न आकर्षक झूलों, खेलों और खाने-पीने के स्टॉल्स से सजाया गया है, जिससे यह बच्चों और परिवारों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है। मेला प्रबंधन समिति ने सभी के मनोरंजन के लिए व्यापक व्यवस्था की है।

वरीय पुलिस अधीक्षककाकार्याल, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

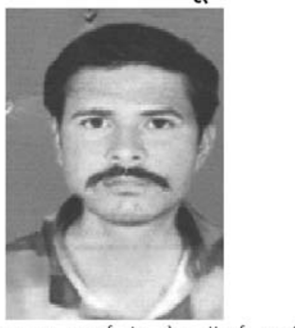

नाम–महेश कुमार राय, उम्र–38 वर्ष, रंग–गोरा, ऊँचाई– 5 फीट, 6 ईंच पहनावा–टी शर्ट एवं फुल पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति महेश कुमार राय, पे0–स्व0 हर मोहन राय, वर्तमान पता–कमरा नं0– 403 महालक्ष्मी कॉम्पलेक्स लाईन टैंक रोड चडरी, थाना–कोतवाली, जिला– रॉंची, वर्तमान पता महादेव देवला, थाना–सोनारायठाडी, जिला–देवघर जो दिनांक– 28.06.2024 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में कोतवाली सनहा संख्या 25/2024 दिनांक– 07.07.2024 दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना की सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन सधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता पुरूश कहीं मिलते/दिखते हैं तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नलिखित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली, रॉंची – 9431770077
थाना प्रभारी कोतवाली, रॉंची। – 9431706158

वरीय पुलिस अधीक्षक रॉंची

PR 331578 Police (24-25)_D

स्पोर्ट्स

पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीन ने ऑस्ट्रेलिया को 52 साल बाद हरा कर इतिहास रच दिया है।

ओलिंपिक हॉकी : भारत ने 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को हराया

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया है। ओलिंपिक हॉकी के इतिहास में भारत ने 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को हराया है। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया पर आखिरी जीत 1972 में मिली थी। टीम की ओर से कप्तान हरमनप्रीत ने 2 गोल किए। एक गोल अभिषेक ने किया। सभी ग्रुप मैच पूरे होने के बाद यह तय हो जाएगा कि इंडिया क्वार्टर फाइनल में किस टीम से भिड़ेगी। दूसरी ओर, स्टार शूटर मनु भाकर ने लगातार तीसरे इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। तीरंदाज अंकिता भकत और धीरज की भारतीय टीम मिक्स्ड कैटेगरी का ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गई है। भारतीय जोड़ी को अमेरिका ने 6-2 से हराया। **आर्चरी** : आर्चरी में भारतीय मिक्स्ड टीम ब्रॉन्ज मेडल मैच में अमेरिका से हार गई। भारतीय टीम को अमेरिका ने 6-2 से हराया। ब्रॉन्ज मेडल मैच में अमेरिकी तीरंदाजों ने शुरूआती दो सेट 38-37, 37-35 से जीतकर 4-0 की बढ़त हासिल की। फिर भारतीय जोड़ी ने 38-34 से तीसरा सेट जीतते हुए स्कोर 4-2 कर लिया, लेकिन आखिरी सेट के पहले निशाने चूकने के बाद भारतीय टीम यह सेट 37-35 से हार गई।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला

(सामान्य शाखा)

आवश्यक सूचना

माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, रॉंची के द्वारा याचिका W.P.(S) No- 4362/2022 भगवान महतो –बनाम–झारखण्ड राज्य एवं अन्य में दिनांक–17.07.2023 को पारित आदेश तथा गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड रॉंची के अधिसूचना संख्या–2032 दिनांक–07.04.2015, अधिसूचना संख्या–4998, दिनांक–19.09.2019 एवं अ०स०प० संख्या–17/कोर्ट केस–10/2019 536, दिनांक–29.01.2020 के आलोक में दिनांक–23.07.2018 को पारित न्यायादेश के अनुपालन में गुमला जिले में ग्रामीण चौकीदार के कुल–226 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। जिसके विरूद्ध कुल 12290 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें दावा आपत्ति एवं स्क्रुटनी के पश्चात् कुल 9672 (नौ हजार छः सौ बहत्तर) आवेदन स्वीकृत किये गए हैं। चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा दिनांक–11.08.2024 को निर्धारित है। प्रवेश पत्र का वितरण प्रतिदिन कैम्प लगाकर संबंधित प्रखण्ड से किया जायेगा। अगर किसी अभ्यर्थी को दिनांक–07.08.2024 तक प्रवेश पत्र संबंधित प्रखण्ड से नहीं प्राप्त होता है, तो वैसे अभ्यर्थी उपायुक्त का कार्यालय, जिला सामान्य शाखा, गुमला कमरा संख्या–09 में आकर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र प्राप्त करने हेतु संबंधित प्रखण्ड/उपायुक्त का कार्यालय, जिला सामान्य शाखा, गुमला में अभ्यर्थी अपना अद्यतन पास्पोर्ट साईज रंगीन फोटोग्राफ, पहचान पत्र या आधार कार्ड साथ में लेकर आयेंगे।

विश्वासभाजन,
उपायुक्त, गुमला।

PR 331557 District(24-25)D

सीसीएल सीकेएस के नाराज अधिकारियों-सदस्यों ने दिया इस्तीफा

कथारा (आजाद सिपाही)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबंद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ कथारा क्षेत्र के कई अधिकारियों-सदस्यों ने यूनियन से अपना इस्तीफा दे दिया। इसमें पूर्व जेसीसी सदस्य सह पूर्व कल्याण सदस्य सीसीएल आर इग्नेस, संगठन के पूर्व क्षेत्र सचिव राज मंडल, पूर्व क्षेत्रीय सह सचिव देवनारायण यादव आदि मुख्य रूप से शामिल है। इसके साथ ही पूरे कथारा क्षेत्र के परियोजना से जुड़े यूनियन के अन्य अधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने भी अपनी-अपनी सदस्यता वापस लेते हुए प्रबंधन को लिखित त्यागपत्र दे दिया है। बतातें चलें कि पिछले दिनों बीएसएफ के केंद्रीय कार्य समिति का चुनाव हुआ था। जिसमें कथित रुप से क्षेत्र के एक विवादित व्यक्ति को पदाधिकारी बनने का यहां के कार्यकर्ताओं ने विरोध किया था। इसके बावजूद केंद्रीय नेतृत्व ने उस व्यक्ति को संगठन का केंद्रीय पदाधिकारी बना दिया। इसी से नाराज होकर बड़ी संख्या में अधिकारियों-सदस्यों ने प्रबंधन और संगठन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अपना-अपना त्याग पत्र सौंप दिया है। सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ से इस्तीफा देने वाले ने बताया कि मजदूर हित में जल्द ही किसी श्रमिक संगठन में शामिल होने का निर्णय लिया जाएगा। उधर, उक्त लोगों के इस्तीफा देने से संगठन के सदस्यों की संख्या में भारी कमी होने का अनुमान है।

बारिश का कहर : बाढ़ जैसे हालात, कुसुंडा के एना कोलियरी में जीरो सिम फेस में पहुंचा पानी

धनसार व बस्ताकोला में 4.5 हजार टन कोयले का उत्पादन पूरी तरह ठप: अजय

बीसीसीएल प्रबंधन ने जल निकासी में लगे चार मोटर पंप को डूबने से बचाया

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। मानसून की लगातार बारिश का असर बीसीसीएल के विभिन कोलियरी क्षेत्रों में दिखने लगा है। बारिश के चलते कई कोलियरियों का उत्पादन शून्य हो गया है। कोयला डिस्पैच में भी भारी गिरावट आई है। एक ओर जहां प्रबंधन जल निकासी के लिए अतिरिक्त मोटर पंप की व्यवस्था पुख्ता कर खदान कोयला फेस में पानी जमा नहीं होने देने में जुटा है वहीं, कुसुंडा क्षेत्र के एना कोलियरी में कुंवारी नदी जोरिया में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। जोरिया का पानी परियोजना के जीरो सिम फेस में पहुंच गया है। बीसीसीएल प्रबंधन एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों ने आनन-फानन में जल निकासी में लगे चार मोटर पंप को डूबने से बचा लिया। पानी बढ़ता देख मोटर को सुरक्षित स्थान पर लाया गया। वहीं जोरिया के समीप ट्रेंच कटिंग कर पानी की धारा को वापस नदी की ओर मोड़ा गया। इसके बाद से परियोजना का उत्पादन ठप है और डिस्पैच भी प्रभावित है। जोरिया के तेज बहाव के पानी ने ओबी डंपिंग के रास्ते को भी बहा दिया है, जिसका असर आने वाले कुछ दिन तक कोयला उत्पादन पर पड़ेगा। वहीं बस्ताकोला ओपन कास्ट परियोजना में लगातार बारिश ने उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया है। परियोजना पदाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि माइंस को सुरक्षित रखने के लिए परियोजना में जल जमाव नहीं होने देने पर ध्यान रखा गया है। बारिश के कारण करीब 3000 टन उत्पादन प्रभावित हुआ। वहीं, डिस्पैच भी पूरी तरह ठप है। वहीं धनसार विश्वकर्मा परियोजना में बारिश का असर दिख रहा है। परियोजना में होने वाले करीब डेढ़ हजार टन कोयला उत्पादन पूरी तरह ठप है। परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि सुरक्षा के मध्य नजर कर्मियों को सावधानी बरतने को कहा गया है। परियोजना के समीप से गुजरने वाली कारी जोरिया नदी की साफ-सफाई कर परियोजना फेस में पानी नहीं घुसने देने की तैयारी की गई है।

जोरिया के तेज बहाव के चलते ओबी डंपिंग का रास्ता भी बहा

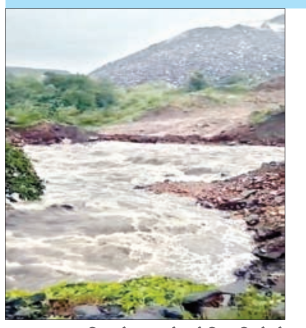

लगातार बारिश के चलते कोलियरियों में पानी घुसने से ठप पड़ा उत्पादन और डिस्पैच कार्य।

गोमिया कुपोषण उपचार केंद्र का प्रखंड प्रमुख और बीडीओ ने किया निरीक्षण

गोमिया (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित कुपोषण उपचार केंद्र का शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े और बीडीओ महादेव कुमार महतो ने संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखंड प्रमुख ने कहा कि कोई भी कुपोषित ना रह जाए इसके लिए सरकार हमेशा प्रयत्नशील है। इसके लिए नियुक्त अस्पताल कर्मी बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल करें, ताकि ये लोग जल्दी ठीक हो सकें। वहीं बीडीओ ने निरीक्षण के दौरान पाया कि कुपोषण केंद्र में कुल 10 बेड थे, जिसमें कुल 8 बच्चे सेंटर में एडमिट पाए गए। शेष दो बेड खाली था। खाली दोनों बेडों पर चिन्हित दो बच्चों को यथाशीघ्र एडमिट करने के लिए नोडल एलएस सुषमा कुमारी को निर्देश दिया गया है। जानकारी के अनुसार गोमिया कुपोषण उपचार केंद्र में कुल 10 बेड की व्यवस्था है। कुपोषित बच्चों को स्वस्थ कर कुपोषण से बाहर निकालने की प्रक्रिया 15 दिनों की होती है। जिसमें हर दो घंटे पर उनलोगों की जांच और पुष्टाहार भोजन दिया जाता है। साथ ही प्रतिदिन उनके वजन की जांच की जाती है। निरीक्षण के क्रम में यह भी पाया गया कि बच्चों को समयानुसार पोषक खाद्य पदार्थ दूध, बादाम, हलुआ, खिचड़ी आदि दिया जा रहा है। प्रखंड प्रमुख और बीडीओ ने कहा कि जनरल ओपीडी में डॉ पूनम, ओटी असिस्टेंट पूजा कुमारी, एएनएम नीलिमा और हेल्थ वर्कर खुशबू कुमारी उपस्थिति पाई गई। ड्रेसिंग रूम में कार्यरत ड्रेसर रीना कुमारी द्वारा जांच के समय से निरीक्षण तक कुल 6 मरीजों की ड्रेसिंग की गयी। इस मौके पर सीएचसी चिकित्सा पदाधिकारी बलराम मुखी, ब्लॉक लेखा प्रबंधक गौतम कुमार आदि मौजूद थे।

'खेलो झारखंड' खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बलियापुर (आजाद सिपाही)। शिक्षा विभाग की ओर से शुक्रवार को खेतटांड़ फुटबॉल मैदान में तीन दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी, बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा, बीइओ रीना कुमारी और मुखिया धर्मेंद्र रवानी ने किया। खेलो झारखंड में प्रखंड अंतर्गत सभी स्कूलों के बच्चे-बच्चियां भाग लेगी। इसे लेकर प्रखंड स्तरीय टीम तैयार की गयी है। उधर, भारी बारिश के बावजूद कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया। मौके पर बीपीओ राकेश प्रसाद, शिक्षक आदित्य प्रसाद मिर्धा, स्वपन कुमार महतो, परितोष घोषाल, संजीव कुमार, सुशील कुमार, विनीता वाला, सरिता कालिंदी, गीता कुमारी, हन्नान अख्तर और सूर्यकांत सिंह आदि उपस्थित थे।

विस्थापित नेता ने सीसीएल सीएमडी से की मुलाकात

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। विस्थापित नेता सह एचएमकेयू के ढोरी क्षेत्र के अध्यक्ष कैलाश ठाकुर ने शुक्रवार को सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह से रांची स्थित मुख्यालय में जाकर मुलाकात की और बेरमो के विभिन्न मुद्दों पर उनका ध्यान आकर्षित करवाया। कहा कि विस्थापितों की जमीनों के सत्यापन में विलंब हो रहा हैं। रोडसेल में कोयला पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा हैं।

'मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान' योजना को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में लगेगा कैंप : नंदिनी कुमारी

योजना को सफल बनाने को लेकर मुखिया ने की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' को सफल बनाने को लेकर शुक्रवार को छत्रुटांड़ पंचायत सचिवालय में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मुखिया नंदिनी कुमारी ने की। इसमें 'मंईयां सम्मान योजना' के फार्म भरने को लेकर चर्चा की गयी। मुखिया नंदिनी कुमारी ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को शत प्रतिशत सफल बनाने के लिए गांव-गांव में कैंप कर 21 से 50 वर्ष तक की सभी महिलाओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया। कहा कि छत्रुटांड़ पंचायत के सभी वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहिया, बुद्धिजीवी एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील है कि इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए आगे आयें। बैठक में दिनेश कुमार प्रमाणिक, नीलम प्रभा, श्वेता दशौंधी, गायत्री देवी, सेवंती देवी, रेखा देवी, अहिल्या देवी व पूर्णिमा देवी आदि शामिल थीं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग में निबंधित सभी समुचित श्रेणी के संवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–2231(अनु०)दिनांक 24.07.2024पी०आर० संख्या–330548Building(24-25):D द्वारा प्रकाशित ई–निविदा आमंत्रण सूचना निम्नवत पढ़ा जाय –

Sl. No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	Construction of Gate Outlet & Development in the campus of Pashupalan Bhawan, Hesag, Ranchi	14724200	Six Month
2	Start Date of Submission of Bids	06-08-2024 at 03.00 PM	
3	Last Date/Time of Submission of Bids	13-08-2024 at 03.00 PM	
4	Date/Time of Opening of Bid	14-08-2024 at 03.00 PM	

एवं अन्य शर्तें पूर्ववत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची

PR 331636 (Building) 24-25 (D)

शहीद शक्ति नाथ महतो शोषण मुक्त समाज के क्रांतिदूत थे: दीप नारायण

धनबाद (आजाद सिपाही)। जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने शहीद शक्ति नाथ महतो की 76वीं जयंती मनायी। शुक्रवार को शक्ति चौक स्थित शहीद शक्ति नाथ महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहीद शक्ति नाथ महतो का जीवन गांव, गरीब, मजदूर, किसान, छात्र और नौजवान को अधिकार दिलाने एवं शोषण मुक्त समाज निर्माण के संघर्ष में लगा रहा। वे हमेशा शोषित, पीड़ित, वंचित लोगों की आवाज बने रहे। जिस कारण वे कुछ लोगों के आंख का कांटा बन गये और धोखे से उनकी हत्या कर दी गयी। पर शोषकों को शायद जानकारी नहीं है कि शहीद शक्ति नाथ महतो जैसे क्रांति दूत कभी मरते नहीं। विचारों के माध्यम से वे हमेशा हमलोगों के बीच जीवित रहेंगे। कहा कि हम सभी को शपथ लेना होगा कि अगर समाज और देश के लिए हमें प्राणों की आहूति भी देनी पड़े तो पीछे नहीं हटेंगे। जिस लड़ाई को शहीद शक्ति नाथ महतो ने शुरू की थी उसे हमलोग आगे ले जाएं। ऐसा करना ही शहीद शक्ति नाथ महतो के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक शिव प्रसाद महतो, भाजपा नेता निलकंठ रवानी, जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जदयू नेता संजय दे, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, जिला महासचिव दीपक महतो, तारा बाबू, महेंद्र दास, सपन दुबे, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ तोपचांची प्रखंड अध्यक्ष अहमद रजा, पंकज सिंह, प्रिंस कुमार, सुभाष सिंह आदि मौजूद थे।

निर्मल महतो अध्यक्ष व जितेंद्र तांती महासचिव बने

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के फुसरो नगर का हुआ पूर्व विस्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति जेएलकेएम की फुसरो नगर समिति के विस्तार को लेकर शुक्रवार को वार्ड नंबर 18 स्थित ढोरी बस्ती बैठक में हुई। जिसकी अध्यक्षता और संचालन नगर अध्यक्ष निर्मल महतो ने किया। बैठक में केंद्रीय संगठन मंत्री सह गिरीडीह लोकसभा प्रभारी कमलेश महतो भी शामिल हुए। बैठक में कमलेश महतो को केंद्रीय कोर कमेटी में सदस्य बनाने पर नगर समिति की ओर से बधाई व शुभकामनाएं दी गयी। इसके साथ ही फुसरो नगर समिति का पूर्ण विस्तार किया गया। जिसमें नगर अध्यक्ष निर्मल महतो, उपाध्यक्ष राजू प्रसाद, विकाश कुमार, चितरंजन कुमार, लक्ष्मण सिंह, उत्तम घांसी, गुलाम सरवर, महासचिव जितेंद्र ताती, सचिव चंद्रदेव महतो, शहजाद अंसारी, पिंटू महतो, संगठन सचिव विक्की गझू, वशिम हुसैन, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार, विजय रविदास और अमित उरांव को बनाया बनाया गया। वहीं, कार्यकारिणी सदस्य सुधीर गझू, नरेश गंझू, गणेश महतो, कमल महतो, उमेश महतो, केदार तांती, गुलाम अंसारी, बसंत महतो, रमेश महतो आदि बनाए गए। बैठक में केंद्रीय संगठन सचिव राज कुमार गिरि, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, जिला महामंत्री, मो हाशिम अंसारी, राजू नायक, राजेश महतो, आकाश कुमार, जगेश्वर महतो, संतोष साव, उमेश महतो, योगेंद्र महतो, नरेश गंझू, सुधीर गंझु, धीरज कुमार, देवनारायण महतो, गणेश कुमार, अश्विनी महतो आदि मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या-1, राँची

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग में निबंधित सभी समुचित श्रेणी के संवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक– 2231 (अनु०) दिनांक 24.07.2024 पी०आर० संख्या– 330548 Building (24-25):D द्वारा प्रकाशित ई–निविदा आमंत्रण सूचना के क्रम संख्या–1 एवं 2 में Tender Reference No.- BCD/Div.No.-1, Ranchi/20/ 2024-25 एवं BCD/Div.No.-1, Ranchi/21/ 2024-25 के स्थान Tender Reference No.- BCD/Div.No.-1, Ranchi/21/ 2024-25 एवं BCD/Div.No.-1, Ranchi/22/ 2024-25 पढ़ा जाय, एवं अन्य शर्तें पूर्ववत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची

PR 331623 Building (24-25)_D

'मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' फॉर्म का वितरण

बैदकारो/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो प्रखंड के बैदकारो पश्चिमी पंचायत अंतर्गत हिल टॉप कॉलोनी आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 62 में शुक्रवार को बेरमो प्रखंड के बीस सूत्री सदस्य संतोष महतो, सेविका रंजन घोषाल और सहायिका रानी देवी ने मुख्यमंत्री मंईयां योजना का फार्म महिलाओं के बीच वितरण किया। संतोष महतो ने कहा कि 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' के तहत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए दिया जायेगा। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं को 3 से 10 अगस्त तक पंचायत में लगने वाले शिविर में आवेदन खुद उपस्थित होकर जमा करना होगा। साथ ही राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, वोटर कार्ड की छाया प्रतियां और दो पासपोर्ट साइज फोटो जमा करना है। मौके पर ताजिया परवीन, तारा देवी, शबाना परवीन, अंजू देवी, सोमरी देवी आदि मौजूद थीं।

अभाविप की दो दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक आज से

वर्तमान परिदृश्य, शैक्षिक एवं सामाजिक विषयों पर होगा मंथन: याज्ञवल्क्य शुक्ल

देशभर के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ ही नेपाल के भी प्रतिनिधि ले रहे हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक शनिवार से गिरिडीह जिले के मधुबन, पारसनाथ में शुरू होगी। अभाविप की इस दो दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, एस बालकृष्ण, गोविंद नायक आदि के साथ ही नेपाल के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। झारखंड के सुप्रसिद्ध मधुबन, पारसनाथ में आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण होगी। जिसमें विद्यार्थी परिषद की पिछली गतिविधियों की समीक्षा के साथ ही आगामी योजनाओं का निर्धारण होगा। संगठनात्मक दृष्टि से यह बैठक महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। जिसमें शिक्षा, समाज, वर्तमान परिदृश्य आदि विभिन्न विषयों सहित संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के बाद आगामी दिशा-योजना निर्धारित होगी और अभाविप के पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों के वृत्त व अनुभव पर चर्चा होगी। बैठक में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में हो रहे परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की स्थिति, अभाविप की संगठनात्मक गतिविधियों पर संवाद के साथ शिक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलावों, देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 2024 में आयोजित होने के लिए प्रस्तावित छात्रसंघ चुनावों समेत, परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के उपाय आदि अन्य प्रमुख बिंदुओं पर भी विचार विमर्श कर संगठनात्मक दिशा तय होगी। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि देश के युवाओं और विद्यार्थियों के समक्ष अनेक चुनौतियों के साथ ही अवसर भी हैं। कहा कि वर्तमान में पेपरलीक और कोचिंग संस्थानों में कुप्रबंधन से जुड़े विषयों ने लाखों विद्यार्थियों के हितों को प्रभावित किया है, जिसका यथाशीघ्र स्थायी समाधान की आवश्यकता है। विद्यार्थी परिषद अपने विभिन्न प्रयासों से शिक्षा और समाज क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में प्रयासरत है। अभाविप की श्रीपारसनाथ केंद्रीय कार्यसमिति बैठक देश के विद्यार्थियों और समाज से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक संवाद से अभाविप के आगामी अभियानों की दिशा तय करेगी।

झारखण्ड सरकार
राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)

अधिघोषणा (अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)
पंडरा (**NH75** पर)–कांके (होलिडे होम **SH-02** पर) पथ (कुल लंबाई 5.545 कि०मी०) के चार लेन में पुनर्निर्माण कार्य (पुल निर्माण सहित) परियोजना।

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा "पंडरा (**NH75** पर)–कांके (होलिडे होम **SH-02** पर) पथ (कुल लंबाई 5.545 कि०मी०) के चार लेन में पुनर्निर्माण कार्य (पुल निर्माण सहित) परियोजना" हेतु ग्राम–जयपुर, थाना–राँची, थाना संख्या–189, अंचल–काँके, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा–4.119 एकड़ भूमि अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खण्ड है, जो मानक माप से कमोवेश रकबा–4.119 एकड़ है, जो ग्राम–जयपुर, थाना–राँची, थाना संख्या–189, अंचल–काँके, जिला–राँची में है, जिसकी विवरणी निम्नलिखित है:–

मौजा–जयपुर

क्र०	खाता सं०	सर्वे प्लॉट सं०	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0)			
						उ0	द0	पू0	प0
1	90	685	दोन दो	0.019	बंधना उरांव पिता–ढुमा उरांव वगैरह	684	686	687	680
2	68	490	परती गड़हा	0.160	बकास्त भुईहरी	489	687	687	493
3	130	488	टांड़ दो	0.018	बकास्त भुईहरी	487	487	486	482
4	130	487	दोन तीन	0.043	बकास्त भुईहरी	484	486	484	488
5	130	484	दोन तीन	0.291	बकास्त भुईहरी	380	687	687	487
6	140	493	टांड़ दो	0.185	बकास्त भुईहरी	481	492	490	494
7	140	492	परती कदीम	0.070	बकास्त भुईहरी	493	491	491	493
8	130	380	दोन दो	0.361	बकास्त भुईहरी	398	687	नदी	381
9	131	491	परती कदीम	0.240	गैरमजरुआ मालिक	492	687	687	493
10	131	489	परती गड़हा	0.035	गैरमजरुआ मालिक	488	490	486	493
11	131	486	परती कदीम	0.050	गैरमजरुआ मालिक	487	687	484	489
12	131	485	परती कदीम	0.040	गैरमजरुआ मालिक	484	687	687	486
13	111	687	परती कदीम	1.831	गैरमजरुआ मालिक	686	सीमाना	688	677
14	111	688	नदी	0.776	गैरमजरुआ मालिक	-	-	-	-
			Total	4.119					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात् किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–
ग्राम–XXX, थाना संख्या–XXX, अंचल–XXX, जिला–XXX, क्षेत्रफल–XXX एकड़, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

उपायुक्त,
राँची

PR 331510 (Land Reforms)24-25*D

एमसीएल के सीएसआर के तहत 100 युवाओं को यूपीएससी/ओपीएससी कोचिंग दी जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। संबलपुर महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख कोचिंग पहल उज्वल झारसुगुड़ा - एमसीएल की एक पहल शुरू की। इस परिवर्तनकारी परियोजना का उद्घाटन समारोह गुरुवार को ब्रजराजनगर कॉलेज, ब्रजराजनगर में आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश पुजारी माननीय राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री ओड़िशा सरकार उपस्थित थे। इस

अवसर पर एमसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक उदय ए काओले, कलेक्टर झारसुगुड़ा, पुलिस अधीक्षक झारसुगुड़ा और केशव राव, एमसीएल के निदेशक (कार्मिक) भी उपस्थित थीं।

इस पहल का उद्देश्य झारसुगुडा जिले के छात्रों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का समर्थन करना है। इसमें यूपीएससी, ओपीएससी, बैंकिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग खर्च शामिल होंगे।

प्रत्येक वर्ष, 100 चयनित छात्रों को दो प्रमुख स्थानों पर मुफ्त कोचिंग से लाभ होगाः ब्रजराजनगर कॉलेज, ब्रजराजनगर, और लक्ष्मी नारायण कॉलेज झारसुगुड़ा। उच्च गुणवत्ता वाली तैयारी सुनिश्चित करने के लिए प्रसिद्ध संस्थानों द्वारा कोचिंग दी जाएगी। उज्वल झारसुगुड़ा - एमसीएल की एक पहल के अलावा, एमसीएल ने पहले प्रतिष्ठित आइआइटी में प्रवेश के इच्छुक वंचित छात्रों का समर्थन करने के लिए भुवनेश्वर में एमसीएल-सुपर 50 पहल शुरू की है। एमसीएल का ब्राइट फ्यूचर्स प्रोग्राम शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने और प्रभावशाली सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक विकास में योगदान देने के लिए कंपनी के समर्पण का प्रतीक है।

वायनाड प्रभावितों को खाद्य किट देगा राजामुडी ऑर्गेनिक्स

- सात अगस्त को एक ट्रक खाद्य सामग्री रवाना होगी, छह तक डोनेट कर सकते हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। वायनाड में आयी प्राकृतिक आपदा ने कई परिवारों को संकट में डाल दिया है। राजामुडी ऑर्गेनिक्स इस कठिन समय के दौरान प्रभावितों के साथ खड़ा हुआ है। राजामुडी ऑर्गेनिक्स प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आवश्यक खाद्य किट देने का निर्णय लिया है। इस किट में 5 किलो सोनामसूरी चावल, 1 किलो तुअर दाल, 3 किलो गेहूं का आटा, 500 ग्राम गुड़, 500 ग्राम का नमक पाउडर शामिल है। कंपनी के सीइओ और फाउंडर नागेंद्र कुमार एच ने बताया कि वायनाड में प्रभावित लोगों के लिए 7 अगस्त को एक ट्रक आवश्यक खाद्य किट भेजेंगे।

आप भी कर सकते हैं पीड़ितों की मदद

कंपनी के सीइओ और फाउंडर नागेंद्र कुमार एच ने बताया कि आपका समर्थन हमारे प्रयासों को बढ़ा सकता है। हमारे राहत कोष में योगदान से हमें अधिक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। आप भी 6 अगस्त तक दान कर सकते हैं। दान करने के लिए वेबसाइट पर जायें :https://rajamudi.com/products/wayanad-relief-kit. एक किट की कीमत 649 रुपये है। उन्होंने कहा कि हमारे राहत प्रयासों और इसमें शामिल होने के अन्य तरीकों के बारे में अपडेट के लिए सोशल मीडिया पर हमारे साथ जुड़े रहें। यह अभियान सामुदायिक भागीदारी और समर्थन को प्रोत्साहित करते हुए राजामुडी ऑर्गेनिक्स के राहत प्रयासों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करता है। हम साथ मिलकर वायनाड के पीड़ित परिवारों को मदद कर सकते हैं। आपके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।

ओड़िशा सीएम ने पर्वतारोही बिभारानी को सम्मानित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को लोक सेवा भवन में ढेंकनाल जिले के ओडापाड़ा की प्रसिद्ध पर्वतारोही बिभारानी पात्रा को सम्मानित किया। पर्वतारोही को बधाई देने के अलावा मुख्यमंत्री ने उसे सफल चढ़ाई की शुभकामनाएं भी दीं, क्योंकि वह 6 अगस्त को रूस और यूरोप के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एल्ब्रुस पर चढ़ने के लिए अपनी यात्रा शुरू करने वाली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिभरानी पात्रा का साहस युवाओं के लिए गहन प्रेरणा का स्रोत है और माउंट एल्ब्रस पर उनकी सफल चढ़ाई निस्संदेह उनके और राज्य दोनों के लिए सम्मान की बात होगी। सम्मान समारोह के दौरान ओड़िशा के संसदीय कार्य एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ मुकेश महालिंग उपस्थित थे।

यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि बिभरानी ने 2019 में लेह लद्दाख में माउंट स्टोक कांगरी और 2023 में अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई की है। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के अलावा बिभरानी को 2019 में अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय युवा नेता के रूप में मान्यता दी गयी थी।

ममता महांत भाजपा में शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्यसभा सदस्यता और बीजू जनता दल (बीजद) से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ममता महात गुरुवार को नयी दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय में शामिल हो गयीं। उन्होंने भाजपा के ओडिशा प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर, पार्टी महासचिव अरुण सिंह और सांसद प्रदीप पाणिग्राही, संगीता सिंहदेव और राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन सहित ओड़िशा के कई नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में सामिल हुए। पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल होने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं का आभार व्यक्त किया।

तीन लाख से अधिक की नकदी और आभूषणों के साथ नौ लुटेरे गिरफ्तार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बोलनगीर पुलिस को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली, उन्होंने जिले में चोरी और डकैती के मामलों के आरोपी नौ लुटेरों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी के खिलाफ अलग-अलग थानों में 17 मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार किये गये सभी आरोपी महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से तीन लाख से अधिक रुपये, सोने-चांदी के आभूषण बरामद किये हैं। ये लोग बोलनगीर जिले के विभिन्न मेलों में खिलौने बेचते थे और महिलाओं का पीछा कर उन्हें लूटने का प्रयास करते थे। बलांगीर के एसपी ऋषिकेश खिलारी ने बताया कि इस घटना में और कौन-कौन शामिल है, इसकी जांच जारी है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें

www.azadsipahi.in

जयपुर में करंट लगने से मां-बेटे की मौत

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओड़िशा के कोरापुट जिले के जयपुर में एक दुखद घटना में मां और बेटे की बिजली का करंट लगने से मौत हो गयी। रिपोर्ट के अनुसार जब बेटा बिजली के तार के संपर्क में आया, तो उसे बचाने के लिए उसकी मां दौड़ी और उसे करंट लग गया। घटना जयपुर के जयंतीगीर इलाके की है। कथित तौर पर बेटा कपड़े सुखाते समय बिजली के तार के संपर्क में आ गया। बेटे को करंट लगते देख मां उसे बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गयी। परिवार के लोग दोनों को पास के अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके पहले 16 जुलाई को गंजम जिले में रामायण स्टेज शो के दौरान करंट लगने की घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 19 बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए थे। यह घटना डिगापहांडी तहसील के फासीगुडा गांव में हुई थी।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या : TRD-OT-06-AMC-132 KV-24-25. 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : Annual Maintenance of 132KV Transmission line in CIC section for three (03) years. कार्य समापन की अवधि – (36) छत्तीस माह। 2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹64,40,393.63, निविदा प्रपत्र का मुल्य – शून्य। 3. बीड सिक्युरिटि : ₹1,28,900/–, 4. ई-निविदा बन्द होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई-निविदा बंद होने की तिथि 22.08.2024 को 11:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि 22.08.2024 को 11:30 बजे। 5. वेबसाईट का विवरण : वेबसाईट : www.ireps.gov.in ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।
मंडल रेल प्रबंधक/क.वि./
पूमरे/धनबाद
पीआर/00817/डीएचएन/ईटीआरडी/टी/24-25/32

गोलामुंडा बीडीओ अक्षमिता कार्तिक गिरफ्तार, 4.92 लाख रुपये जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। धर्मगड गोलामुंडा बीडीओ अक्षमिता कार्तिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिश्वत की रकम 4.92 लाख रुपये जब्त करने के मामले में विजिलेंस ने 18 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया है। विजिलेंस के हाथ में कई जानकारियां सामने आयी हैं। गुरुवार को विजिलेंस ने उन्हें जारी चौक में उस वक्त पकड़ा था, जब वह भवानीपटना से मीटिंग कर सरकारी गाड़ी से लौट रहे थे। बीडीओ अक्षमिता कार्तिक को 4.92 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। जब विजिलेंस ने पूछा कि उसके पास इतने पैसे कहां से आये, तो बीडीओ ने जब्त किये गये पैसे का सबूत नहीं दे सका। इसके चलते विजिलेंस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आय से अधिक संपत्ति जमा करने के आरोप में सतर्कता विभाग की चार सदस्यीय टीम शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

जानकारी के अनुसार सतर्कता विभाग को जानकारी मिली है कि बीडीओ अक्षमिता कार्तिक कई विभागीय धोखाधड़ी में शामिल थी और उससे पहले भी जब वह नबरंगपुर और रायगढ़ा जिलों में तैनात थी तब भी वह कई विभागीय धोखाधड़ी में शामिल थी। अब भी कोरापुट स्थित पिता के घर, रायगढ़ स्थित पति के घर, गोलामुंडा स्थित सरकारी आवास और भुवनेश्वर स्थित फ्लैट पर छापेमारी जारी है। विजिलेंस विभाग ने गुरुवार को बीडीओ से 4.92 लाख रुपये नकद और एक सरकारी वाहन जब्त किया। विजिलेंस विभाग ने सूचित किया है कि छापेमारी के बाद बीडीओ की अचल संपत्तियों का आकलन किया जायेगा।

इंजीनियर प्रवास प्रधान के घर ओड़िशा सतर्कता विभाग का छापा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। इंजीनियर प्रवास कुमार प्रधान पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में ओड़िशा सतर्कता विभाग ने छापेमारी की है। उन्हें बैतरणी बैराज डिवीजन, सलापाड़ा, क्योंझर ए/पी सिंचाई के अधीक्षण अभियंता (एसइ), बालासोर डिवीजन, बालासोर के मुख्य अभियंता के रूप में पदोन्नति के आदेश दिये गये थे। विशेष न्यायाधीश, सतर्कता, बालासोर द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर ओड़िशा सतर्कता विभाग द्वारा बालासोर जिले में सात स्थानों पर एक साथ घरों की तलाशी ली जा रही है, जिसमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, चार पुलिस उपाधीक्षक, छह निरीक्षक, सात सहायक उपनिरीक्षक और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल हैं। इंजीनियर प्रवास कुमार प्रधान ने अलग-अलग वर्षों में उपरोक्त प्लॉट अपने नाम से तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम से खरीदे हैं। पंजीकृत बिक्री विलेख का कुल मूल्य 2 करोड़ रुपये से अधिक है। हालांकि, वास्तविक मूल्य इससे अधिक होने की संभावना है, जिसकी पुष्टि की जा रही है। भवनों-भूखंडों की माप और आकलन सतर्कता तकनीकी विंग द्वारा की जा रही है।

यहां चल रही है तलाशी

1. प्रधान का पैतृक आवासीय घर, बड़ाबाजार, जालेश्वर, बालासोर में स्थित है।
2. बड़ाबाजार, जालेश्वर, बालासोर में स्थित प्रधान का एक पांच मंजिला नवनिर्मित भवन।
3. बड़ाबाजार, जलेश्वर, बालासोर में प्रधान की एक मंजिला इमारत, चारदीवारी सहित और मार्केट कॉम्प्लेक्स।
4. महिनसामुंडा, बलियापाल, बालासोर स्थित उनके रिश्तेदार का घर।
5. प्रधान का सरकारी क्वार्टर, सरकारी आइटीआइ छक, बालासोर के पास सिंचाई कॉलोनी में स्थित है।
6. बालासोर डिवीजन, बालासोर सरकार के पास प्रधान, एसई का कार्यालय कक्ष। आइटीआइ छक।
7. संतिया, जालेश्वर, बालासोर में उनके करीबी सहयोगी का घर।

इन संपत्तियों का खुलासा

1. जालेश्वर में स्थित एक पांच मंजिला इमारत, जिसका क्षेत्रफल लगभग 12,500 वर्ग फुट है।
2. गोबरा घाट, जालेश्वर, बालासोर में लगभग 5650 वर्ग फीट में फैली एक नवनिर्मित आरसीसी छत वाली इमारत, जिसमें चारदीवारी और बाजार परिसर है।
3. 85 भूखंड, जिनमें से 80 भूखंड जलेश्वर में, चार भूखंड देलंगा पुरी में और एक भूखंड पश्चिम बंगाल के सुनकानिया में है।
5. नकद 11,70,980 रुपये।
6. सोना लगभग 218 ग्राम, जिसमें एक सोने का बिस्किट भी शामिल है।
7. बैंक, डाक, बीमा एवं अन्य जमाराशियों का पता लगाया जा रहा है।
8. एक चार पहिया वाहन (इंडिका) और एक स्कूटर (होंडा एक्टिवा)।

THIRD EYE CLINIC
ADVANCE PHACO LASER EYE CARE CENTRE
Contact For More Details
DR. VISHAL CHOUDHARI
OPHTHALMOLOGIST
Mob - 7003381944, 9431594628
NH- 33 Near Madarsa, Irba, Ranchi - 835219
Branch 2 : Sri Sai General Store, Dipatoli, Ranchi -9

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

JAISWAL CCTV
आपके शहर राँची में
अपने घर ऑफिस दुकान में लगाऐं
CCTV कैमरा
कचहरी चौक, राँची
4 कैमरे का सेट अब सिर्फ 14999/-
2 कैमरे का सेट अब सिर्फ 9999/-
अभी कॉल करे 9162992862
स्टेट बैंक के सामने कचहरी चौक, राँची - 834001

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. RN/249/2019-21